A Daily News Magazine
इंदौर
मंगलवार, 18 फरवरी, 2025

सुबह सवेरे

इंदौर एवं भोपाल से एक साथ प्रकाशित

वर्ष 10 अंक 139, नगर संस्करण, पृष्ठ 8, मूल्य रू. 2

प्रसंगवश

देश में आयकर कानून के सरल होने से विवाद घटेंगे

ललित गर्ग

वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण ने लोकसभा में गुरुवार को 64 साल पुराने आयकर कानून-1961 के सरलीकरण और इसमें चले आ रहे बेवजह के प्रावधानों को समाप्त करने के उद्देश्य से नया इनकम टैक्स बिल-2025 पेश कर दिया। 622 पन्नों के इस विधेयक में 536 धाराएं शामिल हैं। जबकि आयकर कानून-1961 में 1647 पन्ने और 819 धाराएं रही है। इस विधेयक में कई पुराने और जटिल प्रावधानों को हटाकर करदाताओं के लिए इसे आसान और पारदर्शी बनाया गया है। नए कानून का उद्देश्य कर प्रक्रिया को स्पष्ट, सहज, सरल और कानूनी उलझनों से मुक्त बनाना है जिससे लंबे समय तक चलने वाले विवादों की संख्या कम हो। इसे लागू करने की संभावित तारीख 1 अप्रैल 2026 तय की गई है। निश्चित ही नये आयकर कानून से टैक्स व्यवस्था में पारदर्शिता और सरलता के नए दौर की शुरुआत होगी, यह आयकर कानून का नया सूरज है, जो जटिलताओं एवं पेचिदगियों की जगह सरलता एवं सहजता की रोशनी बनेगा।

मौजूदा आयकर कानून की तुलना में नया आयकर कानून शब्दों और धाराओं की संख्या के हिसाब से काफी छोटा है, पुराने इनकम टैक्स एक्ट में 5.12 लाख शब्द थे, जबकि नए बिल में सिर्फ 2.6 लाख शब्द हैं। एक्ट के अलग-अलग चैप्टर भी 47 से घटाकर 23 कर दिए गए हैं, नए कानून में 1200 प्रावधान और 900 स्पष्टीकरण हटा दिए गए हैं। इन बदलावों का मकसद यह है कि लोग आसानी से आयकर के नियम समझ सकें और टैक्स भरने की प्रक्रिया पहले से आसान हो जाए। यह बिल आयकर प्रावधानों को सरल और आसान बनाने के बड़े मकसद से जुड़ा है, जिसका फायदा आने वाले वर्षों में दिख सकता है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी प्रारंभ से ही कम-से-कम कानूनों एवं सरल-व्यवस्था के हिमायती रहे हैं।

दुनिया की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर देश में आर्थिक क्रांति का शंखनाद अनेक मोर्चे पर हो रहा है। न केवल भारत की अर्थव्यवस्था बदली है बल्कि हमारे आसपास की पूरी दुनिया बदल चुकी है। 1961 में बने आयकर कानून में बदलती जरूरत के मुताबिक नए-नए संशोधन होते रहे, जिससे इसकी जटिलता बढ़ती चली गई। यह जटिलता न केवल करदाताओं को उलझन में डालती थी बल्कि कानूनी प्रावधानों की कई तरह से व्याख्या अनेक उलझने एवं विवाद खड़ा करती रही है। इन लगातार बढ़ते विवादों के कारण ही इसे दुनिया की टैक्स विवादों की राजधानी कहा जाने लगा। खासकर पिछले करीब डेढ़ दशक में यह ट्रेंड बहुत तेजी से बढ़ा। नौबत ऐसी आ गई कि 2023-24 तक टैक्स संबंधी मुकदमों में विवादित रकम बढ़कर 15.4 लाख करोड़ रुपये हो गई, जिसका करीब 87 प्रतिशत हिस्सा डायरेक्ट टैक्स से जुड़ा है।

ऑर्गनाइजेशन फॉर इकॉनमिक कोऑपरेशन एंड डिवेलपमेंट (ओईसीडी) की ओर से 34 देशों में टैक्स विवादों पर हुई एक स्टडी के मुताबिक 2015 में भारत में टैक्स विभाग को महज 11.5 प्रतिशत मामलों में ही जीत मिली थी। ओईसीडी देशों का औसत इस मामले में 65 प्रतिशत है। अवश्य ही यह स्थिति भारत के लिये चिन्ताजनक रही है। अब इस स्थिति में सुधार होने की संभावना है। आर्थिक विशेषज्ञों की मानें तो नए आयकर कानून से कर संहिता अधिक सरल हो जाएगी और वह आयकर अधिकारियों के साथ आयकरदाताओं को भी राहत प्रदान करेगी।

देश में ऐसी सरल कर प्रक्रिया की अपेक्षा रही है कि कोई भी आदमी कर चुकाने के मामले में जमीनी और कागजी, दोनों ही स्तरों पर आत्मनिर्भर हो। नया कानून इस बड़ी अपेक्षा की पूर्ति करते हुए बड़ी परेशानियों से मुक्ति की राह प्रशस्त कर रहा है। ऐसे में चाहे असेसमेंट ईयर के बदले टैक्स ईयर जैसी शब्दावली तय करने की बात हो या सैलरी डिडक्शन से जुड़े तमाम प्रावधानों को एक सेक्शन में रखने की या खेती से जुड़ी आमदनी संबंधी प्रावधानों पर स्पष्टता लाने की, प्रस्तावित बिल सही ढंग से अमल में आए तो यह देश की टैक्स व्यवस्था को मजबूती देने के साथ नया भारत, सशक्त भारत एवं विकसित भारत के संकल्प को भी बदल देगा। यह भी समय की मांग है कि सरकार आयकरदाताओं की संख्या बढ़ाने के उपाय करे। यह इसलिए आवश्यक है, क्योंकि वर्तमान में डेढ सौ करोड की आबादी वाले देश में आयकर देने वालों की संख्या चार करोड़ से भी कम है। इनमें मुख्यतः वे ही हैं, जो नौकरीपेशा हैं। आयकर विभाग को इतना चुस्त एवं दुरस्त करने की जरूरत है कि जो समर्थ होते हुए भी आयकर नहीं देते हैं, ऐसे लोगों का पता लगाये। आखिर जो संपन्न किसान एक सीमा से अधिक आय अर्जित करते हैं, उन्हें आयकर के दायरे में क्यों नहीं लाया जाना चाहिए? बहुत से लोग काफी समय तक दवा के स्थान पर बीमारी ढोना पसन्द करते हैं पर क्या वे जीते जी नष्ट नहीं हो जाते? समर्थ लोगों को स्वैच्छा से आयकर देने के लिये तत्पर होना चाहिए।

देश में आयकर का विषय विवादों से घिरा रहा है। अभी भी कुछ अर्थशास्त्री आयकर को दोहरा एवं गैर-जरूरी कराधान मानते हैं। लम्बे समय से ऐसे स्वर भी उभरते रहे हैं कि एक आम आदमी लगभग हर वस्तु और सेवा के लिये कर चुकाता है तो फिर उससे आयकर वसूलने की जरूरत क्यों है? भविष्य में इस पर भी सकारात्मक चिन्तन की अपेक्षा है। एक और बड़ी विसंगति का सामना आयकरदाता करता रहा है कि उसे आयकर विभाग हर मोर्चे पर सन्देह एवं शंका की नजर से देखता है। इसलिये जितना आवश्यक आयकर संबंधी नियम-कानून सरल करना है, उतना ही इस बात की अपेक्षा है कि आयकर विभाग लोगों से अनावश्यक रूप से न तो सवाल-जवाब करे और न ही किसी भूल-चूक पर उन्हें तंग करे। यह तब संभव होगा, जब आयकर अधिकारी आयकरदाताओं को संदेह की दृष्टि से देखना बंद करेंगे। उन्हें यह भी समझना होगा कि आयकर बचाने के उपाय अपनाने का मतलब कर चोरी करना नहीं होता। आयकर विभाग को उन कारणों का निवारण भी करना होगा, जिनके चलते लोग आय छिपाने के जतन करते हैं। इसी के साथ ऐसी भी व्यवस्था करनी होगी, जिससे आयकर का आकलन करने और उसकी वसूली में भ्रष्टाचार न होने पाए। आयकर विभाग को लोगों के विश्वास का उपभोक्ता नहीं अपितु संरक्षक बनना होगा। निश्चित ही नया आयकर कानून भारत की कर प्रणाली को आधुनिक और प्रभावी बनाएगा। इससे करदाताओं को अपनी जिम्मेदारियां निभाने में आसानी होगी, कर प्रणाली में भरोसा बढ़ेगा और कानूनी उलझनों से बचा जा सकेगा।

(प्रभासाक्षी डॉट कॉम पर प्रकाशित लेख के संपादित अंश)

श्रद्धालुओं का नहीं रुक रहा सैलाब, 1 करोड़ ने स्नान किया

मेला क्षेत्र में फिर आग लगी, महाकुंभ- प्रयागराज में लगा भीषण जाम, 12 किमी तक कारों की लाइन

प्रयागराज (एजेंसी)। महाकुंभ में सोमवार को फिर जबरदस्त भीड़ है। रात 8 बजे संगम से फाफामऊ तक 12 किमी लंबा जाम लगा था। महाकुंभ से करीब 10-12 किमी तक पूरे शहर की यही स्थिति थी। रोड पर कारों की लंबी लाइन है। महाकुंभ मेला परिसर में सोमवार दोपहर एक बार फिर आग लग गई है। सेक्टर-8 में लगी आग पर दमकल कर्मियों ने काबू पा लिया है।

श्री कपि मानस मंडल और उपभोक्ता संरक्षण समिति के शिविर में आग लगी थी। दोनों शिविर में दो-दो तंबू जले हैं। मुख्य अग्निशमन अधिकारी प्रशांत सिंह राणा ने कहा- लगभग 3 बजे हमें टेंट में आग लगने की सूचना मिली। जिसके तुरंत बाद हमारी गाड़ियां यहां पहुंची और हमने आग पर काबू पा लिया है। खाली टेंट था, कोई जनहानि नहीं हुई है। आगे की जांच चल रही है।

महाकुंभ में अब तक 54 करोड़ के स्नान का आंकड़ा पार- आज महाकुंभ का 36वां दिन है। शाम 4 बजे तक 1.08 करोड़ श्रद्धालु स्नान कर चुके हैं। 13 जनवरी से अब तक 54.04 करोड़ श्रद्धालु संगम में डुबकी लगा चुके हैं।

कलर कोडिंग से मैनेज होगी भीड़

महाकुंभ में आस्था की डुबकी लगाने के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ लगातार बढ़ती जा रही है। सभी प्रमुख स्नान पर्व समाप्त हो चुके हैं, लेकिन प्रयागराज आने वालों की संख्या में कोई कमी नहीं आई है। प्रयागराज जंक्शन समेत प्रमुख रेलवे स्टेशनों पर भीड़ कम होने का नाम नहीं ले रही है। इस बीच, उत्तर मध्य रेलवे ने भीड़ प्रबंधन के लिए विशेष योजना लागू की है। उत्तर मध्य रेलवे, प्रयागराज मंडल के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी शशिकांत त्रिपाठी ने कहा कि सभी वीआईपी प्रोटोकॉल रोक दिए गए हैं और रेस्ट हाउस की एडवांस बुकिंग भी बंद कर दी गई है। रेलवे ने अपनी सबसे कारगर योजना कलर कोडिंग सिस्टम को फिर से लागू कर दिया है। इसके तहत यात्रियों को उनके टिकट के रंग के आधार पर अलग-अलग यात्री आश्रय स्थलों में भेजा जा रहा है। **काशी विश्वनाथ सहित चार ट्रेनें निरस्त, हाईवे पर वाहनों का जमावड़ा... यात्री परेशान-** प्रतापगढ़ जंक्शन पर ट्रेनों के विलंब और रद्द होने से यात्रियों को सोमवार को परेशानी का सामना करना पड़ा। काशी विश्वनाथ सहित चार ट्रेनें निरस्त रहीं। वहीं मेला स्पेशल ट्रेनों में स्नानार्थियों की भीड़ रही। महाकुंभ रिंग रेल सेवा महाकुंभ स्पेशल सरयू एक्सप्रेस और कुंभ स्पेशल जैसी ट्रेनें भी देरी से पहुंचीं।

नई दिल्ली भगदड़ मामला

26 फरवरी तक काउंटर प्लेटफॉर्म टिकट बंद

नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर सेंट्रल रिजर्व पुलिस फोर्स (सीआरपीएफ) और दिल्ली पुलिस की तैनाती की गई है। महाकुंभ के बीच बढ़ती भीड़ को कंट्रोल करने के लिए केंद्र सरकार ने यह फैसला लिया है। इसके अलावा रेलवे ने 26 फरवरी तक शाम 4 बजे से रात 11 बजे तक काउंटर से प्लेटफॉर्म टिकट की बिक्री बंद कर दी है।

subahsaverenews@gmail.com
facebook.com/subahsaverenews
www.subahsavere.news
twitter.com/subahsaverenews

सुप्रभात

मुझे चाहिए
अपने अंधेरे में
उगता सूरज
मुझे चाहिए
अपने रक्त से लिखे
गीत
मुझे चाहिए
अपने सूखे दिल में
प्यार की बहती
नदी
मुझे चाहिए
अपने सूने घर में
चिड़ियों का संगीत
मुझे चाहिए
हर मौसम में
बहती बासंती हवा

-दुर्गाप्रसाद झाला

इटावा में दो सड़क हादसों में 5 श्रद्धालुओं की मौत

15 लोग घायल, कुंभ और अयोध्या से लौट रहे थे

लखनऊ (एजेंसी)। इटावा में सोमवार को हुए दो अलग-अलग सड़क हादसों में 5 श्रद्धालुओं की मौत हो गई, जबकि 15 लोग घायल हो गए। पहला हादसा जसवंतनगर के पास हुआ, जहां डिजायर कार और डंपर की टक्कर में तीन श्रद्धालुओं की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। दूसरा हादसा आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे पर हुआ, जहां अयोध्या से राजस्थान लौट रहे श्रद्धालुओं की खड़ी हैरियर कार को एक तेज रफ्तार टेंपो ट्रैवलर ने पीछे से टक्कर मार दी। इस टक्कर में राज कंवर (58) की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक अन्य महिला की इलाज के दौरान जान चली गई।

नए मुख्य चुनाव आयुक्त का ऐलान आज संभव

पीएम की अध्यक्षता में शाह-राहुल की बैठक, कांग्रेस बोली- अहंकार में फैसला नहीं ले सकते

नई दिल्ली (एजेंसी)। नए मुख्य चुनाव आयुक्त को लेकर पीएम मोदी की अध्यक्षता में बैठक हुई। इसमें केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और कांग्रेस नेता और लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी शामिल हुए। इसी पैनल की सिफारिश पर नए CEC का चयन होगा। मौजूदा मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार का कार्यकाल 18 फरवरी को खत्म हो रहा है। वहीं, उम्मीद की जा रही है कि सीईसी राजीव कुमार के बाद सबसे वरिष्ठ चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को अगला मुख्य चुनाव आयुक्त बनाया जा सकता है। वहीं, कांग्रेस ने कहा कि फैसला सोच समझकर और निष्पक्ष लिया जाए। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, बैठक के बाद राहुल गांधी ने डिसेंट नोट जारी किया। इसमें उन्होंने कहा कि मामला सुप्रीम कोर्ट में लंबित है इसलिए यह बैठक नहीं होनी चाहिए थी। वहीं, कांग्रेस ने कहा- हम अहंकार में काम नहीं कर सकते। बैठक स्थगित करनी थी ताकि सुप्रीम कोर्ट जल्द फैसला कर सके।

पुलिस अपने कर्तव्यों का पालन करते हुए खेलों में भी अर्जित कर रही हैं राष्ट्रीय-अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर उपलब्धियां: मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री ने किया 24वीं अखिल भारतीय पुलिस वॉटर स्पोर्ट्स प्रतियोगिता का शुभारंभ

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रयागराज में महाकुंभ चल रहा है और भोपाल में वॉटर स्पोर्ट्स का अर्धकुंभ आरंभ हो रहा है। पुलिस, नागरिकों की सुरक्षा और कानून व्यवस्था बनाए रखने के अपने कर्तव्यों का पालन करते हुए खेलों में भी अपनी छाप छोड़ रही है। पुलिस बल के अनेक जवानों ने विभिन्न खेलों में राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा को साबित करते हुए देश का नाम रोशन किया है। राजा भोज द्वारा निर्मित भोपाल के ऐतिहासिक बड़े तालाब में अखिल भारतीय प्रतियोगिता का आयोजन, प्रदेश सहित राजधानी भोपाल के लिए गौरव का विषय है। इस आयोजन से वॉटर स्पोर्ट्स के प्रति लोगों का रुझान बढ़ेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव 24वीं अखिल भारतीय पुलिस वॉटर स्पोर्ट्स प्रतियोगिता के शुभारंभ समारोह को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव का बड़े तालाब स्थित आयोजन स्थल वॉटर स्पोर्ट्स सेंटर में आगमन पर पुलिस बैंड द्वारा अभिवादन किया गया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने भोपाल आई विभिन्न राज्यों और पुलिस इकाइयों के टीम मैनेजरों से परिचय प्राप्त किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने तिरंगे गुब्बारों के प्रदर्शन और उन्हें मुक्त आकाश में छोड़कर प्रतियोगिता के शुभारंभ की घोषणा की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव के सम्मुख प्रतियोगी टीमों द्वारा मार्च-पास्ट तथा रो-पास्ट का प्रदर्शन किया गया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने स्मारिका का विमोचन भी किया। इस अवसर पर प्रतियोगिता में सहभागी टीमों को शपथ भी दिलाई गई। मुख्यमंत्री डॉ. यादव को पुलिस महानिदेशक श्री कैलाश मकवाना द्वारा अखिल भारतीय आयोजन का स्मृति चिन्ह भेंट किया गया।

खेलों का वैश्विक स्तर पर लंबा इतिहास रहा है: मकवाना

पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाना ने कहा कि खेलों का वैश्विक स्तर पर लंबा इतिहास रहा है। प्राचीन भारतीय ग्रंथों में भी खेलों का उल्लेख मिलता है। राजा भोज द्वारा भोपाल में विकसित तालाब, वातावरण को शुद्ध करने और जल का स्त्रोत होने के साथ-साथ वॉटर स्पोर्ट्स गतिविधियों को आधार प्रदान कर रहे हैं। भोपाल का नाम देश में वॉटर स्पोर्ट्स राजधानी के रूप में उभरा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव के मार्गदर्शन में राज्य शासन द्वारा इसके लिए आवश्यक सहयोग और प्रोत्साहन उपलब्ध कराया जा रहा है।

उल्लेखनीय है कि अखिल भारतीय पुलिस वॉटर स्पोर्ट्स प्रतियोगिता में अंडमान निकोबार, असम, बिहार, चंडीगढ़, जम्मू कश्मीर, केरल, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, मणिपुर, ओडीशा, पंजाब, राजस्थान, तमिलनाडु, तेलंगाना, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, पश्चिम बंगाल, असम राइफल्स, सीमा सुरक्षा बल, सीआरपीएफ, आइटीबीपी और सशस्त्र सीमा बल की टीमें भाग ले रही हैं।

700 करोड़ हुई राम मंदिर की सालाना आय

देश के ये दो प्रमुख मंदिर कमाई के मामले में हैं शीर्ष पर

अयोध्या (एजेंसी)। अयोध्या उत्तर प्रदेश की अर्थव्यवस्था के साथ-साथ देश की अर्थव्यवस्था के विकास में अपना महत्वपूर्ण योगदान प्रदान कर रही है। वर्तमान में अयोध्या में श्रद्धालुओं और पर्यटकों की संख्या लगभग दो से पांच लाख के बीच है, जिसके लिए सर्वसुलभ दर्शन एवं ठहराव की व्यवस्था करना एक महत्वपूर्ण चुनौती हो गई है। श्रद्धालुओं के बढ़ते हुए प्रवाह के कारण ही आज अयोध्या का राम मंदिर भारत के 10 महत्वपूर्ण मंदिरों में धार्मिक दान अर्जित करने वाली सूची में तीसरे स्थान पर पहुंच गया है।

एक माह में आया 15 करोड़ का दान

रामनगरी आ रही श्रद्धालुओं की भीड़ से दान का रिकॉर्ड भी टूट रहा है। महाकुंभ में डुबकी लगाने के बाद लाखों श्रद्धालु अयोध्या पहुंच रहे हैं। राम मंदिर में रोजाना चार लाख श्रद्धालु दर्शन-पूजन कर रहे हैं। यह सिलसिला मकर संक्रांति से ही चल रहा है।

राम मंदिर में बड़ी संख्या में श्रद्धालु निधि समर्पित करते हैं। इसके अलावा सोना-चांदी भी अर्पित करते हैं। उत्तरप्रदेश-उत्तराखंड इकोनॉमिक एसोसिएशन के महासचिव प्रो. विनोद श्रीवास्तव बताते हैं कि एक अध्ययन एवं अनुमान के अनुसार वर्ष 2024 - 25 में आंध्र प्रदेश के तिरुपति वेंकटेश्वर मंदिर की वार्षिक दान राशि लगभग 1500 से 1650 करोड़ रही।

दिल्ली के नए सीएम की शपथ 20 को

कल विधायक दल की बैठक, शपथ में पीएम समेत 20 राज्यों के मुख्यमंत्री आएंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली विधानसभा चुनाव रिजल्ट के 12 दिन बाद 20 फरवरी को नए मुख्यमंत्री रामलीला मैदान में शपथ लेंगे। हालांकि, भाजपा ने अब तक सीएम फेस तय नहीं किया है। पार्टी विधायक दल की बैठक 19 फरवरी को बुलाई गई है, जिसमें सीएम की घोषणा होगी। भाजपा सूत्रों के मुताबिक शपथ ग्रहण कार्यक्रम दिल्ली के रामलीला मैदान में होगा। इसमें प्रधानमंत्री मोदी, केंद्रीय मंत्री, भाजपा और एनडीएम शासित 20 राज्यों के मुख्यमंत्री और डिप्टी सीएम शामिल होंगे। इसके अलावा उद्योगपति, फिल्म स्टार, क्रिकेट खिलाड़ी, साधु-संत और राजनयिक भी आएंगे।

भोपाल का तापमान

2

अधिकतम 22 °c

न्यूनतम 16 °c

सुबह सवेरे

इंदौर ■ मंगलवार, 18 फरवरी 2025

जो अग्नि हमें गर्मी देती है, हमें नष्ट भी कर सकती है; यह अग्नि का दोष नहीं है।

चाणक्य नीति

प्रयागराज से लौट रही ट्रेनी डॉक्टर की मौत

ड्राइवर को नींद की झपकी आने से ट्रक में घुसी कार, परिवार के सदस्य 4 गंभीर रूप से घायल

छतरपुर (नप्र)। छतरपुर में सोमवार सुबह एक सड़क हादसे में ट्रेनी डॉक्टर की मौत हो गई, जबकि उनके परिवार के चार अन्य सदस्य गंभीर रूप से घायल हो गए। यह हादसा सिटी कोतवाली थाना क्षेत्र के सागर-कानपुर-महोबा रोड पर महतो पेट्रोल पंप के पास हुआ।

डॉ. सान्या, मृतक

प्रयागराज से लौट रही कार के ड्राइवर को नींद की झपकी आने के कारण गाड़ी सड़क किनारे खड़े ट्रक से जा टकराई। हादसा इतना भीषण था कि गाड़ी को काटकर घायलों को बाहर निकालना पड़ा। जिला अस्पताल में पदस्थ ट्रेनी डॉक्टर सान्या (25), जो संदीप टिकरया की पुत्री थीं, की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे में घायल हुए अन्य लोगों में 13 वर्षीय आलोक (राहुल का पुत्र), 35 वर्षीय नेहा (राहुल की पत्नी), 20 वर्षीय सास्वत (संदीप का पुत्र) और 37 वर्षीय राहुल (कल्याण का पुत्र) शामिल हैं। सभी टिकरया मुहल्ला गल्ला मंडी के निवासी हैं। डॉक्टर तौफीक राजा ने सभी घायलों को गंभीर हालत में झांसी मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया है। सिटी कोतवाली थाना प्रभारी अरविंद कुजूर के अनुसार मृतक का पोस्टमार्ट्म कराया जा रहा है और मामले की जांच जारी है।

सुप्रीम कोर्ट में पूजा स्थल कानून पर सुनवाई टली

3 जजों की बेंच में होनी थी, सीजेआई बोले- आज 2 जज मौजूद, बाद में देखेंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को पूजा स्थल कानून से जुड़ी 7 याचिकाओं पर सुनवाई टाल दी। दरअसल इस केस की सुनवाई 2 जजों की बेंच में होनी थी। सीजेआई संजीव खन्ना ने कहा कि आज सिर्फ 2 जजों की बेंच बैठी है। यह मामला किसी और दिन देखेंगे। सीजेआई ने इस मामले पर दाखिल इंटरवेंशन एप्लिकेशंस पर कहा कि आज हम ऐसी कोई याचिका नहीं स्वीकार करेंगे। इनकी भी एक सीमा होती है।

असदुद्दीन ओवैसी की याचिका जुड़ी- आज सुप्रीम कोर्ट को एआईएमआईएम चीफ असदुद्दीन ओवैसी की याचिका पर भी सुनवाई करनी थी। उनकी याचिका को पहले से पेंडिंग 6 याचिकाओं के साथ जोड़ा गया है। ओवैसी ने याचिका में 1991 के प्लेसेज ऑफ वर्शिप एक्ट (पूजा स्थल कानून) को लागू करने की मांग है। कानून के मुताबिक, 15 अगस्त 1947 से पहले अस्तित्व में आए किसी भी धर्म के पूजा स्थल को किसी दूसरे धर्म के पूजा स्थल में नहीं बदला जा सकता।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा था- उचित होगा कि बाकी सभी अदालतें अपने हाथ रोक लें- सुप्रीम कोर्ट की 3 मेंबर वाली बेंच ने प्लेसेज ऑफ वर्शिप एक्ट (विशेष प्रावधानों) 1991 की कुछ धाराओं की वैधता पर दाखिल याचिकाओं पर 12 दिसंबर को सुनवाई की थी।

दिल्ली में यमुना की सफाई शुरू

एलजी वीके सक्सेना ने समय सीमा तय की

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में यमुना की सफाई का काम सोमवार को शुरू हो गया। भाजपा ने हालिया चुनाव में इसे बड़ा मुद्दा बनाया था नदी की सफाई के लिए तीन साल का समय तय किया गया है। एलजी वीके सक्सेना ने मुख्य सचिव के साथ बैठक के बाद सफाई के निर्देश दिए थे। एलजी ऑफिस के मुताबिक यमुना की सफाई चार चरणों में होगी। पहले चरण में नदी से कचरा और गाद हटाई जाएगी। साथ ही नजफगढ़ ड्रेन, सप्लीमेंट्री ड्रेन और अन्य बड़े नालों की सफाई भी होगी। इसके अलावा सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट्स

की निगरानी रखी जाएगी। 400 (मिलियन गैलन पर डे) सीवेज ट्रीटमेंट की कमी पूरी करने के लिए नए ट्रीटमेंट प्लांट्स बनाए जाएंगे। लक्ष्य पूरा करने के लिए जल बोर्ड, नगर निगम, पर्यावरण विभाग और दिल्ली डेवलपमेंट अथॉरिटी मिलकर काम करेंगे।

टीएमसी सांसद कीर्ति आजाद ने कहा

ममता बनर्जी होंगी इंडिया ब्लॉक की नई अध्यक्ष

नईदिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस पार्टी की हार के बाद, विशेषकर लोकसभा और कई राज्यों के विधानसभा चुनावों में, विपक्षी गठबंधन इंडिया में नेतृत्व को लेकर नए सवाल उठने लगे हैं। इस बीच तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के सांसद कीर्ति आजाद ने एक बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि ममता बनर्जी, जिन्हें दीदी के नाम से भी जाना जाता है, जल्द ही I.N.D.I.A ब्लॉक की अध्यक्ष बन सकती हैं। कीर्ति आजाद का यह बयान गठबंधन में नेतृत्व के मुद्दे पर नई बहस को जन्म दे सकता है।

कीर्ति आजाद ने कहा कि ममता बनर्जी के खिलाफ कोई भी व्यक्ति पश्चिम बंगाल में चुनाव लड़ेगा, तो उसे हार का सामना करना पड़ेगा। उन्होंने यह भी भरोसा जताया कि आने वाले समय में ममता बनर्जी इंडिया ब्लॉक की अध्यक्ष बनेंगी और देश का नेतृत्व भी करेंगी। कीर्ति आजाद ने ममता की राजनीतिक ताकत और उनकी बढ़ती स्वीकार्यता का उल्लेख करते हुए, यह दावा किया कि दीदी का नेतृत्व गठबंधन के लिए फायदेमंद साबित होगा।

दिल्ली-एनसीआर के बाद बिहार में भी भूकंप के लगे झटके

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली-एनसीआर में सोमवार सुबह करीब 5.36 बजे भूकंप के झटके महसूस किए गए। ढाई घंटे बाद सुबह 8 बजे बिहार के सिवान में भी भूकंप आया। दोनों जगह रिक्टर स्केल पर भूकंप की तीव्रता 4 मापी गई है।भूकंप का केंद्र नई दिल्ली था और इसकी गहराई पांच किलोमीटर बताई गई है। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र (एनसीएस) ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर इसकी जानकारी दी। भूकंप के तेज झटकों से दिल्ली, नोएडा, ग्रेटर नोएडा और गाजियाबाद में लोग घबराकर घरों से बाहर निकल आए। हालांकि, अब तक किसी भी तरह के जान-माल के नुकसान की कोई सूचना नहीं मिली है।

म.प्र.में होगा 9 राज्यों की 251 कन्याओं का विवाह

बागेश्वर धाम में 19 से बुंदेलखंड महोत्सव ; राष्ट्रपति नवविवाहित जोड़ों को देंगी आशीर्वाद

खजुराहो (नप्र)। छतरपुर स्थित बागेश्वर धाम में होने वाले बुंदेलखंड महोत्सव में मप्र समेत 9 राज्यों की 251 कन्याओं का सामूहिक विवाह कराया जाएगा। महोत्सव 19 फरवरी से शुरू होगा। इसके अंतिम दिन महाशिवरात्रि (26) फरवरी को 108 आदिवासी, 143 सर्व समाज की दिव्यांग, अनाथ और गरीब परिवार की बेटियों के हाथ पीले किए जाएंगे।

विवाह सम्मेलन में शामिल होने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू भी आएंगी। वह नवविवाहित जोड़ों को आशीर्वाद देंगी। सम्मेलन के लिए 9 राज्यों में बागेश्वर धाम के हजारों कार्यकर्ता गांव-गांव जाकर लोगों को पीले चावल देकर आमंत्रित कर रहे हैं।

बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने बताया कि बेटियों के लिए शादी में डबल बेड, सोफा सेट, ड्रेसिंग, अलमारी, कुर्सी, टेबल, गैस-चूल्हा, सिलेंडर, मिक्सी, पायल-बिछिया तथा उन्हें आत्मनिर्भर बनाने के लिए सिलाई मशीन और चक्की दी जा रही है।

पीएम मोदी, वीरेंद्र सहवाग भी आएंगे- छतरपुर के बागेश्वर धाम में आयोजित होने वाले बुंदेलखंड महोत्सव में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, क्रिकेटर वीरेंद्र सहवाग, रॉबिन उथप्पा, ग्रेट खली, पुनीत वशिष्ठ आदि शामिल होंगे। इसको लेकर तैयारियां शुरू हो चुकी है।

धर्मांतरण खत्म करने और जाति भेद मिटाने का प्रयास- धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने बताया कि धर्मांतरण से बचाने के लिए वह आदिवासी समाज की बेटियों का विवाह करा रहे हैं। उन्होंने कहा कि जात-पात, ऊंच-नीच के नाम पर आए दिन खबरें आती हैं। कभी किसी दूल्हे को दबंग घोड़ी से उतार देते हैं तो कभी कुछ और... हमें यह सहन नहीं हुआ इसलिए हमने प्रण लिया कि देश में न कोई बड़ा छोटा नहीं है। सबको सम्मान मिलना चाहिए इसलिए वह ऐसा कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि 251 दूल्हे एक साथ घोड़ी पर सवार होंगे।

कन्याओं के चयन में यह प्रक्रिया रही- विवाह के लिए कन्याओं के चयन की प्रक्रिया अत्यंत व्यापक रही। धाम समिति को देश भर से 1000 से अधिक आवेदन प्राप्त थे। इन आवेदनों के आधार पर 60 लोगों की टीम ने एक महीने तक 22-24 हजार किलोमीटर की यात्रा कर सर्वेक्षण किया। चयन के दौरान ग्रामीणों, पड़ोसियों और जनप्रतिनिधियों की राय भी ली गई। इसके बाद जरूरतमंद बेटियों का चयन किया गया।

19 से 26 तक कार्यक्रम में यह होगा- बागेश्वर धाम में हर साल बुंदेलखंड महोत्सव का आयोजन किया जाता है। इस बार महोत्सव 19 से 26 फरवरी तक होगा। जिसमें 19 तारीख को अन्नपूर्णा यज्ञ के लिए विशाल कलश यात्रा निकाली जाएगी। यज्ञ का संचालन बनारस के प्रसिद्ध यज्ञाचार्य पं. राजा पांडे और विद्वान पंडितों करेंगे। इसमें 18 पुराणों व रामचरितमानस का पाठ किया जाएगा। 21-22 फरवरी को गुरु दीक्षा महोत्सव, शाम को रामलीला मंचन होगा।

झारखंड एटीएस को मिली चौंकाने वाली खबर

बांग्लादेश से आतंकी आए, झारखंड में ट्रेनिंग देकर लौट गए और कानों कान भनक तक नहीं लगी

रांची (एजेंसी)। झारखंड एटीएस को एक चौंकाने वाली खबर मिली है। बांग्लादेश से कुछ आतंकवादी झारखंड में घुसे थे। पाकुड़ में कुछ लोगों को ट्रेनिंग देकर वापस चले गए। यह एक बड़ी साजिश का हिस्सा बताया जा रहा है। एटीएस ने सभी एसपी और डीआईजी को अलर्ट जारी किया है। कहा गया है कि बांग्लादेश में शेख हसीना सरकार गिरने के बाद, प्रतिबंधित संगठन भारत विरोधी आतंकी साजिशें रच

रहे हैं। जमात-उल-मुजाहिदीन बांग्लादेश (जेएमबी) का आतंकवादी अब्दुल मम्मन बांग्लादेश से सीमा पार करके आया था। वह मुर्शिदाबाद के धुलियान होते हुए पाकुड़ पहुंचा। 6 जनवरी को वह अवैध रूप से सीमा पार करके पाकुड़ पहुंचा। वहां उसने जेएएचए-इंडिया के 15 सदस्यों को ट्रेनिंग दी। पुलिस सूत्रों का कहना है कि शेख हसीना सरकार के गिरने के बाद, प्रतिबंधित संगठन भारत विरोधी साजिशें रच रहे हैं। इसी साजिश के तहत कुछ आतंकवादी बांग्लादेश से झारखंड में घुसे और कुछ लोगों को ट्रेनिंग देकर वापस चले गए।

इस्लामी दावत केंद्र में हुई बैठक

एटीएस की ओर से जारी पत्र के अनुसार, 6 जनवरी को पाकुड़ के दुबराजपुर स्थित इस्लामी दावत केंद्र में जेएएचए इंडिया और जेएमबी के सदस्यों के बीच एक बैठक हुई। इसमें जेएमबी सदस्य अब्दुल मम्मन भी शामिल हुआ।

बच्चों को बचाया, खुद डंपर की चपेट में आया पिता

श्योपुर (एजेंसी)। श्योपुर में कार को बचाने के प्रयास में डंपर पलट गया। इसकी चपेट में सड़क किनारे पोहा बेच रहा दुकानदार आ गया। उसकी मौके पर ही मौत हो गई। डंपर ड्राइवर भी गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

हादसा बारां हाईवे पर अजापुरा गांव के पास सोमवार सुबह करीब 7 बजे हुआ। 30 वर्षीय नरेश प्रजापति सड़क किनारे अपने दो बच्चों के साथ पोहे का ठेला लगाकर बैठा था। इसी दौरान डंपर कार को बचाने के प्रयास में अनियंत्रित हो गया। नरेश ने बेकाबू डंपर को अपनी ओर आते देखा तो पास बैठे बच्चों को

पीछे धकेला। दोनों बच्चे खेत में जाकर गिरे। नरेश ने भागने का प्रयास किया लेकिन उसका पैर फिसल गया। वह डंपर के नीचे आ गया, जिससे मौके पर ही उसकी मौत हो गई।

केबिन में फंसे ड्राइवर को पुलिस और ग्रामीणों ने निकाला- केबिन में फंसे ड्राइवर को पुलिस और ग्रामीणों ने मिलकर निकालने की कोशिश की। करीब तीन घंटे की मशक्कत के बाद उसे बाहर निकाला जा सकता। शुरुआती आशंका थी कि डंपर के नीचे कुछ और लोग दबे हो सकते हैं, लेकिन रेस्क्यू ऑपरेशन के दौरान कोई अन्य व्यक्ति नहीं मिला।जेसीबी और क्रेन की मदद से डंपर को सड़क से हटाया गया।

राहुल के करीबी पित्रोदा बोले: चीन भारत का दुश्मन नहीं, हमें उसके साथ मिलकर काम करना चाहिए

कांग्रेस ने बयान से किनारा किया, भाजपा भड़की

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंडियन ओवरसीज कांग्रेस के अध्यक्ष और राहुल गांधी के करीबी सैम पित्रोदा ने कहा- भारत को चीन को अपना दुश्मन मानना बंद कर देना चाहिए। चीन से खतरे को अक्सर बढ़ा-चढ़ाकर पेश किया जाता है।

कांग्रेस ने सैम पित्रोदा के बयान से किनारा कर लिया है। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने कहा सैम पित्रोदा के चीन पर व्यक्त किए गए विचार कांग्रेस के विचार नहीं हैं।

मीडिया को दिए इंटरव्यू में सैम पित्रोदा ने कहा, चीन को दुश्मन मानने के बजाय उसे सम्मान देना चाहिए। मुझे समझ ही नहीं आता कि भारत को चीन से क्या खतरा है। हम सभी को साथ आकर काम करना चाहिए। भारत को चीन के प्रति अपने नजरिए को बदलने की जरूरत की है।

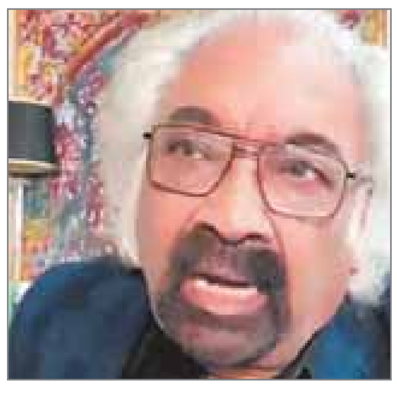

पित्रोदा ने कहा- हमारा रवैया पहले दिन से ही टकराव का रहा है। यह दुश्मनी पैदा करता है। मुझे लगता है कि हमें इस पैटर्न को बदलने की जरूरत है। यह किसी के लिए भी ठीक नहीं है।

'कमांड और कंट्रोल की मानसिकता से बाहर निकलना होगा'- पित्रोदा ने कहा, कांग्रेस नेता ने यह भी कहा कि अब सभी देशों को एक साथ आने का समय है। हमें सीखने, संवाद बढ़ाने, सहयोग करने और मिलकर काम करने की जरूरत है, हमें कमांड और कंट्रोल की मानसिकता से बाहर निकलना होगा। चीन चारों ओर है, चीन बढ़ रहा है, हमें इसे पहचानना और समझना होगा।

प्रेमानंद महाराज जी की पदयात्रा फिर से होगी शुरू

एनआरआई ग्रीन सोसाइटी के अध्यक्ष ने माफी मांगी

मथुरा (एजेंसी)। ब्रजवासियों के लिए बड़ी खुशखबरी है, दरअसल अब फिर से प्रेमानंद महाराज जी रात 2 बजे अपने श्रद्धालुओं को दर्शन देंगे। बता दें कि एनआरआई ग्रीन सोसाइटी के अध्यक्ष ने रविवार को संत प्रेमानंद महाराज से भेंट कर विरोध के लिए माफी मांगी। जिसके बाद प्रेमानंद महाराज जी ने यह फैसला लिया है। आपको बता दें कि प्रेमानंद महाराज की पदयात्रा बंद होने को लेकर मथुरा-वृंदावन से लेकर अन्य कई स्थानों से विरोध के स्वर उठने लगे थे। वृंदावन के लोगों को इस यात्रा को रोके जाने के लिए जिम्मेदार ठहराया जा रहा था। पिछले दिनों बागेश्वर धाम सरकार धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री का भी बयान सामने आया था।

मेरठ में आरएफए जवान के बाद पत्नी की भी मौत

बेटी बोली- महिला अफसर के टॉर्चर से पापा टूट गए, सबने साथ में जहर खा लिया

मेरठ (एजेंसी)। मेरठ में आरएफए जवान के बाद उनकी पत्नी की भी मौत हो गई। बेटी का अस्पताल में इलाज चल रहा है। बेटी का आरोप है कि आरएफए की महिला अधिकारी पिता को टॉर्चर करती थी। सस्पेंड करने की धमकी देती थी। इससे परेशान होकर रविवार को जवान केशपाल ने पत्नी और बेटी के साथ जहर खा लिया। फिर भाई महेश पाल को फोन कर कहा- हम लोगों ने जहर खा लिया है। मेरी हालत खराब है। प्रियंका और नव्या को बचा लो। यह सुनते ही महेश पाल बागपत से मेरठ पहुंचे, लेकिन उन्हें कार चलानी नहीं आती थी। आरएफए जवान केशपाल खुद कार ड्राइव कर परिवार को आनंद अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां उनकी मौत हो गई। जबकि देर रात पत्नी प्रियंका ने दम तोड़ दिया। बेटी नव्या अभी अस्पताल में भर्ती है। घटना के वक्त 11 साल का बेटा विवान घर के बाहर खेल रहा था। उसने जहर नहीं खाया था। पूरा मामला कंकरखेड़ा थाना क्षेत्र के गणपति बिहार का है।

14 दिन के लिए जेल भेजे गए सौरभ, शरद-चेतन

ईडी की पूछताछ में खुलासा-रोहित ने शरद-सौरभ को मिलाया, पार्टनरशिप के बाद बना सबसे बड़ा राजदार

भोपाल (नप्र)। आरटीओ का करोड़पति पूर्व आरक्षक सौरभ शर्मा और उसका सबसे बड़ा राजदार शरद जायसवाल, जबलपुर के रोहित तिवारी के मार्फत एक-दूसरे के संपर्क में आए। 2014-15 में भोपाल की एक फर्म ने जबलपुर में कॉलोनी बनाई थी, इसमें शरद जायसवाल ने कई प्लॉट बिकवाए थे। यहीं से शरद, सौरभ के साले रोहित तिवारी के संपर्क में आया और उसका विश्वसनीय हो गया।

2015-16 में सौरभ ने भोपाल की प्रॉपर्टी डीलिंग फर्म से किनारा किया। बाद में रोहित तिवारी के लिए इन्वेस्टर तलाशने का काम करने लगा। इसके बाद चूना भट्टी में फगीटो रेस्टोरेंट शुरू किया। इसी दौरान रोहित ने शरद और सौरभ की मुलाकात कराई। शरद की मदद से सौरभ ने भोपाल, इंदौर में कई संपत्तियां खरीदीं।

सौरभ शर्मा, शरद जायसवाल और चेतन सिंह की रिमांड खत्म होने के बाद प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने तीनों को आज कोर्ट में पेश किया। कोर्ट ने तीनों को 14 दिन के लिए जेल भेज दिया है।

2011 में बतौर टीम लीडर जॉब करता था शरद- 2011 में शरद जायसवाल भोपाल के दस नंबर मार्केट स्थित एक फर्म में जॉब करता था। यह फर्म बिल्डर्स की प्रॉपर्टी बिकवाने का काम करती थी। इसमें 50 से अधिक कर्मचारी थे। शरद 10 ब्रोकर्स की टीम का लीडर था। इस समय वह 6 नंबर स्थित एक साधारण फ्लैट में परिजन के साथ रहता था।

इसी फर्म ने 2014 में जबलपुर में एक प्रोजेक्ट लॉन्च किया। फर्म का बतौर कॉलोनाइजर जबलपुर में यह पहला प्रोजेक्ट था। शरद इस फर्म के कर्ताधर्ताओं का खास था। लिहाजा उसे जबलपुर के प्रोजेक्ट की लॉन्चिंग से लेकर बिक्री तक की बड़ी जिम्मेदारी मिली। यहां उसने अपने संपर्क का इस्तेमाल कर कई प्लॉट्स की बिक्री कराई।

लोकल सपोर्ट के लिए शरद के साले बिल्डर रोहित तिवारी को भी इस प्रोजेक्ट में शामिल किया गया था। यहीं से शरद और रोहित संपर्क में आए थे। उसने रोहित का भरोसा जीता। 2016 में भोपाल की फर्म से रिजाइन दिया और बाद में स्वयं ठेकेदारी के काम करने लगा।

इंदौर में ऑल इंडिया काउंसिल ऑफ मेयर्स की मध्यप्रदेश इकाई का सम्मेलन, विजयवर्गीय बोले

जांच कराएंगे तो निगमों में मिलेगा भ्रष्टाचार

कांग्रेस– आप महापौर ने कहा– देश और प्रदेश में आपकी सरकार; जांच करने से किसने रोका

इंदौर (नप्र)। इंदौर में ऑल इंडिया काउंसिल ऑफ मेयर्स की मध्यप्रदेश इकाई का सम्मेलन ब्रिलियंट कन्वेंशन सेंटर में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव भोपाल से और नगरीय प्रशासन मंत्री कैलाश विजयवर्गीय जयपुर से वर्चुअली जुड़े।

इस दौरान विजयवर्गीय ने महापौरों से कहा कि- आप पारदर्शिता के साथ काम करें, यह हमारा बजट, यह हमारी आय है। आय के साधन बढ़ाएं पर लीकेज भी खत्म करें। अगर हम जांच करेंगे तो नगर निगमों में भ्रष्टाचार मिलेगा। इस पर कांग्रेस और आम आदमी पार्टी के मेयरों ने कहा कि देश और प्रदेश में आपकी ही सरकार है। जांच कराने से किसने रोका है?मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने वर्चुअल शामिल होकर महापौरों को संबोधित किया।

टैक्स लगाइए, थोड़ा साहस दिखाइए– मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने कहा कि मैं चाहता हूं सिटी गवर्नमेंट बने। सरकार इसमें संकोच करती है, पर मैं नहीं। यदि ऐसा कोई प्रस्ताव आप बनाएंगे तो मैं सीएम से पास कराने का प्रयास करूंगा। उन्होंने कहा कि आप अधिकारों की बात करते हैं, लेकिन आपको यह भी तय करना होगा कि हम आत्मनिर्भर बनें, हम आर्थिक रूप से सक्षम बनें। इसके लिए हमें क्या-क्या कदम उठाने होंगे, यह सोचना चाहिए। हम टैक्स नहीं बढ़ाते, महंगे पानी को सस्ता देते हैं। आरक्षण के कारण आपको फिर से मौका नहीं मिलेगा, तो क्यों डरते हो? टैक्स लगाइए, थोड़ा साहस दिखाइए।

मैंने 5 साल में दो बार टैक्स बढ़ाए– विजयवर्गीय ने कहा- एक समय था जब हम कर्मचारियों की सैलरी भी नहीं दे पाते थे। मैंने 5 साल में दो बार टैक्स बढ़ाए। आज मुझे गर्व है कि इंदौर का बजट सबसे ज्यादा है। यह सब 2000 से शुरू हुआ था और आज भी पुष्यमित्र भार्गव इस परंपरा को आगे बढ़ा रहे हैं।

मेयर मतलब शहर का पिता– विजयवर्गीय ने कहा कि यदि आपने बहुत अच्छा काम किया तो पूरा शहर आपको 25 साल तक याद करेगा। मेयर मतलब शहर का पिता होता है। आपको शहर की सेवा करने का अवसर मिला है।

रीवा के महापौर बोले– भाजपाई परिषदों की जांच होना चाहिए

मंत्री विजयवर्गीय के बयान के बाद रीवा से कांग्रेस के महापौर अजय मिश्रा ने कहा कि प्रदेश की सभी नगरीय निकायों की जांच होना चाहिए। अधिकांश जगह भाजपा की ही स्थानीय सरकार में है। यदि जांच होती है तो भ्रष्टाचार जरूर मिलेगा। सिंगरौली से आम आदमी पार्टी की महापौर रानी अग्रवाल ने कहा कि जब प्रदेश और केंद्र में आपकी ही सरकार है तो भाजपाई और गैर भाजपाई नगरीय निकायों में जांच कराने से किसने रोका। सभी की जांच कराई जाना चाहिए। मैं भी चाहती हूं ये हो ताकि सच लोगों के सामने आए। भारतीय महापौर परिषद की अध्यक्ष माधुरी पटेल ने कहा कि हम यदि लोगों को विकास करके देते हैं तो कठोर निर्णय लेने पर लोग साथ देते हैं।

महापौर बोले– स्वच्छता ही नहीं जनभागीदारी में भी इंदौर अव्वल

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने कहा कि इंदौर ने स्वच्छता ही नहीं लोगों की जनभागीदारी से विकास करने में भी पूरे देश में मिसाल कायम की है। हम पूरे प्रदेश से आए महापौरों को स्वच्छता की दिशा में इंदौर में किए जा रहे कामों के बारे में बताएंगे।

सीएम बोले– नगरीय निकाय अपने पैरों पर खड़े हों

सीएम डॉ. मोहन यादव ने कहा- आगामी परिसीमन का असर नगरीय निकाय पर असर पड़ेगा। लोकसभा-विधानसभा की सीटों की संख्या बढ़ेगी। इसलिए हमें लोगों के घर-घर तक पहुंचना होगा। सरकार के कामों को जनता तक पहुंचाने के लिए हरसंभव कोशिश भी नगरीय निकायों को करना चाहिए। मप्र के सभी नगर निगम में ट्रिपल इंजन सरकार है। नगरीय निकाय अपने पैरों पर खड़ा होना चाहिए। इस दिशा में नगर निगम इंदौर ने सोलर से पेयजल पहुंचाने का रास्ता खोजा है, वह प्रशंसनीय है। इसलिए सभी नगर निगम को ऐसे ही कदम बढ़ाना चाहिए। अपने कॉम्प्लेक्स, कॉलोनियों सहित अन्य माध्यमों से आय के साधन बढ़ाना होंगे।

सुबह 7 बजे सूखे नाले में किया योग-प्राणायाम

इससे पहले, सोमवार सुबह 7 बजे सभी महापौर ने इंदौर में योग-प्राणायाम के साथ दिन की शुरुआत की। सभी महापौर पंचकुइयां स्थित श्रीराम मंदिर रामघाट पर सूखे नाले में योगमित्र अभियान के तहत इकट्ठा हुए। सिंगरौली की महापौर रानी अग्रवाल, संत रामगोपाल महाराज, एमआईसी सदस्य अश्विनी शुक्ल, स्थानीय पार्षद संध्या यादव, पार्षद भारत रघुवंशी सहित बड़ी संख्या में योग मित्र सम्मिलित हुए। मध्यप्रदेश महापौर परिषद अध्यक्ष पुष्यमित्र भार्गव ने बताया कि कार्यक्रम में राउंड टेबल बैठक होगी। शाम 4 बजे ट्रेंचिंग ग्राउंड देवगुराड़िया का दौरा, शाम 5 से 6 बजे तक 56 दुकान और विश्राम बाग का दौरा निर्धारित है। इस अवसर पर अखिल भारतीय महापौर परिषद अध्यक्ष माधुरी पटेल और राज्यमंत्री प्रतिभा बागरी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगी। कार्यक्रम में भोपाल की महापौर मालती राज, देवास की गीता अग्रवाल, छिंदवाड़ा के विक्रमसिंह अहाके, जबलपुर के जगत बहादुर, कटनी की प्रीति सूरी, खंडवा की अमृता यादव, ग्वालियर की शोभा सिकरवार, रतलाम के प्रहलाद पटेल, रीवा के अजय मिश्रा, सागर की संगीता तिवारी, उज्जैन के मुकेश टटवाल और सिंगरौली की रानी अग्रवाल सहित अन्य अतिथि भी मौजूद हैं।

ये मुद्दे रहेंगे खास

सम्मेलन में महापौरों के वित्तीय अधिकार बढ़ाने और कर्मचारियों के आंतरिक ट्रांसफर करने के अधिकार पर चर्चा होगी। फिलहाल, महापौर केवल नीति निर्माण कर सकते हैं, जबकि कार्यान्वयन निगम कमिश्नर के अधीन रहता है। इस कारण महापौर अब कार्यान्वयन के अधिकार भी मांगेंगे। सम्मेलन में प्रस्ताव तैयार कर सरकार को सौंपा जाएगा।

पीड़िता ने आरोपी को सड़क पर पीटा

कोर्ट पेशी से घर जाते समय हुआ विवाद, पुलिस लेकर गई थाने

इंदौर (नप्र)। इंदौर के मधुमिलन चौराहे पर सोमवार दोपहर एक महिला ने बाइक सवार युवक को पकड़कर जमकर पिटाई की। महिला ने इस युवक के खिलाफ आजाद नगर थाने में पहले से केस दर्ज कराया हुआ था, जिसमें आरोप था कि आरोपी उसे कोर्ट प्रकरण में समझौते के लिए दबाव बना रहा था। सोमवार को जब महिला का आरोपी से सामना हुआ, तो वह गुस्से में आ गई और उसकी पिटाई शुरू कर दी। टीआई संजू कामले के अनुसार, पीड़िता और आरोपी मुकेश यादव पहले लिव-इन रिलेशनशिप में रह चुके थे। जब मुकेश ने महिला से शादी नहीं की, तो उसने आजाद नगर थाने में केस दर्ज करा दिया। इसके बाद आरोपी को एक महीने तक जेल में रहना पड़ा। सोमवार को मुकेश यादव की कोर्ट में पेशी थी, और जब महिला ने उसे मधुमिलन चौराहे पर देखा, तो वह गुस्से से भड़क गई और उसकी पिटाई कर दी। महिला का आरोप है कि आरोपी ने उसकी फर्जी इंस्टाग्राम आईडी बनाई थी, जिससे उसे लगातार कॉल्स आ रहे थे और वह काफी परेशान हो चुकी थी। घटना के दौरान जब महिला आरोपी की पिटाई कर रही थी, तो कुछ लोग उसे मनचला समझकर हस्तक्षेप करने आए, लेकिन महिला ने अपना पक्ष रखते हुए बताया कि आरोपी ने पहले भी उसके साथ गलत किया था। इस पर लोग अलग हो गए। आखिरकार, ट्रैफिक पुलिसकर्मियों और मौके पर मौजूद स्टाफ ने महिला को आरोपी से अलग किया। दोनों को बाद में थाने ले जाया गया, जहां मामले की जांच जारी है।

स्पोर्ट्स टीचर पर छेड़छाड़ का आरोप, हिंदूवादी पहुंचे थाने– इंदौर के कलेक्टर रोड स्थित जीडीसी कॉलेज में एक स्पोर्ट्स टीचर पर छेड़छाड़ का आरोप सामने आया है। घटना के संबंध में एक फर्स्ट ईयर की स्टूडेंट ने शनिवार को टीचर रामेंद्र सिंह परिहार के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई।

बैरिकेड्स देख हूटर बजाया, एसीपी ने ली क्लास

‘बाणेश्वरी’ लिखी एसयूवी को चेतावनी देकर छोड़ा; कहा–दुबारा गलती की तो जब्त कर लेंगे

इंदौर (नप्र)। इंदौर के तेजाजी नगर थाना क्षेत्र में रविवार रात वाहन चेकिंग के दौरान एसीपी करण दीप सिंह ने एक एसयूवी कार को रोका, जिसमें हूटर लगा था। कार चालक हूटर लगाने का कारण नहीं बता सका, जिसके बाद आईपीएस ने मौके पर ही हूटर हटवाया और कड़ी चेतावनी दी। करण दीप सिंह ने हाल ही में आजादनगर एसीपी का कार्यभार संभाला है। रविवार रात वह कस्तूरबा ग्राम स्कूल के पास चेकिंग पॉइंट पर तैनात थे। इस दौरान एक एसयूवी पुलिस बैरिकेड्स देखकर हूटर बजाते हुए तेज रफ्तार से गुजरने की कोशिश करने लगी। पुलिस ने तुरंत गाड़ी को रोक लिया। जब एसीपी ने चालक से हूटर लगे होने का कारण पूछा, तो वह स्पष्ट जवाब नहीं दे सका। कार की नंबर प्लेट के ऊपर एक लाल रंग से कवर नेम प्लेट भी लगी थी, और गाड़ी पर बाणेश्वरी लिखा हुआ था। पूछताछ के दौरान चालक ने अपने राजनीतिक रिश्तेदारों को कॉल करने की भी कोशिश की, लेकिन पुलिस ने कोई ढील नहीं दी।

चेतावनी देकर छोड़ा– एसीपी ने मौके पर ही गाड़ी से हूटर हटवाया और चालक को कड़ी चेतावनी दी। उन्होंने साफ कहा कि भविष्य में ऐसी गलती दोहराने पर गाड़ी जब्त कर ली जाएगी। बाद में युवक और युवती को वाहन लेकर जाने दिया गया। बताया जा रहा है कि यह कार इंदौर-1 विधानसभा क्षेत्र के एक भाजपा नेता के परिवार के नाम पर दर्ज है और इसे मोनू खत्री चला रहा था।

60 ग्राम से ज्यादा एमडी ड्रग बरामद

क्राइम ब्रांच ने युवक–युवती को किया गिरफ्तार; पूछताछ जारी

इंदौर (नप्र)। इंदौर क्राइम ब्रांच ने एमडी ड्रग के साथ एक युवक और युवती को गिरफ्तार किया है। आरोपियों से पूछताछ की जा रही है, और वे एक्टिवा में ड्रग छिपाकर ले जा रहे थे। क्राइम ब्रांच को पूर्व में पकड़े गए आरोपियों से इन दोनों की जानकारी मिली थी। क्राइम ब्रांच ने अनवर (पुत्र भूरेखान), निवासी चूडी बाखल देवास, और प्रीति (पत्नी सुनिल परमार), निवासी ग्राम श्यामपुर सिहोर को एरोड्रम इलाके के पास गिरफ्तार किया। दोनों ड्रग पेडलर हैं, जो स्टूडेंट्स और अन्य लोगों को नशा उपलब्ध कराने का काम करते हैं। पुलिस को सूचना मिली थी कि दोनों एअरपोर्ट इलाके से निकल रहे हैं, जिसके बाद घेराबंदी की गई और उन्हें दबोच लिया गया। जब उनकी एक्टिवा की डिक्की की तलाशी ली गई, तो उसमें लगभग 60 ग्राम एमडी ड्रग बरामद हुई। आरोपियों ने पुलिस की घेराबंदी देख भागने की कोशिश की, लेकिन इस दौरान उनकी एक्टिवा स्लीप हो गई और वे पकड़ लिए गए।

नाबालिग लड़की ने खाया जहर, मौत

परिवार ने उल्टियां करते देखा तो अस्पताल में कराया था भर्ती; पुलिस जांच में जुटी

इंदौर (नप्र)। इंदौर के हीरानगर में रहने वाली एक 17 साल की नाबालिग ने शनिवार जहर खा लिया था। इसके बाद उसका एमवाय में उपचार चल रहा था। जहां उसकी रविवार रात मौत हो गई। हीरानगर पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक प्रिया (17) पिता हरकचंद वोलकर निवासी श्याम नगर ने अपने घर पर जहर खा लिया था। जब मां ने उसे उल्टी करते देखा तो पिता को जानकारी दी। दोनों उसे लेकर एमवाय आए। यहां उसका उपचार चलते रहा। पुलिस के मुताबिक इस मामले में प्रिया के बयान नहीं हो पाए। वह मेड का काम करती थी, उसके पिता मिस्त्री है। वही परिवार में एक छोटा भाई जो पढ़ाई कर रहा है। परिवार मूल रूप से खंडवा का रहने वाला है। करीब चार साल पहले पिता काम के सिलसिले में इंदौर आ गए है।

बीटेक छात्रा से लूट के आरोपी को पकड़ा

चोरी की वारदातों का भी होगा खुलासा; पुलिस पूछताछ में जुटी

इंदौर (नप्र)। इंदौर के राजेन्द्र नगर में 5 दिन पहले बीटेक की छात्रा और एक छात्र से मोबाइल लूटने वाले बदमाश को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान करण लड्डू तंवर निवासी राजेन्द्र नगर के रूप में हुई है। पूछताछ में आरोपी से अन्य चोरी की वारदातों का भी खुलासा हुआ है, और पुलिस ने चोरी किया गया सामान भी बरामद किया है। पुलिस टीम ने सिद्धी विनायक रेसीडेंसी में रहने वाली बीटेक छात्रा कोपल के साथ हुई लूट के मामले में आरोपी करण लड्डू को पकड़ा। कोपल ने बताया कि वह 10 फरवरी को कालेज से बस से होस्टल लौट रही थी, और सिटी बस स्टॉप से पैदल जाते हुए वाउ गर्ल्स होस्टल के पास सिल्वर रंग की मोपेड से एक नकाबपोश युवक ने उसका मोबाइल लूट लिया। पुलिस ने आरोपी की गाड़ी का नंबर पता कर आरोपी को गिरफ्तार किया। इसी दिन एक अन्य छात्र वैभव का मोबाइल भी लूटा गया था, जिसे पुलिस ने बरामद किया।

चोरी के मामलों का खुलासा– आरोपी से पूछताछ में एक चोरी की वारदात का भी खुलासा हुआ है, और पुलिस ने चोरी किया गया ढाई लाख कीमत का सोना बरामद किया है। आरोपी ने अपने साथी का नाम भी बताया है, और पुलिस को इस बारे में और वारदातों के खुलने की उम्मीद है।

एमबायएच के पास बनेगा बड़ा हॉस्पिटल

मेडिकल एजुकेशन कमिश्नर ने किया दौरा, एमजीएम मेडिकल से जुड़े अस्पतालों की जानी हालत

इंदौर (नप्र)। मेडिकल एजुकेशन कमिश्नर तरुण राठी रविवार को इंदौर आए। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों से एमजीएम मेडिकल कॉलेज से संबद्ध अस्पतालों की जानकारी और कुछ अस्पतालों का दौरा किया। उन्होंने केईएच कम्पाउंड में बनने वाली बड़े अस्पताल की बिल्डिंग की जमीन का भी निरीक्षण किया। सोमवार को भोपाल में इसे लेकर एक बैठक है। इसमें मौजूदा मैदानी स्थितियों के साथ प्रोजेक्ट का प्रेजेंटेशन दिया जाएगा। इसके बाद आगे की प्रोसेस होगी। इस मौके पर उन्होंने डीन डॉ. वीपी पांडे, एमवायएच सुपरिटेंडेंट डॉ. अशोक यादव, सुपर स्पेशिएलिटी अस्पताल के सुपरिटेंडेंट डॉ. सुमित शुक्ला आदि से चर्चा की। साथ ही एमवायएच, सुपर स्पेशिएलिटी, टीबी हॉस्पिटल, चाचा नेहरू सहित अन्य अस्पतालों की जानकारी ली। फिर वे केईएच कम्पाउंड में बनने वाले बड़े अस्पताल को लेकर मौके पर पहुंचे। उन्होंने वहां अस्पताल के लिए चिह्नित जमीन की स्थिति देखी। यहां अधिकांश जर्जर हो चुके क्वार्टर्स को पहले ही तोड़ा जा चुका है। अभी कुछ और क्वार्टर्स हैं जिसमें स्टाफ रहता है। उसे लेकर भी चर्चा की। यहां मंदिर के पास कुछ कब्जे भी हैं जिनके बारे में भी जानकारी ली। गौरतलब है कि पिछले दिनों कब्जों की शिकायत डीन डॉ. वीपी पांडे को की गई थी। इस बर उन्होंने कलेक्टर को पत्र लेकर वस्तुस्थिति से अवगत कराया था। उन्होंने एमजीएम मेडिकल कॉलेज कैंपस में मौजूद ऐतिहासिक धरोहर केईएम बिल्डिंग का भी दौरा किया। गौरतलब है कि कुछ माह पहले यहां हैलोवीन पार्टी आयोजित की गई थी।

कोर्ट परिसर में आरोपी को पीटा

इंदौर (नप्र)। इंदौर के पंढरीनाथ थाने में एक दिन पहले एक युवती ने जहर खा लिया था, जिसे उपचार के लिए चोइथराम अस्पताल में भर्ती कराया गया। पुलिस ने ब्लैकमेलिंग करने वाले आरोपी राहुल गौतमपुरा को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया। कोर्ट में पेशी के दौरान युवती के परिजनों ने आरोपी पर हमला कर दिया, जिससे उसका सिर फर्श से टकराकर फट गया। पुलिस ने इस मामले में दो लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया है। कोर्ट परिसर में मारपीट– एमजी रोड पुलिस ने दिव्या, राहुल गुर्जर की पत्नी, की शिकायत पर भूषण और दुर्गेश के खिलाफ कोर्ट परिसर में मारपीट का मामला दर्ज किया है। दिव्या ने पुलिस को बताया कि रविवार दोपहर को राहुल की पेशी के लिए कोर्ट में लाया गया था। इस दौरान दोनों आरोपी डीजे साहब की गाड़ी के पास पहुंचे और राहुल को अपशब्द कहने लगे। दिव्या ने जब उन्हें रोका, तो भूषण ने फर्श उठाकर राहुल के सिर पर मार दिया।

ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट-15 देशों के 500 एनआरआई होंगे शामिल

यूके, दुबई, हांगकांग, सिंगापुर, जापान से आएंगे; पहली बार होगी ‘प्रवासी मध्यप्रदेश’ समिट

इंदौर (नप्र)। भोपाल में 24-25 फरवरी को होने जा रही ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट (जीआईएस) में पहली बार 15 देशों के 500 एनआईआर यानी, प्रवासी भारतीय शामिल होंगे। इनमें यूके, दुबई, हांगकांग, सिंगापुर और जापान से बड़ा प्रतिनिधिमंडल रहेगा। इसके चलते ‘प्रवासी मध्यप्रदेश’ समिट भी होगी।

इस समिट में दुनियाभर में फैले प्रवासियों में ‘फ्रेंडस ऑफ एमपी’ टीम के सदस्यों की विशेष भागीदारी रहेगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव समेत देश के बड़े उद्योगपतियों से भी वे रूबरू हो सकेंगे। इस समिट की जिम्मेदारी ओवरसीज विभाग को दी गई है।

समिट डेढ़ घंटे की होगी। बाकी समय में भोपाल, सांची, भीमबेटका, उदयगिरी समेत कई स्थानों पर उन्हें घुमाया भी जा सकता है। ताकि, वे अपनी संस्कृति और सांस्कृतिक धरोहरों को करीब से देख सकें।

महाकुंभ जैसी होगी ‘प्रवासी मध्यप्रदेश’ समिट– जीआईएस में 24 और 25 फरवरी को कुल 7 डिपॉर्टमेंटल समिट होगी। उद्योगपति न्यू रिन्युएबल एनर्जी, आईटी एंड टेक्नोलॉजी, टूरिज्म, माइनिंग, एमएसएमई एंड स्टार्टअप, अर्बन डेवलपमेंट पर इन्वेस्टमेंट कर सकेंगे। सातवीं समिट को ‘प्रवासी मध्यप्रदेश’ नाम दिया गया है। यह एक तरह से मध्यप्रदेश के दुनियाभर में रहने वाले प्रवासियों का महाकुंभ जैसा ही रहेगा। ज्यादातर वे उद्योगपति शामिल होंगे, जो मध्यप्रदेश के रहने वाले हैं।

15 से ज्यादा देशों के प्रवासियों की मौजूदगी रहेगी

समिट में 15 से ज्यादा देशों के प्रवासियों की मौजूदगी रहेगी। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव यूके, दुबई-जापान की यात्रा भी कर चुके हैं। इस दौरान प्रवासियों ने समिट में आने की सहमति दी है। इस तरह यूके, दुबई, सिंगापुर, हांगकांग और जापान से सबसे बड़ा प्रतिनिधिमंडल शामिल होगा।

छत्रपति शिवाजी जयंती पर इंदौर में निकलेगी वाहन रैली

19 फरवरी को सुबह 8 बजे राजमाता जीजाऊ चौराहे से होगी शुरुआत, शिवाजी वाटिका में होगा समापन

इंदौर (नप्र)। इंदौर में सर्व मराठी भाषी संघ द्वारा छत्रपति शिवाजी महाराज की 395वीं जयंती के अवसर पर 19 फरवरी को वाहन रैली का आयोजन किया जा रहा है। यह यात्रा तीन पुलिया स्थित नवनिर्मित राजमाता जीजाऊ चौराहे से सुबह 8 बजे प्रारंभ होकर एमवाय चौराहे पर स्थित शिवाजी वाटिका में समाप्त होगी, जहां छत्रपति शिवाजी की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया जाएगा। 31 वर्षों से लगातार आयोजित की जा रही इस यात्रा में मराठी समाज के साथ-साथ इंदौर के सभी समाज के लोग भाग लेंगे। यात्रा की विशेष आकर्षण महापुरुषों और वीरांगनाओं की वेशभूषा में सज्जित प्रतिभागी होंगे। जय शिवाजी जय भवानी के जयघोष के साथ निकलने वाली इस यात्रा में अनुशासन और स्वच्छता का विशेष ध्यान रखा जाएगा। अखिल भारतीय मराठा महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष और सर्व मराठी भाषी संघ की अध्यक्ष स्वाति युवराज काशिद ने बताया कि यह यात्रा आने वाली पीढ़ी को गौरवशाली इतिहास से परिचित कराने का माध्यम है।

संपादकीय

मोदी की यूएस यात्रा : कितनी कामयाब

अमेरिका द्वारा अवैध रूप से वहां पहुंचे भारतीयों की डिपोर्ट की गई तीसरी खेप में भी भारतीयों को बेड़ियों में जकड़े जाने, भारत को टैरिफ में कोई राहत न देने तथा यूएस के तहत भारत को दी जाने 1.82 अरब डॉलर की सहायता रोके जाने के बाद यह सवाल पूछा जा रहा है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की हालिया अमेरिका यात्रा से भारत को ठोस लाभ क्या हुआ? मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप एक दूसरे को अच्छा 'मित्र' बताते हैं, लेकिन पीएम मोदी की यात्रा के बाद ऐसा कोई संदेश नहीं जा रहा है कि अमेरिका भारत को अपनी प्राथमिकता सूची में बहुत ऊपर रख रहा है। ऐसा मानने का कोई कारण नहीं है कि प्रधानमंत्री मोदी ने डिपोर्ट किए जाने वाले भारतीयों के साथ अपराधियों जैसा व्यवहार न करने का मुद्दा ट्रंप के समक्ष नहीं उठाया होगा। माना जा रहा था पहली खेप के बाद अमेरिका अपनी इस 'चूक' को मानेगा। लेकिन ऐसा होता कहीं दूर तक नहीं दिख रहा है। यकीनन पीएम के अमेरिका दौरे से मोदी और राष्ट्रपति ट्रंप के बीच पर्सनल केमिस्ट्री अच्छी दिखाई दी, लेकिन ट्रंप और अमेरिका के नीति निर्माता भारत से दोस्ती के बदले उसे कुछ विशेष वेटेज देने के मूड में नहीं है। ऐसे यह सवाल उठना जायज है कि दोनों देशों के बीच वार्ता के ज्यादा फायदा अमेरिका को हुआ या भारत को? पहली नजर में यही लगता है कि ट्रंप की प्राथमिकता अमेरिकी कारोबार बढ़ाने पर थी। इसका संकेत ट्रंप ने पहले ही दे दिया था। मोदी के यूएस पहुंचने से ठीक पहले ट्रम्प ने अमेरिकी वस्तुओं पर विदेशी आयात करों का जवाब हर देश द्वारा लगाए गए समान दरों पर देने का प्रस्ताव रख दिया। ट्रम्प लंबे समय से विदेशी वस्तुओं पर उच्च टैरिफ दर के लिए भारत की आलोचना करते रहे हैं, यहां तक कि उन्होंने कथित तौर पर मोदी को 'टैरिफ किंग' भी कहा है।

अकेले अमेरिकी टैरिफ पर ही भारत को बड़ा नुकसान नहीं होने जा रहा है। इसके अलावा रक्षा सौदे, व्यापार संतुलन में बदलाव (हालांकि यह टैरिफ का ही हिस्सा है), पावर डील, परमाणु रिएक्टर, डिफेंस डील आदि ऐसे क्षेत्र हैं, जिनमें अमेरिका भारत से समझौते होने पर फायदे में रहेगा। जो जानकारी सामने आई है, उसके मुताबिक भारत अमेरिका से भारत अरबों डॉलर के रक्षा उपकरण खरीदेगा। जिसमें एफ-35 लड़ाकू विमान का ऑफर अमेरिका ने दिया है। जीई 414 और 404 इंजन, स्ट्राइकर कॉम्बैट वाहन, प्रीडेटर ड्रोन शामिल हैं। लेकिन विशेषज्ञों का मानना है कि अमेरिका का यह ऑफर भारत को रूस से दूर करने की रणनीति का हिस्सा है। क्योंकि हम जिस पांचवीं पीढ़ी का फाइटर विमान विकसित कर रहे हैं, उस तेजस विमान के लिए जीई कंपनी का इंजन अभी तक अमेरिका ने नहीं दिया है। वो भारत को तकनीक ट्रांसफर नहीं करना चाहता। एफ 35 फाइटर प्लेन के बारे में स्पष्ट नहीं है कि इसमे अमेरिका तकनीक का हस्तांतरण करेगा या नहीं। जबकि रूस ने भारत को तमाम रक्षा सौदों में तकनीक ट्रांसफर के साथ डील दी है। दूसरे दोनों देशों के बीच समझौते के तहत भारत अमेरिका से तेल खरीदेगा, जो रूस व खाड़ी के देशों की तुलना में महंगा पड़ेगा। इसके अमेरिका को तो फायदा होगा, लेकिन भारत में पेट्रोल डीजल के दाम और बढ़ जाएंगे। दूसरे, रूसी राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन यूक्रेन में चाहे जो कर रहे हों, लेकिन रूस सदियों से भारत का भरोसेमंद साथी रहा है और मुश्किल की घड़ी में उसने भारत का साथ दिया है, जबकि अमेरिका से ऐसी कोई उम्मीद नहीं की जा सकती। बहरहाल पीएम मोदी और विदेश मंत्री एस जयशंकर दोनों ही अमेरिका के साथ सौदों से खुश बताए जाते हैं। लेकिन इन समझौते के परिणामों से तय होगा कि यात्रा कितनी सफल रही।

नजरिया

तनवीर जाफ़री

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

दिल्ली की हार के बाद 'आप' का भविष्य

दिल्ली की 70 सदस्यों की विधान सभा हेतु हुए 2015 के चुनाव में 70 में से 67 सीटें तथा 2019 में दिल्ली की सातवीं विधानसभा चुनाव में 62 सीटें जीतकर ऐतिहासिक बहुमत प्राप्त करने वाली आम आदमी पार्टी पिछले दिनों दिल्ली चुनाव की जंग हार गयी। भारतीय जनता पार्टी को जहां पूर्ण बहुमत के साथ जहां 48 सीटें हासिल हुई वहीं 'आप' को केवल 22 सीटों पर ही संतोष करना पड़ा। आप के लिये सबसे बड़ा झटका यह भी रहा कि सत्ता गंवाने के साथ ही उसके राष्ट्रीय संयोजक अरविन्द केजरीवाल सहित पार्टी के और भी कई दिग्गज नेता चुनाव हार गये। कुछ राजनैतिक विश्लेषकों का मानना है कि दिल्ली में आम आदमी पार्टी की पराजय से पार्टी के अंत की शुरुआत हो चुकी है। यदि ऐसा है तो वास्तव में इसका ज़िम्मेदार कौन है ? क्या वजह थी कि दिल्ली विधानसभा चुनाव में 43.57 प्रतिशत मत प्राप्त होने के बावजूद आप को केवल 22 विधानसभा सीटों पर ही जीत हासिल हुई जबकि भाजपा ने मात्र दो प्रतिशत अधिक यानी 45.56 प्रतिशत मत प्राप्त कर 48 सीटों पर जीत दर्ज की। नतीजों से साफ़ है कि भाजपा ने त्रिकोणीय संघर्ष का लाभ उठाकर ही आम आदमी पार्टी से 26 सीटें अधिक हासिल कीं और दिल्ली की सत्ता आप के हाथों से झटक ली। हालांकि हार के बावजूद आम आदमी पार्टी के इस तर्क को भी नकारा नहीं जा सकता कि बावजूद इसके कि बीजेपी के साथ प्रोपेगंडा,सरकार की सारी मशीनरी ,मीडिया,धनबल व बाहुबल सब कुछ थे,फिर भी उसे आप से मात्र दो प्रतिशत ही ज़्यादा वोट मिले हैं।

सवाल यह है कि 2011 में यू पी ए सरकार के विरुद्ध भ्रष्टाचार विरोधी आंदोलन के बाद 26 नवंबर 2012 को देश के अनेक बुद्धिजीवियों द्वारा अरविन्द केजरीवाल के राष्ट्रीय संयोजकत्व में स्थापित की गयी आम आदमी पार्टी जोकि न केवल दिल्ली में सत्ता में थी बल्कि वर्तमान समय में देश के समृद्ध राज्य पंजाब में भी सत्तारूढ़ है वही नया नवेला राजनैतिक दल आख़िर किन वजहों से और किन परिस्थितियों में इस अंजाम तक जा पहुंचा कि आज 'आप' के 'अंत' पर चर्चा छिड़ गयी है ? सच पूछिये तो दिल्ली में भाजपा की संभावित फ़तेह की सुगबुगाहट तो दरअसल उसी समय शुरू हो गयी थी जबकि 'आप' ने विगत अक्टूबर 2024 को हरियाणा में हुये विधानसभा चुनाव में 'इण्डिया' गठबंधन घटक का सदस्य होने के बावजूद राज्य की 89 सीटों पर चुनाव लड़ा और कांग्रेस को हरियाणा की सत्ता में वापसी से रोकने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। ग़ौरतलब है कि कांग्रेस हरियाणा में 90 में 7 सीटें आप के लिये छोड़ने को तैयार थी परन्तु केजरीवाल की ज़िद थी कि कांग्रेस उसे 10 सीटों पर अपने

उम्मीदवार खड़ा करने दे। इस बात पर दोनों दलों में समझौता नहीं हो सका। और आप ने 89 सीटों पर उम्मीदवार उतार दिये। नतीजतन एएपी को राज्य भर में केवल 1.53 प्रतिशत वोट प्राप्त हुए। जिन्होंने कांग्रेस को हराने व भाजपा को जिताने में अहम भूमिका निभाई। 2024 में आप द्वारा 10 सीटें तब मांगीं जा रही थीं जबकि 2019 में आम आदमी पार्टी का वोट शेयर नोटा से भी काफ़ी कम था। इसी हरियाणा चुनाव परिणाम के बाद ही दिल्ली में भी इसी तरह के चुनाव परिणाम की उम्मीद की जाने लगी थी।

ज़ाहिर है ऐसे विध्वंसक फ़ैसले लेने के लिये स्वयं अरविन्द केजरीवाल ही ज़िम्मेदार थे। वैसे भी 2012 में 'आप' अपने गठन के साथ ही उस समय विवादों में आ गयी थी जबकि अन्ना हज़ारे ने केजरीवाल द्वारा आम आदमी पार्टी के रूप में नया राजनैतिक दल बनाने की कोशिश का विरोध किया था। हालांकि अन्ना हज़ारे व केजरीवाल दोनों ही नेताओं को लेकर एक बड़े राजनैतिक विश्लेषक वर्ग का यह भी मानना है कि अन्ना आंदोलन हो या केजरीवाल की तर्ज़ -ए - सियासत,दरअसल यह सब कांगेस के विरोध में तथा भाजपा को फ़ायदा पहुँचाने के लिये रचा गया एक बड़ा राजनैतिक चक्रव्यूह है,अन्यथा क्या कारण है कि जिस जनलोकपाल को लेकर आंदोलन व राजनैतिक दल खड़ा किया गया था उसका जिक्र इन्हीं नेताओं के मुंह से अब क्यों सुनाई नहीं देता। पिछले दस सालों में बड़े से बड़े घोटाले उजागर हुये, उनके विरोध अन्ना हज़ारे ने आंदोलन क्यों नहीं किया ?

इसके अलावा आप के गठन के फ़ौरन बाद ही जिसतरह पार्टी के संस्थापक लोगों व अनेक बुद्धिजीवियों द्वारा पार्टी छोड़ने का सिलसिला शुरू हुआ उसका भी मुख्य कारण केजरीवाल का ज़िद्दीपन व उनकी हठधर्मिता ही थी। क्या वजह थी कि आम आदमी पार्टी को सबसे पहले चंदा देने वाले पूर्व क़ानून मंत्री सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ वकील शांति भूषण जिन्होंने पार्टी की स्थापना पर 1 करोड़ रुपए का चंदा दिया था, 2014 से ही उनका 'आप' से मोहभंग हो गया ? शांति भूषण ने उसी समय केजरीवाल को अनुभवहीन, दिल्ली विधानसभा चुनावों में टिकट बंटवारे में गड़बड़ी करने व पार्टी में मनमानी चलाने जैसे अनेक आरोप लगाए थे। इसी तरह केजरीवाल के एक और ख़ास साथी एक्टिविस्ट आशीष खेतान, एक प्रसिद्ध टीवी न्यूज़ चैनल के मैनेजिंग एडिटर के पद से इस्तीफ़ा देकर आम आदमी पार्टी में शामिल होने वाले आशुतोष,पार्टी का थिंक टैंक व पार्टी की क़ानूनी लड़ाई लड़ने वाले वाले प्रशांत भूषण जैसे साथियों को केजरीवाल संभाल नहीं सके। इसी तरह राजनीतिक विचारक योगेंद्र यादव को जोकि आम आदमी पार्टी के लिए चुनावी रणनीति बनाने में अहम भूमिका निभाते थे उन्हें भी प्रशांत भूषण के साथ ही पार्टी विरोधी गतिविधियों के आरोप में पार्टी से निकाल दिया गया। समाजशास्त्री आनंद कुमार,पैथोलॉजिस्ट अंजली दमानिया, सामाजिक कार्यकर्ता मयंक गांधी,किरन बेदी ,शाज़िया इल्मी, विनोद कुमार बिन्नी,कपिल मिश्रा,एमएस धीर सहित और भी कई नेता या तो पार्टी छोड़ गये या फिर निष्क्रिय हो गये। ऐसे सभी नेता केजरीवाल के साथ काम कर पाने में स्वयं को असहज महसूस कर रहे थे। परिणामस्वरूप अनेक साथी नेताओं के मना करने के बावजूद केजरीवाल अपनी ज़िद में ही दिल्ली में विवादित शराब नीति लाये जोकि उनकी राजनैतिक तबाही व बदनामी का कारक साबित हुई।

अब सत्ता से हटते ही भाजपा ने केजरीवाल को राजनैतिक रूप से समाप्त करने का प्लान तैयार कर लिया है। जहाँ भाजपा की गिद्ध दृष्टि अब पंजाब की आप सरकार पर जा टिकी है वहीं भाजपा ने एम सी डी के भी फ़िलहाल तीन 'आप' पार्षद झटक लिये हैं। साथ ही केंद्रीय सतर्कता आयोग ने केजरीवाल के 6 फ़्लैग स्टाफ़ बंगले के नवीनीकरण पर हुए बेतहाशाख़र्च की जांच का आदेश भी दे दिया है। भाजपा द्वारा केजरीवाल के इस सरकारी आवास को 'शीश महल' का नाम दिया गया था तथा इसे उनके विरुद्ध चुनावी मुद्दा बनाया गया था। बहरहाल मात्र दिल्ली की हार से आप के अंत की भविष्यवाणी करना तो फ़िलहाल मुनासिब परन्तु इतना ज़रूर कहा जा सकता है कि केजरीवाल की ज़िद व उनकी हठधर्मिता के चलते ही 'आप' की नैय्या डूब रही है।

महाकुंभ हादसा

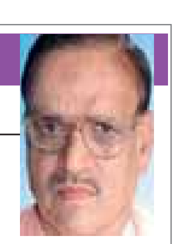

प्रमोद भार्गव

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

देशज ज्ञान से सीखना होगा भीड़ प्रबंधन

प्रचार का प्रभाव और पर्व विशेष में त्रिवेणी में डुबकी लगाने के उत्साह में मची भगदड़ में तीस लोगों के प्रयागराज के संगम तट पर चले गए थे और अब नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर प्रयागराज विशेष रेल में बैठने की भगदड़ में 18 लोग मारे गए। इन दोनों हादसों में महिलाओं की संख्या अधिक रही है। ये घटनाएं इसलिए घटीं, क्योंकि सुविधाजनक यात्रा और प्रयागराज कुंभ में आस्था की डुबकी के आकर्षण ने देश ही नहीं दुनिया से सनातन हिंदुओं को बुला लिया। भारतीय ही नहीं अनेक पश्चिमी देशों के नागरिकों ने भी त्रिवेणी में डुबकी लगाकर आध्यात्मिक शांति का अनुभव किया। फलतः 50 करोड़ से भी ज्यादा लोग अब तक गंगा स्नान कर चुके है और करोड़ों इस आस में प्रयागराज की ओर बढ़ रहे हैं, कि उन्हें भी कुंभ में डुबकी का अवसर मिल जाए तो मोक्ष का मार्ग प्रशस्त हो जाए। किंतु जिस तरह से आकस्मिक दुर्घटनाएं देखने में आई हैं,उससे लगता है भीड़ प्रबंधन का गणित हमें देशज ज्ञान परंपरा से सीखना होगा।

उत्तरप्रदेश सरकार ने इस महाकुंभ में अपनी क्षमता से अधिक आवागमन के साधनों से लेकर अनेक तकनीकी प्रबंध किए हैं। लेकिन भीड़ के आगे सभी प्रबंध कमजोर साबित हो जाते हैं। कुछ ऐसा ही दुनिया के इस सबसे बड़े मेले में देखने में आ रहा है। बावजूद दिल्ली की घटना रेल प्रशासन की लापरवाही के संकेत देती है। जब दिल्ली से प्रयागराज जाने वाली रेलों के लिए 1 घंटे में 15 हजार टिकट बिक रहे थे, तब उसने रेलों की उपलब्धता से अधिक टिकट क्यों बेचे ? वे टिकट यात्रियों को प्लेटफार्म पर जाने ही क्यों दिया ? यदि रेल की क्षमता से अधिक यात्रियों को स्टेशन के भीतर नहीं घुसने दिया जाता तो शायद भगदड़ में निर्दोष श्रद्धालुओं को प्राण गंवाने नहीं पड़ते ? दरअसल हमारे यहां विभाग कोई सा भी हो, अंत में संपूर्ण जिम्मेबारी और जवाबदेही तृतीय और चतुर्थ श्रेणी के कर्मचारियों पर छोड़ दिया जाता है। जबकि ये खुद कोई निर्णय लेने में सक्षम नहीं होते हैं। वस्तुतः आस्था के अनियंत्रित आवेग में अनहोनी घट जाती है। देश के प्रशासनिक अमले ने इसी कुंभ में त्रिवेणी संगम में घटी घटना से भी कोई सबक लेते हुए सावधानियां नहीं बरती ?

भारत में पिछले डेढ़ दशक के दौरान मंदिरों और अन्य धार्मिक आयोजनों में उम्मीद से कई गुना ज्यादा भीड़ उमड़ रही है। जिसके चलते दर्शन-लाभ की जल्दबाजी व कुप्रबंधन से उपजने वाली भगदड़ व आगजनी का सिलसिला हर साल इस तरह के धार्मिक मेलों में देखने में आ रहा है। इसी प्रयाग के 2013 में संपन्न हुए कुंभ मेले में रेलवे स्टेशन पर बने पैदल पुल पर भगदड़ मचने से 42 लोगों की मौत हो गई थीं। 1954 में भी प्रयागराज के कुंभ में 3 फरवरी को मौनी अमावस्या पर भगदड़ मची और 800 लोग काल के गाल में समा गए। 1986 में हरिद्वार के कुंभ में वीआईपी दर्जे के लोगों को विषेश स्नान के लिए भीड़ रोक देने के कारण भगदड़ मची और 200 लोग मारे गए थे। 2003 के नासिक कुंभ में 39 और 2010 के हरिद्वार के कुंभ में शाही स्नान के दौरान भगदड़ मचने से 7 लोगों की मौतें हुई थीं। साफ है, प्रत्येक कुंभ में जानलेवा घटनाएं घटती रहने के बावजूद शासन-प्रशासन ने कोई सबक नहीं लिए। धर्म स्थल हमें इस बात के लिए प्रेरित करते हैं कि हम कम से कम शालीनता और आत्मानुशासन का परिचय दें। किंतु इस बात की परवाह आयोजकों और प्रशासनिक अधिकारियों को नहीं होती, अतएव उनकी जो सजगता घटना के पूर्व सामने आनी चाहिए, वह अक्सर देखने में नहीं आती ? लिहाजा आजादी के बाद से ही राजनीतिक और प्रशासनिक तंत्र उस अनियंत्रित स्थिति को काबू करने की कोशिश में लगा रहता है, जिसे वह समय पर नियंत्रित करने की कोशिश करता तो हालात कमोबेष बेकाबू ही नहीं हुए होते? आयोजन को सफल बनाने में जुटे अधिकारी भीड़ के मनोविज्ञान का आकलन करने में चूकते दिखाई देते है।

इस कुंभ की तैयारियों के लिए कई हजार करोड़ की धनराशि खर्च की गई। जरूरत से ज्यादा प्रचार करके लोगों को कुंभ स्नान के लिए आमंत्रित किया गया। फलतः कौने-कौने से श्रद्धालुओं ने संगम में डुबकी लगाने का मन बना लिया। नतीजा यह निकला कि जिसे जो आवागमन का साधन मिला प्रयागराज की ओर चल दिया। जनसैलाब इतनी बड़ी संख्या में उमड़ा कि परिवहन से लेकर प्रयाग में प्रबंधन के सभी साधन कम पड़ गए। करोड़ो की भीड़ को संभालने के लिए सात स्तरीय सुरक्षा प्रबंधों से लेकर जो भी आधुनिक तकनीकी उपाय किए गए थे, वे सब ध्वस्त हो गए। ऐसा मेले के विराट रूप में बदल जाने के कारण हुआ। वैसे भी हमारे धार्मिक-आध्यात्मिक आयोजन विराट रुप लेते जा रहे हैं। कुंभ मेलों में तो विशेष पर्वों के अवसर पर एक साथ कई करोड़ लोग एक निश्चित समय के बीच स्नान करते हैं। ऐसे में भीड़ के अनुपात में यातायात और सुरक्षा के इंतजाम देखने में नहीं आते। जबकि शासन-प्रशासन के पास पिछले पर्वों के आंकड़े और अनुभव होते हैं। बावजूद लापरवाही और बदइंतजामी सामने आना चकित करती है। दरअसल, कुंभ या अन्य मेलों में जितनी भीड़ पहुंचती है और उसके प्रबंधन के लिए जिस प्रबंध कौशल की जरुरत होती है, उसकी दूसरे देशों के लोग कल्पना भी नहीं कर सकते ? इसलिए हमारे यहां लगने वाले मेलों के प्रबंधन की सीख हम विदेशी साहित्य और प्रशिक्षण से नहीं ले सकते ? क्योंकि दुनिया के किसी अन्य देष में किसी एक दिन और विशेष मुहूर्त्त के समय लाखों-करोड़ों की भीड़ जुटने की उम्मीद ही नहीं की जाती ? बावजूद हमारे नौकरशाह भीड़ प्रबंधन का प्रशिक्षण, लेने खासतौर से योरुपीय देशों में जाते हैं। प्रबंधन के ऐसे प्रशिक्षण विदेशी सैर-सपाटे के बहाने हैं, इनका वास्तविकता से कोई संबंध नहीं होता। ऐसे प्रबंधनों के पाठ हमें खुद अपने देशज ज्ञान और अनुभव से लिखने होंगे। इस बार तो केवल प्रयागराज में ही नहीं उत्तरप्रदेश की सीमा में प्रवेश करने वाली सभी सड़कों पर कई-कई दिन जाम लगे रहे। नतीजतन सीमाई प्रांतों के प्रशासन को भी सजग रहना पड़ा।

प्रशासन के साथ हमारे राजनेता, उद्योगपति, फिल्मी सितारे और आला अधिकारी भी धार्मिक लाभ लेने की होड़ में व्यवस्था को भंग करने का काम करते हैं। इनकी वीआईपी व्यवस्था और यज्ञकुण्ड अथवा मंदिरों में मूर्तिस्थल तक ही हर हाल में पहुंचने की रूढ़ मनोदषा, मौजूदा प्रबंधन को लाचार बनाने का काम करती है। नतीजतन भीड़ ठसाठस के हालात में आ जाती है। ऐसे में कोई महिला या बच्चा गिरकर अनजाने में भीड़ के पैरों तले रौंद दिया जाता है और भगदड़ मच जाती है। इस कुंभ में जहां केंद्रीय मंत्रीमंडल के मंत्री स्नान के लिए आते रहे, वहीं भाजपा शासित प्रदेश सरकारों के मुख्यमंत्री और मंत्रियों ने भी वीआईपी घेरे में श्रद्धालुओं को परे करके डुबकी लगाई। बड़े व्यापारी घरानों ने भी परिवार सहित वीआईपी स्नान किए। कांग्रेस व अन्य दलों के दिग्गज नेता भी वीआईपी डुबकी लगा रहे हैं।

दरअसल दर्शन-लाभ और पूजापाठ जैसे अनुष्ठान अशक्त और अपंग मनुष्य की वैशाखी हैं। जब इंसान सत्य और ईश्वर की खोज करते-करते थक जाता है और किसी परिणाम पर भी नहीं पहुंचता है तो वह पूजापाठों के प्रतीक गढ़कर उसी को सत्य या ईश्वर मानने लगता है। यह मनुष्य की स्वाभाविक कमजोरी है। यथार्थवाद से पलायन अंधविश्वास की जड़ता उत्पन्न करता है। भारतीय समाज में यह कमजोरी बहुत व्यापक और दीर्घकालीक रही है। जब चिंतन मनन की धारा सूख जाती है तो सत्य की खोज मूर्ति पूजा और मुहूर्त की शुभ घड़ियों में सिमट जाती है। जब अध्ययन के बाद मौलिक चिंतन का मन-मस्तिष्क में ह्रास हो गया तो मानव समुदाय भजन-कीर्तन में लग गया। यही हश्र हमारे पथ-प्रदर्शकों का हो गया है। नतीजतन पिछले कुछ समय से सबसे ज्यादा मौतें भगदड़ की घटनाओं और सड़क दुर्घटनाओं में उन श्रद्धालुओं की हो रही हैं, जो ईश्वर से खुशहाल जीवन की प्रार्थना करने धार्मिक यात्राओं पर जाते हैं।

भीड़ बढ़ाने में सोशल मीडिया की भूमिका- धार्मिक स्थलों पर भीड़ बढ़ाने का काम सोशल मीडिया भी कर रहा है। इस कुंभ में हम देख रहे है कि नीली आंखों वाली लड़की और आईआईटिअन साधु के वीडियो एक तमाशे के रूप में कहीं ज्यादा दिखाए और देखे गए है। जबकि शंकराचार्यों से धर्म और आस्था के गूढ़ रहस्यों को ज्ञात करने की जरूरत थी ? परंतु हमारे यहां प्रत्येक छोटे बड़े मंदिर के दर्शन को चमात्कारिक लाभ से जोड़कर देष के भोले-भाले भक्तगणों से एक तरह का छल मीडिया कर रहा है। इस मीडिया के अस्तित्व में आने के बाद धर्म के क्षेत्र में कर्मकांड और पाखण्ड का आडंबर जितना बड़ा है, उतना पहले कभी देखने में नहीं आया। इसकी पृश्ठभूमि में बाजारवाद की भूमिका भी रहती है। हालांकि यही मीडिया पाखंड के सार्वजनिक खुलासे के बाद मूर्तिभंजक की भूमिका में भी खड़ा हो जाता है। मीडिया का यही नाट्य रूपांतरण अलौकिक कलावाद, धार्मिक आस्था के बहाने व्यक्ति को निष्क्रिय व अंधविश्वासी बनाता है। यही भावना मानवीय मसलों को यथास्थिति में बनाए रखने का काम करती है और हम ईश्वरीय अथवा भाग्य आधारित अवधारणा को भाग्य का प्रतिफल व नियति का कारक मानने लग जाते हैं। दरअसल मीडिया, राजनेता और बुद्धिजीवियों का काम लोगों को जागरूक बनाने का है, लेकिन निजी लाभ का लालची मीडिया, लोगों को धर्मभीरू बना रहा है। राजनेता और धर्म की आंतरिक आध्यात्मिकता से अज्ञान बुद्धिजीवी भी धर्म के छद्म का शिकार होते दिखाई देते हैं। यही वजह है कि पिछले दो दशक के भीतर मंदिर हादसों में लगभग 5000 से भी ज्यादा भक्त मारे जा चुके हैं। बावजूद श्रद्धालु हैं कि दर्शन, आस्था, पूजा और भक्ति से यह अर्थ निकालने में लगे हैं कि इनको संपन्न करने से इस जन्म में किए पाप धुल जाएंगे, मोक्ष मिल जाएगा और परलोक भी सुधर जाएगा। गोया, पुनर्जन्म हुआ भी तो श्रेष्ठ वर्ण में होने के साथ आर्थिक रूप से समृद्ध व वैभवशाली होगा। परंतु इस तरह के खोखले दावों का दांव हर मेले में ताश के पत्तों की तरह बिखरता दिखाई दे रहा है। जाहिर है, धार्मिक दुर्घटनाओं से छुटकारा पाने की कोई उम्मीद निकट भविष्य में दिखाई नहीं दे रही है ?

यहां सब कुछ बिकता है

कटाक्ष

पल्लवी सक्सेना

लेखक साहित्यकार हैं।

एक सुनार जैसी कहानी की दुकान पर कुछ बड़े अखबार वाले लोग जाकर कहते है। 'भईया जरा लघुकथा तो दिखाना।'

'हाँ हाँ ! क्यूँ नहीं यह देखिये यह पूरी फाइल लघुकथा की ही है। वैसे मेरे पास बड़ी कहानियाँ भी है, छोटू वो बड़ी कहानियों वाला फोल्डर लाना तो जरा... !'

'अरे नहीं...नहीं हम बड़ी कहानियाँ नहीं लेते।'

'कोई बात नहीं, हमारे पास व्यंग और कटाक्ष भी है, कुछ कवितायें और ग़ज़ल आदि भी है। आप एक बार देखिये तो सही... !'

'नहीं रहने दीजिये, असल में वो क्या है ना, यह सब बहुत ही छोटी छोटी रचनाएं होती है तो पेज बनाने में दिक्कत आती है।'

'लो अभी तो आपने ने कहा की बड़ी कहानी भी नहीं चाहिए। बड़ी रचना भी नहीं चाहिए, छोटी भी नहीं चाहिए, तो फिर आपको आखिर आपको क्या चाहिए?'

'जी देखिये, हमें कोई ज्वलंत विषय पर बढ़िया सा कोई लेख आलेख चाहिए, वो जैसे किसी किसी आलेख पर थोड़ा थोड़ा राजनैतिक रंग चढ़ा होता है ना, वैसा कुछ हो तो दिखाइए।'

'अजी हाँ...हाँ, क्यूँ नहीं, अभी लो, उसकी तो सब से ज्यादा मांग है मार्केट में, आजकल भावनात्मक रचनाओं का भला कौन भाव देता है। हुम्... ! फालतू के विषय है, ना जाने कुछ लोग अब भी उन्हीं सब घिसे पिटे विषय को लेकर क्यूँ लिखे जा रहे है।'

'खैर... ! छोड़िये, आप यह देखिये, एकदम ताज़ा तरीन लेख आया मार्केट में, वो अभी अभी दिल्ली में हुए चुनाव के नतीजों पर आधारित है।'

'अच्छा... ! हाँ हाँ भईया फिर तो यह वाला पैक कर दो।'

'जी मैडम जी.., और कुछ दिखाऊं मैडम जी....?'

कई सारे अलग अलग लेखन विधियों के फोल्डर अलट पलट कर देखने के बाद बहुत सोचने पर मैडम जी ने कहा 'नहीं भईया और कुछ नहीं चाहिए।'

तभी उनके साथी ने धीरे से उनके कान में कहा 'अरे... ! एक अदद बड़ी कहानी भी लेलो, पेज भरेगा कैसे...? दो चार छुट पुट कविता, लेख, आलेख, इत्यादि भी ले ही लो, अगला पेज भी तो भरना है कि नहीं...?'

'अरे लेकिन... '

'लेकिन वेकिन कुछ नहीं, अरे भईया आप ऐसा करो कि सब कुछ थोड़ा थोड़ा दे ही दो और हाँ थोड़े विख्यात लेखकों के देना, ऐसी ही किसी के भी मत दे देना, जिन्हें कोई जानता ही ना हो... !'

'हाँ हाँ... ! आप चिंता ना करो, मैं आपको केवल देश के ही नहीं, बल्कि विदेशों में रहने वाले लेखकों के भी दिए देता हूँ. आप खुद ही छाँट लेना।'

'हाँ जी यह ठीक है... ! कितने हुए जी सब मिलाकर?'

'यही कुछ 2-4 हजार हो गया होगा...'

इतना...महंगा... !

'अरे मैडम राजनैतिक रंग भी तो है।'

'अच्छा ठीक है भईया, दो तीन महीने में ले लेना। ठीक है?'

तभी बाहर उन्हें एक लेखक मिल गया

'अरे सर आप यहाँ कैसे...?'

'बस कुछ नहीं, अखबार के लिए कुछ मटेरियल खरीदने आये थे।'

'अच्छा, अरे यह क्या... ! आपने तो कहानी खरीद ली. आप तो कहानी लेते नहीं थे ना...?'

'हाँ जी बस, अभी अभी कुछ महीनों पहले से ही लेना शुरु किया है...'

'हाँ वही तो... ! मुझे अच्छे से याद है, जब मैंने आपसे पूछा था, तब आपने साफ साफ मनाकर दिया था यह कह कर कि 'हम कहानी नहीं लेते' चलो कोई ना 'देर आये दुरुस्त आये।'

जी...जी कहते हुए, अख़बार वाले मुंह छिपाकर निकल गए।

सुबह सवेरे मीडिया एल.एल.पी. के लिए उमेश त्रिवेदी द्वारा पी.जी. इंफ्रास्ट्रक्चर एण्ड सर्विसेस प्रा. लि., राउखेड़ी, देवास रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 662, साईं कृपा कॉलोनी, बॉम्बे हॉस्पिटल के सामने, इंदौर से प्रकाशित।

प्रधान संपादक - उमेश त्रिवेदी
संपादक (म.प्र.) -विनोद तिवारी
कार्यकारी प्रधान संपादक - अजय बोकिल
स्थानीय संपादक - हेमंत पाल
प्रबंध संपादक - अरुण पटेल

(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र इंदौर रहेगा)
RNI No. MPHIN/ 2015/ 66040,
Mobile No.: 09893032101
Email- subahsaverenews@gmail.com

'सुबह सवेरे' में प्रकाशित विचार लेखकों के निजी मत हैं। इनसे समाचार पत्र का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

व्यंग्य

अनीता श्रीवास्तव

लेखक व्यंग्यकार हैं।

अब वे घंटों बिना बात किए रह लेती हैं

सजनी वग़ैरह इन दिनों रील देखने और बनाने में व्यस्त रहती हैं। उनने अपनी अर्से से चली आ रही बातूनी पहचान को बदल दिया है। अब वे घंटों बिना बात किए रह लेती हैं। यह उनकी पॉपुलर बातूनी छवि के विपरीत है। अब तक उन की पहचान थी कि न तो ये चुप रह सकती हैं और न ही इनके पेट में बात पचती है। अब वे एक के बाद एक रील को लीलते हुए विलक्षण पाचन शक्ति की धनी हो गई हैं। उनसे आप कुछ भी कहिए वे मुंडी हिला कर आपको टका सा जवाब दे देती हैं, कि अभी व्यस्त हूँ, कि खुद कर लो, या फिर बाबा आगे जाओ। आगे आपको यह सुनने को मिल सकता है 'मुझे तो किसीने बताया ही नहीं' अब आप चाहें तो क़समें खा खा अपनी निर्दोषता सिद्ध कीजिए या घुटने टेक दीजिए।

यह किसीका अनुमान नहीं अपितु सजनियों द्वारा प्रायः घर में फैलाए जाने वाले ज्ञान से पता चलता है। जो सजनी हैंड पम्प को 'हैड पंप' बोलती थी वे अब कैलोरी और कोलेस्ट्रॉल पर धारा प्रवाह बोल लेती हैं। यह तो अच्छा ही है मगर वे किस करवट सोएं से ले कर पानी कैसे पिएँ और निवाला कित्ती बार चबाएं तक हर बात पर निर्देश प्रदान करती हैं। इलाज के नायाब तरीके, ग्रह नक्षत्रों की चाल, धर्म के उपदेश से लेकर टैक्स कैसे बचाएं और ध्यान कैसे करें आदि आदि। सब तरफ़ से ज्ञान के टीले पर समाधिस्थ सजनी संचार युग की नवीनतम भेंट है। और तो और, सजनी रील देखते हुए ऊपरी मौन में प्रवेश कर जाती हैं।

आध्यात्मिक क्रिया का भ्रम पैदा करने की इस महती प्रक्रिया से गुजरते हुए वे अपने इर्द गिर्द के माहौल से कट जाती हैं। संसार के माया मोह से ऊपर उठ कर वे अंतरजाल में व्याप्त महामाया को वर लेती हैं। नतीजा अपने संसारी साजन से विलग हो जाती हैं। इधर साजन को खुद भी इस उपेक्षा से तंग आ कर रीलोन्मुखी होना पड़ा है। बहुत चिल्ल बिल्ल के बाद साजन को उनकी यह गतिविधि सुकून देने वाली है। पर नार लिलार को चौथ के चंद की नाई तजे बहुत दिन हो गए। अब साजन सोचते हैं साला सोशल मीडिया पर कौन जान पाएगा। चाहे जिसका लिलार चाहे जित्ती देर देखो ! अब हुई दोनों पहियों की रफ्तार बराबर। इधर साजन सुखी। उधर सजनी सुखी।

बहसोन्मुखी सजनियों के साजन खास तौर पर मोबाइल युग के आभारी हैं। वे संचार क्रांति को अपने जीवन में आए इस अप्रत्याशित सुख के लिए बारंबार धन्यवाद देते हैं।

जो कि उनकी स्थापित छवि के विपरीत है। छवि में आए इस क्रांतिकारी परिवर्तन से साजन वैसे तो खुश हैं , शांति के पुजारी जो हैं ! लेकिन कभी- कभी इस शांति की कीमत चुकानी पड़ जाती है। रात दिन बरस रहे ज्ञान के मेघ उनकी जेब पर भारी पड़ जाते हैं। कभी सब्जी का मसाला जल जाता है तो कभी दूध उफन जाता है। तिस पर चेतना लौटते ही कोई फरमाईश अस्तित्व में आ जाती है।

यों साजन भी रील के रेले में बहे जा रहे हैं किंतु यह तो उनकी प्रचलित प्रवृत्ति के अनुकूल ही है। जब रील का वरदान पृथ्वी वासियों को नहीं मिला था, तब भी साजन अखबार के पीछे मुँह छुपा कर चुप्पी ओढ़ लेते थे। जाओ ! नहीं करनी फरमाईश पूरी ! मतलब नहीं करनी !

चूंकि सजनी , तुम घर परिवार की धुरी हो। ध्यान रखना कि तुम्हारे धुरीपने के धुर विरोधी भी ज़माने में पैदा हो गए हैं। वे तुम्हारी रीलोन्मुखी प्रगति को देख जलेंगे। इसे धुरी पर तुम्हारे घूर्णन में बाधा समान बताएंगे। कह सकते हैं- तुम रील में खोई थी उधर दूध उफन कर नदी सा बह गया, मसाला जल कर कोयला हो गया, सामने से फलानी गुज़र गई और तुमने हेलो तक न की, दांत न दिखाते बना। किंतु तुम तनिक भी विचलित न होना। घर में बैठी कोई बुढ़िया, तुम्हें रील देखते हुए देखेगी तो तुम्हारी बलाएँ लेगी। तुम्हारे मुख मंडल पर जड़ी उसकी आँखें तुमसे दो बातों की आस लगाए बीच बीच में आसमान देखती होंगी। देखने दो। तुम्हें क्या ! कोई बूढा खांसे तो खांसने देना। बुढ़ापा तो होता ही है खांसने के लिए।

साजन इत्यादि को भी चाहिए वे पीछे न रहें। भोर की चाय के साथ ही रील के समक्ष नतमस्तक हों। आँख खुलते ही पहले वे 'कराग्रे बसते मोबाइल' का जप करें, पश्चात चाय के साथ रील ग्रहण करें। दिन भर के ज़रूरी काम करते हुए बीच- बीच में मौका मिलते ही रील पर चले आएं। रील के हो जाएं। याद आता है पुराने ज़माने में फोटो के निगेटिव की रील हुआ करती थी। जिसका मिलना संदेहस्पाद हो और जो कहीं न मिल रहा हो, उसे रील में खोजा जाता था। अब वही आदमी रील में खो गया है।

यशोदा जयंती

चेतनादित्य आलोक

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार, साहित्यकार, स्तंभकार, आध्यात्मिक चिंतक एवं वास्तु ज्ञाता हैं)

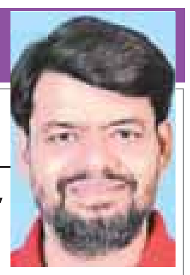

वात्सल्य की देवी माता यशोदा

यशोदा जयन्ती भगवान श्रीकृष्ण की माता यशोदा के जन्मदिन के रूप में प्रति वर्ष फाल्गुन माह के कृष्ण पक्ष की षष्ठी तिथि को मनाई जाती है। माता यशोदा को भगवान श्रीकृष्ण की पालक माता के रूप में जाना जाता है, और उनके द्वारा श्रीकृष्ण की परवरिश और पालन-पोषण की कथा देश भर में अत्यंत लोकप्रिय है। हालांकि, भगवान श्रीकृष्ण को जन्म तो माता देवकी ने दिया था, लेकिन उनका लालन-पालन करने का सौभाग्य एवं मातृत्व का सुख यशोदा रानी को ही मिल पाया था। देखा जाए तो संसार में ऐसे बहुत से भाग्यशाली भक्त हुए हैं, जिनकी इच्छा के अनुसार स्वयं जगत् पालक भगवान ने अपनी लीलाएं रचीं, लेकिन इस ब्रह्माण्ड के नायक श्रीहरि को स्तनपान कराने और मातृत्व-सुख पाने का महाभाग्य तो केवल माता यशोदा को ही प्राप्त हुआ है। गौरतलब है कि यशोदा जयन्ती का पर्व संपूर्ण भारत में पूरी श्रद्धा एवं भक्ति के साथ मनाया जाता है। वैसे देखा जाए तो उत्तर भारत में इस पर्व की धूम अधिक होती है। इस वर्ष यह पर्व 18 फरवरी यानी मंगलवार को देश भर में बड़ी ही धूमधाम के साथ मनाया जाएगा।

माता यशोदा की जन्म कथा

पौराणिक मान्यताओं के अनुसार पिछले जन्म में माता यशोदा 'धरा' और नंद बाबा 'वसुश्रेष्ठ द्रोण' थे। दंपति द्वारा घोर तपस्या करने के उपरांत जब पद्मयोनि ब्रह्मा जी प्रसन्न हुए, तब वसुश्रेष्ठ द्रोण ने उनसे प्रार्थना की कि हे देव! पृथ्वी पर जन्म लेने पर भगवान श्रीकृष्ण में हमारी अविचल भक्ति हो। उस समय द्रोणपत्नी धरा भी पास ही खड़ी थीं, जिन्होंने मुख से तो कुछ नहीं कहा, पर उनके शरीर का रोम-रोम, उनका अणु-अणु द्रोण की बातों से सहमति प्रकट कर रहा था। तात्पर्य यह कि वसुश्रेष्ठ द्रोण और धरा दोनों ने पूर्वजन्म में पद्मयोनि ब्रह्मा जी से भगवान श्रीकृष्ण के प्रति अनन्य भक्ति की मांग की थी, जिसके उपरांत ब्रह्मा जी ने उनकी विनती स्वीकार करते हुए 'तथास्तु' कहा था। उसी वरदान के प्रभाव से ब्रजमंडल में सुमुख नामक गोप की पत्नी पाटला के गर्भ से देवी धरा का जन्म फाल्गुन माह की कृष्ण पक्ष की षष्ठी तिथि को यशोदा के रूप में हुआ था। पौराणिक ग्रंथों के अनुसार माता यशोदा के माता-पिता ने उनका विवाह ब्रज के राजा नंद बाबा से कर दिया था। बाद में भगवान श्रीकृष्ण इन्हीं नंद बाबा और माता यशोदा के पुत्र बने। बहरहाल, संपूर्ण भारतवर्ष में फाल्गुन माह के कृष्ण पक्ष की षष्ठी तिथि को माता यशोदा की जयंती बड़ी ही श्रद्धा और भक्ति भाव से मनाई जाती है।

दूसरों को श्रेय और यश प्रदान करने वाली

एक अन्य कथा के अनुसार पूर्व जन्म में माता यशोदा ने भगवान श्रीहरि विष्णु को प्रसन्न करने के लिए घोर तपस्या की थी, जिससे प्रसन्न होकर भगवान ने उन्हें वरदान मांगने के लिए कहा। तत्पश्चात् माता यशोदा ने भगवान से कहा- 'मेरी तपस्या तभी पूर्ण होगी, जब आप मुझे पुत्र के रूप में प्राप्त होंगे।' तब भगवान ने प्रसन्न होकर माता यशोदा को बताया- 'मैं वासुदेव और माता देवकी के घर जन्म लूंगा, लेकिन मातृत्व का सुख आपको ही प्राप्त होगा।' जाहिर है कि कालांतर में ऐसा ही हुआ। बता दें कि पौराणिक ग्रंथों में माता यशोदा को नंद बाबा की पत्नी और 'नन्दरानी' कहा गया है। भागवत पुराण के अनुसार भगवान श्रीकृष्ण का जन्म मथुरा के राजा कंस की बहन देवकी के गर्भ से अर्द्धरात्रि में हुआ था, जब देवकी अपने पति वासुदेव सहित कंस के कारागार में बंद थीं। कंस के अत्यंत क्रूर पंजों से रक्षा हेतु वासुदेव रात्रि में ही अपने पुत्र श्रीकृष्ण को ब्रज के राजा नंद और माता यशोदा के घर गोकुल में छोड़ आए, जिसके पश्चात् उनका पालन-पोषण माता यशोदा ने ही किया। माता यशोदा वात्साल्य की मूर्तिमयी देवी थीं। सामान्यतः माताएं तो कोमल हृदय की होती ही हैं, किंतु माता यशोदा के विलक्षण व्यक्तित्व की तुलना जगत् की किसी दूसरी माता से नहीं की जा सकती। उनका हृदय त्याग, स्नेह, दया और करुणा से भरा हुआ था। देखा जाए तो सदा दूसरों को श्रेय और यश प्रदान करने के कारण ही ब्रजमंडल के सुमुख नामक गोप एवं उनकी पत्नी पाटला नामक गोपिका की पुत्री देवी धरा को 'यशोदा' कहा गया।

अनन्य एवं अनुपम सौभाग्यशालिनी

गौरतलब है कि मुक्तिदाता, परम पिता परमेश्वर से कृपा का जो प्रसाद परम् वात्सल्यमई माता यशोदा को प्राप्त हुआ, वह अनन्य एवं अनुपमेय है। सच कहा जाए तो वैसा परम् प्रसाद तो इस धरा-धाम पर कभी किसी को भी मिला ही नहीं है। यहां तक कि सृष्टि के निर्माता प्रजापिता ब्रह्मा जी, भगवान श्रीहरि विष्णु, देवों के देव भोलेनाथ शिवशंकर और धन-धान्य, यश और वैभव की देवी परम् कल्याणकारिणी माता लक्ष्मी को भी वैसा परम् प्रसाद नहीं मिल सका। शास्त्रों में वर्णन है कि नंद बाबा और माता यशोदा को कोई संतान न होती थी, लेकिन वृद्धावस्था में पहुंचकर पूर्वजन्म में भगवान श्रीहरि विष्णु द्वारा उनको दिया गया वरदान फलीभूत हो गया और भगवान श्रीकृष्ण ने स्वयं उनका पुत्र बनकर उन्हें वात्सल्य सुख का अनन्य एवं अनुपम सौभाग्य प्रदान किया।

भारतीय स्त्रियां माता यशोदा से प्रेरणा लें

इस प्रकार, एक बार फिर यह शाश्वत् सत्य सिद्ध हो गया कि यदि भगवान के प्रति भक्ति निश्छल हो... अनन्य हो तो भगवान अपने प्रिय भक्त के वश में हो जाते हैं। इतना ही नहीं, भक्त की भावना के अनुसार ही भगवान उसे ऋद्धि, सिद्धि, भक्ति, मुक्ति, शक्ति आदि भी प्रदान करते हैं, जैसा कि भगवान ने वात्सल्य धर्म की अनुपम उपासिका माता यशोदा को दिया था। इसलिए आज के दौर की भारतीय स्त्रियों को भी माता यशोदा से प्रेरणा लेते हुए अपने भीतर मातृत्व की स्नेहिल भावना को विकसित करने का प्रयास करना चाहिए। दूसरे शब्दों में कहा जाए तो हमारी आज की माताओं, बहनों को भी माता यशोदा के दिव्य गुणों को आत्मसात् करने का प्रयास करना चाहिए।

यशोदा जयंती का महत्व

यशोदा जयंती के दिन माता यशोदा की गोद में विराजमान श्रीकृष्ण के बाल रूप और माता यशोदा की पूजा की जाती है। शास्त्रों में बताया गया है कि इस दिन माता यशोदा और भगवान श्रीकृष्ण की पूजा करने से संतान संबंधी सभी परेशानियां दूर हो जाती हैं। जो भी व्यक्ति इस दिन माता यशोदा और भगवान श्रीकृष्ण की पूजा करता है, उसकी सभी मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार यदि इस दिन कोई स्त्री निश्छल मन से पूरी श्रद्धा एवं भक्ति के साथ माता यशोदा एवं भगवान श्रीकृष्ण की विधिवत् पूजा-आराधना करती है, उसे उत्तम संतान की प्राप्ति तो होती ही है, साथ ही, उस भक्त महिला को भगवान श्रीकृष्ण के बाल रूप के दर्शन भी होते हैं तथा उसकी सभी मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं।

(इतिश्री)

यात्रा संस्मरण

मोहन वर्मा

लेखक पत्रकार हैं।

मरू महोत्सव के बहाने जैसलमेर यात्रा

अपनी यायावरी के चलते इस बार जैसलमेर यात्रा। बहाना था जैसलमेर का मरु महोत्सव । भारत पाक सीमा से मात्र 150 किलोमीटर पहले राजस्थान का अंतिम शहर जिसे अपने भूरे सुनहरे रेतीले टीलों और ऐसे ही वास्तु के कारण गोल्डन सिटी के नाम से भी जाना जाता है ।

तीज त्योहार और उत्सव हर इंसान को आनंद और ऊर्जा से भरते है । ऐसा ही एक राजस्थान का उत्सव जैसलमेर का मरु महोत्सव है जो विश्व प्रसिद्ध है और जिसमें शिरकत करने और इसका आनंद लेने देश विदेश के पर्यटक हर साल यहां आते हैं। इस साल हमें भी इसमें भाग लेने का अवसर मिला ।

माघ मास की त्रयोदशी से पूर्णिमा तक होने वाला यह उत्सव राजस्थान का विश्व प्रसिद्ध मरु महोत्सव इस बार 9 से 15 फ़रवरी तक आयोजित कियागया था जिसमें देश विदेश के हज़ारों पर्यटकों ने भागीदारी की।

जैसलमेर के विश्व प्रसिद्ध मरु महोत्सव में दस फरवरी सुबह 9 बजे गड़ीसर सरोवर से आकर्षक शोभायात्रा मुख्य बाजार से होते हुए निकली जो पूनम सिंह स्टेडियम पहुंची जहां मिस मूमल,मिस्टर डेजर्ट मिसेज जैसलमेर,साफा बांधो,मूंछ प्रतियोगिता मूमल महेंद्रा प्रतियोगिता का आयोजन हुआ जिसका सभी ने आनंद लिया । पपेट शो और मैजिक शो के बाद शाम को सांस्कृतिक कार्यक्रमों में हसन खा, कुतले खान और सूफी सिंगर ज्योति नूरन की प्रस्तुति पर हजारों की संख्या में उपस्थित दर्शक झूमते रहे

11 फरवरी गड़ीसर सरोवर पर योगा विथ फॉक इंस्ट्रुमेंटल म्यूजिक के साथ हुआ और डेडानसर स्टेडियम में देशी कलाकारों ने प्रस्तुति दी । इसके बाद ऊंट श्रृंगार,शान ए मरुधरा ,एयरफोर्स के जवानों द्वारा ड्रिल शो, मटका रेस, जिम्नास्टमिक शो,केमल पोलो मैच, बीएसएफ द्वारा केमल टैटू शो हुए। ये सब इतने शानदार हुए कि श्रोता,दर्शक मंत्रमुग्ध हो गए। इसी कड़ी में शाम को शहीद पूनम सिंह स्टेडियम में सांस्कृतिक कार्यक्रम में प्रसिद्ध पंजाबी गायक काका श्री को भी श्रोताओं का भरपूर प्यार मिला।

बीते दो दिनों के बाद 12 फरवरी सुबह दामोदरा गांव में घुड दौड़ प्रतियोगिता के साथ लखमाना के सुनहरे रेगिस्तान में केमल रेस का अनुपम आयोजन हुआ और माघ माह की पूर्णिमा को रेतीले धोरों में तगाराम भील, भुगरे खान के राजस्थानी लोकगीतों के साथ नीरज आर्या के कबीर कैफे बैंड की प्रस्तुतियौ ने दर्शकों को झूमने पर मजबूर कर दिया ।

अगला दिन जैसलमेर की हवेलियों और फोर्ट के नाम रहा जहाँ हम राजस्थान के इतिहास से रूबरू होते रहे । दोपहर में ऊँट की सवारी और जीप राइड के साथ रेतीले टीलों का आनंद लिया वहीं दोपहर में खाभा फोर्ट,शाम को कुलधरा के इतिहास से रूबरू हुए और रात जंगल में मून वॉक के साथ टेंट स्टे का मजा लिया ।

अंतिम दिन 1971 के भारत पाक युद्ध के साक्षी लोंगेवाला और भारत पाक सीमा के साथ तनोंट माता मंदिर में दर्शनों के साथ ही एक सप्ताह का आनंद उत्सव समाप्त हुआ जो मन को आनंद से भर गया ।

हमेशा रहेगा जैसलमेर का मरू महोत्सव....

दृष्टिकोण

सचिन श्रीवास्तव

स्वतंत्र लेखक

नया टैक्स बिल 2025: पारदर्शिता या डिजिटल निगरानी?

नए विधेयक के तहत कर अधिकारियों को करदाताओं के डिजिटल डेटा, सोशल मीडिया गतिविधियों, ऑनलाइन लेन-देन और अन्य इलेक्ट्रॉनिक रिकॉर्ड तक पहुँचने की अनुमति दी गई है। सरकार का तर्क है कि इससे कर चोरी पर नियंत्रण आसान होगा, लेकिन इससे निजता के अधिकारों का उल्लंघन भी हो सकता है। यह सरकार और नागरिकों के बीच भरोसे को भी प्रभावित कर सकता है। वधेयक में कर से जुड़े शब्दों और प्रावधानों को सरल भाषा में लिखा गया है, जिससे आम नागरिक इसे आसानी से समझ सकें। उदाहरण के लिए, 'असेसमेंट ईयर' को 'टैक्स ईयर' से बदला गया है। इससे कर अनुपालन दर बढ़ने की उम्मीद की जा रही है।

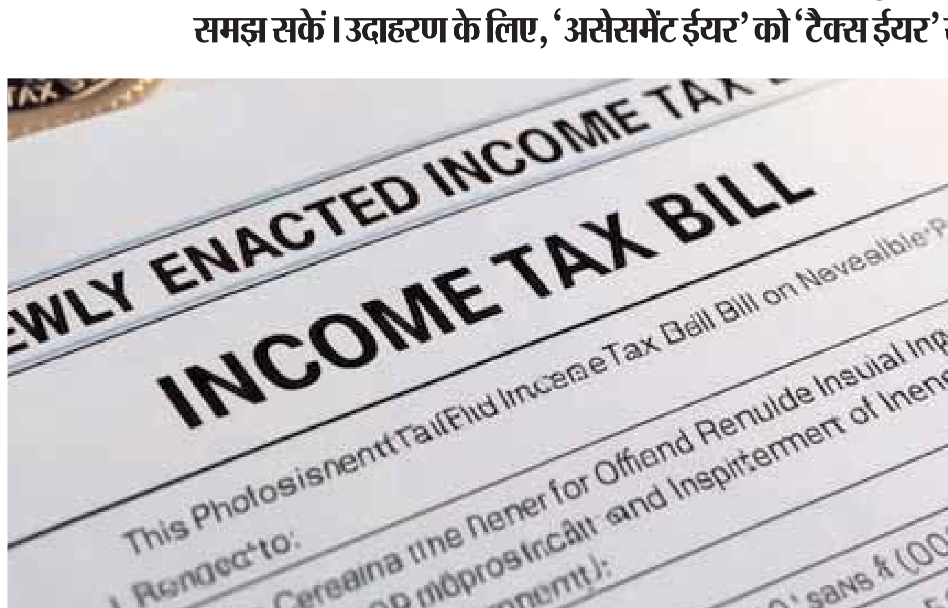

भारत सरकार ने नया टैक्स बिल 2025 संसद में पेश किया है, जिसका उद्देश्य मौजूदा कर प्रणाली को सरल बनाना और कर प्रशासन को तकनीकी रूप से अधिक उन्नत बनाना है। यह विधेयक 1961 के आयकर अधिनियम की जगह लेगा और 2026 से प्रभावी होने की संभावना है। यह न केवल करदाताओं के लिए बल्कि भारत की आर्थिक और डिजिटल संरचना के लिए भी महत्वपूर्ण बदलाव लाएगा।

नए विधेयक के तहत कर अधिकारियों को करदाताओं के डिजिटल डेटा, सोशल मीडिया गतिविधियों, ऑनलाइन लेन-देन और अन्य इलेक्ट्रॉनिक रिकॉर्ड तक पहुँचने की अनुमति दी गई है। सरकार का तर्क है कि इससे कर चोरी पर नियंत्रण आसान होगा, लेकिन इससे निजता के अधिकारों का उल्लंघन भी हो सकता है। यह सरकार और नागरिकों के बीच भरोसे को भी प्रभावित कर सकता है।

विधेयक में कर से जुड़े शब्दों और प्रावधानों को सरल भाषा में लिखा गया है, जिससे आम नागरिक इसे आसानी से समझ सकें। उदाहरण के लिए, 'असेसमेंट ईयर' को 'टैक्स ईयर' से बदला गया है। इससे कर अनुपालन दर बढ़ने की उम्मीद की जा रही है।

पहली बार क्रिप्टोकरेंसी को कर कानून के दायरे में लाया गया है। अब इसे 'अघोषित आय' की श्रेणी में रखा गया है और कर अधिकारियों को डिजिटल संपत्तियों की जब्ती का अधिकार दिया गया है। इससे क्रिप्टो निवेशकों में चिंता बढ़ सकती है और निवेश प्रवृत्तियों में बदलाव आ सकता है।

यदि कोई एनआरआई भारत में ?15 लाख या उससे अधिक की आय अर्जित करता है, तो उसे भारतीय करदाता माना जाएगा। इससे भारत में निवेश करने वाले अनिवासी भारतीयों पर प्रभाव पड़ सकता है।

टैक्स प्रक्रिया को पारदर्शी बनाने की कोशिश निवेशकों के लिए भारत को अधिक आकर्षक बना सकता है। हालाँकि, डिजिटल निगरानी का बढ़ा हुआ दायरा विदेशी कंपनियों के लिए चिंता का विषय बन सकता है।

सरल भाषा और पारदर्शिता कर अनुपालन को बढ़ाने में मदद कर सकती है। करदाता अब जटिल कानूनी प्रावधानों से बच सकेंगे, जिससे सरकार को अधिक राजस्व मिल सकता है।

सरकार का बढ़ता डिजिटल हस्तक्षेप नागरिकों की निजता पर प्रश्नचिह्न लगा सकता है। यदि डेटा सुरक्षा कानून मजबूत नहीं किए गए, तो यह विधेयक सरकार के लिए आलोचना का कारण बन सकता है।

क्रिप्टोकरेंसी पर सख्त नियमों से इस क्षेत्र में निवेश की गति धीमी हो सकती है। निवेशक अधिक लचीले कर नियमों वाले देशों की ओर रुख कर सकते हैं।

सरकार कर अधिकारियों को डिजिटल निगरानी का अत्यधिक अधिकार दे रही है, जिससे नागरिकों की स्वतंत्रता प्रभावित हो सकती है। यह निगरानी राज्य (Surveillance State) के रूप में सरकार की छवि बना सकता है।

नए डिजिटल अनुपालन मानदंडों को पूरा करना छोटे और मध्यम उद्यमों (SMEs) के लिए कठिन हो सकता है। इससे उनका प्रशासनिक खर्च बढ़ सकता है।

विधेयक में कर दरों के बारे में कोई स्पष्ट जानकारी नहीं दी गई है। यदि उच्च कर दरें लागू की जाती हैं, तो इससे मध्यम वर्ग और छोटे व्यवसायों पर आर्थिक बोझ बढ़ सकता है।

भारत में रू. 15 लाख से अधिक कमाने वाले NRIs को निवासी करार देने से कानूनी विवाद उत्पन्न हो सकते हैं। इससे विदेशी निवेश और प्रवासी भारतीयों के भारत में व्यापार करने की इच्छा प्रभावित हो सकती है। सरकार का यह कदम कर चोरी को रोकने और कर संग्रह बढ़ाने में मदद कर सकता है। यदि इसे सही ढंग से लागू किया जाए, तो भारत की कर व्यवस्था अधिक कुशल और पारदर्शी बन सकती है।

इस विधेयक में निगरानी संबंधी प्रावधानों के कारण नागरिकों की निजता की सुरक्षा के लिए मजबूत डेटा सुरक्षा कानून बनाना आवश्यक होगा।

भारत में क्रिप्टोकरेंसी के लिए स्पष्ट कर नियम आवश्यक होंगे, ताकि निवेशकों को अनिश्चितता से बचाया जा सके और सरकार को राजस्व का लाभ मिल सके।

भले ही यह विधेयक टैक्स प्रणाली को सरल बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम है, लेकिन इसे लगातार अद्यतन करने की जरूरत होगी ताकि यह बदलती अर्थव्यवस्था और तकनीकी परिदृश्य के अनुकूल बना रहे।

नया टैक्स बिल 2025 कर प्रशासन को अधिक पारदर्शी और प्रभावी बनाने का प्रयास करता है। यह डिजिटल कराधान, क्रिप्टोकरेंसी और अनिवासी भारतीयों से जुड़े मुद्दों को स्पष्ट करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। हालाँकि, इसमें निजता की सुरक्षा, डिजिटल निगरानी के दुरुपयोग, छोटे व्यवसायों पर प्रभाव और विदेशी निवेश पर संभावित असर जैसी चुनौतियाँ भी हैं। यदि सरकार इन खामियों को दूर करने के लिए ठोस कदम उठाती है, तो यह विधेयक भारत की कर प्रणाली में ऐतिहासिक सुधार ला सकता है।

स्कूल में चटाई के नीचे मिला 5 फीट लंबा कोबरा

बैतूल। बैतूल के भोगीटेडा स्थित प्राथमिक स्कूल में सोमवार सुबह बच्चों के बैठने की चटाई के नीचे कोबरा सांप मिला। छात्रों की सूचना पर शिक्षक ने सर्प मित्र को बुलाया और सांप का रेस्क्यू कर जंगल में छोड़ा गया। शिक्षक देवेंद्र सिंह आर्य ने बताया कि जब बच्चे कक्षा में बैठने के लिए अंदर गए, तब उन्होंने चटाई के नीचे

कुछ हिलते हुए देखा और तुरंत शिक्षक को सूचित किया। जांच करने पर पता चला कि चटाई के नीचे एक बड़ा कोबरा छिपा हुआ था। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए तुरंत बैतूल से सर्प मित्र विशाल विश्वकर्मा को बुलाया गया। विशाल ने सफलतापूर्वक सांप का रेस्क्यू किया और उसे सुरक्षित जंगल में छोड़ दिया। सर्प मित्र ने बताया कि यह एक स्पेक्टिकल कोबरा था, जो लगभग 5 फीट लंबा था। उन्होंने बताया कि इस प्रजाति का सांप अत्यंत जहरीला होता है और इसके डसने के बाद यदि 45 मिनट के अंदर इलाज न मिले तो व्यक्ति की मृत्यु हो सकती है। शिक्षक देवेंद्र सिंह आर्य ने बताया कि संभवतः सांप रविवार को स्कूल की छुट्टी के दौरान या रात में चूहों का पीछा करते हुए स्कूल में घुस गया होगा। शिक्षकों और बच्चों की सतर्कता से एक बड़ी दुर्घटना टल गई।

बस को टक्कर मारने वाला डंपर चालक पकड़ाया

बैतूल। तेज और लापरवाही पूर्वक गाडी चलाकर यात्री बस को टक्कर मारने वाले वाहन चालक को पुलिस ने हिरासत में ले लिया है। रानीपुर पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार रविवार की रात लगभग 8 बजे बैतूल-सारणी मार्ग पर खमालपुर गांव के पास खडी बस को डंपर ने टक्कर मार दी थी। हादसे में 29 यात्री घायल हो गए थे। घायलों को जिला अस्पताल में भर्ती किया। हादसे के बाद डंपर चालक फरार हो गया था। आखिरकार पुलिस ने फरार चल रहे डंपर चालक को गिरफ्तार कर लिया है। डंपर चालक घोडाडोंगरी निवासी होना बताया गया है। प्रथम दृष्टया सडक हादसे की जांच में यह पता चला है कि डंपर चालक द्वारा तेज एवं लापरवाही पूर्वक वाहन चलाया। जिसके कारण यह हादसा हुआ है। यात्री बस सवारी उतार रही थी। इसी दौरान पीछे से आए डंपर ने बस को टक्कर मार दी थी। टक्कर के बाद बस पलट गई। बस में सवार 29 यात्री घायल हो गए। घायलों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। सभी घायलों की हालत में अब तेजी से सुधार आने लगा है। सेहत अच्छी होने के बाद सभी को छुट्टी दे दी जाएगी। पुलिस हिरासत में लिए डंपर चालक से पूछताछ कर रही है।

कमिश्नर नर्मदापुरम ने प्रगतिरत सीएम राइज स्कूल घोड़ाडोंगरी का किया निरीक्षण

बैतूल। कमिश्नर नर्मदापुरम केजी तिवारी ने सोमवार को कलेक्टर श्री नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी के साथ घोड़ाडोंगरी में प्रगतिरत सीएम राइज स्कूल घोड़ाडोंगरी का निरीक्षण किया। उन्होंने प्रगतिरत बिल्डिंग के नक्शे पर प्रस्तावित कार्यों में पूर्ण और शेष कार्यों की जानकारी ली। उन्होंने स्कूल के प्रत्येक तल में जाकर निर्माण कार्यों

की गुणवत्ता परखी। उन्होंने स्कूल के क्लास रूम्स, प्रयोगशाला, छत, शौचालय, दरवाजे, खिड़कियां इत्यादि कार्यों का जायजा लिया। उन्होंने सुरक्षा के सभी मानक मापदंडों का विशेष ध्यान रखने के निर्देश अधिकारियों को दिए। उन्होंने स्कूल की खिड़कियों की जालियों को व्यवस्थित लगाने और दरवाजों को बच्चों की सुविधा के अनुरूप बनाएं जाने के निर्देश दिए। उन्होंने प्राचार्य सीएम राइज घोड़ाडोंगरी को निर्माण कार्यों की गंभीरता से मॉनिटरिंग करने की हिदायत दी। उन्होंने कार्य एजेंसी पीआईयू और संबंधित ठेकेदार को आगामी जून 2025 तक स्कूल निर्माण कार्य गुणवत्तापूर्ण रुप से पूर्ण करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य श्रीमती शिल्पा जैन, पीआईयू के अधिकारी, तहसीलदार और अन्य अधिकारी उपस्थित रहें।

कलेक्टर ने आंगनवाड़ी केंद्रों की समय-सारणी में किया परिवर्तन

बैतूल। कलेक्टर नरेंद्र कुमार सूर्यवंशी ने आंगनवाड़ी केंद्रों की समय-सारणी में परिवर्तन किया है। महिला एवं बाल विकास जिला कार्यक्रम अधिकारी श्री गौतम अधिकारी ने बताया कि आंगनवाडी केन्द्रों के संचालन के लिये जारी दैनिक समय-सारणी के अनुसार प्रातः 9 बजे आंगनवाडी खोलना, बच्चों का स्वागत करना, निर्मल-समय बच्चों की साफ-सफाई का अवलोकन तथा आवश्यकतानुसार बच्चों की व्यक्तिगत साफ-सफाई होगी। प्रातः 9.30 से 10 बजे तक सामूहिक गतिविधियों का आयोजन किया जाये। प्रातः 10 से 10.30 बजे तक नाश्ता, प्रातः 10.30 से पूर्वान्ह 11 बजे तक बच्चों के द्वारा स्वतंत्र खेल, पूर्वान्ह 11 से 11.30 बजे तक छोटे समूह की गतिविधियों का आयोजन, पूर्वान्ह 11.30 से दोपहर 12 बजे तक भाषा एवं साक्षरता पूर्व कौशल गतिविधियों का आयोजन, दोपहर 12 से 12.30 बजे तक रचनात्मक गतिविधियों का आयोजन, दोपहर 12.30 से 01 बजे तक बाहरी खेल गतिविधियों का आयोजन, दोपहर 1 बजे से 2 बजे तक भोजन बच्चों को उनके गंतव्य (अभिभावकों तक) पहुंचाना, दोपहर 02 से अपरान्ह 3.30 बजे तक थर्ड मील-रोजाना और अपरान्ह 3.30 से सायं 04 बजे तक रिकॉर्ड संधारण करना अनिवार्य है।

गजानन महाराज का प्रगट दिनोत्सव 19 से

बैतूल। समर्थ श्री गजानन सेवा मंडल कालापाठा के तत्वावधान में संत गजानन महाराज प्रगट दिनोत्सव 19 फरवरी से प्रारंभ होगा। केबी पंडाग्रे और ओमप्रकाश शर्मा ने बताया कि कार्यक्रम अंतर्गत 19 फरवरी को 8:30 बजे सुंदरकांड, 20 फरवरी को प्रातः 10 बजे से महाभिषेक, दोपहर 12 बजे से 4 बजे तक भजन कीर्तन, सामूहिक हवन से शाम 5 बजे से महाप्रसाद वितरण, रात्रि 8 बजे आरती के साथ कार्यक्रम का समापन किया जाएगा। सियाराम मालवीय और सुरेश धोटे ने सभी से उपस्थित होने का अनुरोध किया है।

पुलिस ने किया अंधेकत्ल का खुलासा, आरोपी गिरफ्तार

पूर्व पति ने पत्नि की कुल्हाड़ी से हत्या कर शव को लकड़ी की बल्ली में बांध कर नाले में फेंका

बैतूल। पुलिस ने अंधेकत्ल का खुलासा करते हुए आरोपी को गिरफ्तार किया है। जिसके कब्जे हत्या में प्रयुक्त कुल्हाड़ी भी बरामद कर ली है। पुलिस विभाग के जनसंपर्क अधिकारी से मिली जानकारी के अनुसार 14 फरवरी को प्रीतम इवने ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि मेरी पत्नी इसवंती का शव एक लकड़ी की बल्ली से बंधा दिलीप उडक़े के खेत के पास जामुन झीरी नाला ग्राम आमापठार के जंगल में पड़ा हुआ है। जिसके सिर पर गहरी चोट है और खून निकल रहा है। उसकी मृत्यु हो चुकी है। फ़रियादी की रिपोर्ट पर पुलिस ने मामला कायम कर प्रकरण को विवेचना में लिया। पुलिस अधीक्षक के मार्गदर्शन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, एसडीओपी मंयक तिवारी ने डॉग स्क्वाड एवं होशंगाबाद से एफएसएल अधिकारी मौके पर पहुंचे और घटना स्थल का बारीकी से निरीक्षण किया। फरियादी एवं आसपास के लोगो से पूछताछ की। पूछताछ के दौरान यह सामने आया कि मृतिका

इसवंती की 17 वर्ष पूर्व ग्राम आमापाठार के मंगल सिंह धुर्वे से शादी हुई थी। आज से करीब तीन साल पहले मृतिका अपने पति मंगल सिंह धुर्वे को छोडक़र अपने मायके ग्राम आदर्श पिपरिया चली गई। बाद में ग्राम आमापठार निवासी प्रीतम इवने के साथ दो साल से रह रही थी। इसी बात की रंजीश मृतिका के पूर्व पति मंगल सिंह धुर्वे रखे हुए था।

अकेली देखकर किया कुल्हाड़ी मारकर कर दी हत्या- 13 फरवरी शाम करीब 6 बजे जंगल में इसवंती को अकेले देखकर आरोपी ने उसकी कुल्हाड़ी से हत्या कर दी और शव को लकड़ी की बल्ली में बांध कर नाले में फेक दिया। जिसके बाद मंगल सिंह धुर्वे फरार हो गया। पुलिस ने संदेह के आधार पर मंगल सिंह धुर्वे की पतारसी के लिए टीम गठित कर अलग -अलग स्थानो में दबिश दी। संदेही मंगल सिंह धुर्वे 16 फरवरी को ग्राम खामापुर में मिला। संदेही मृतिका के पूर्व पति मंगलसिंह धुर्वे से हिकमत अमली से पूछताछ की गई, जिसने अपना जुर्म स्वीकार किया। आरोपी मंगल सिंह से घटना में प्रयुक्त कुल्हाड़ी जप्त की गई। इस प्रकरण में एसडीओपी मयंक तिवारी, निरीक्षक हरिओम पटेल, चौकी प्रभारी दिलीप यादव, उनि संतोष रघुवंशी, सउनि मुलायमसिंह मौर्य, सुभाष काजले, प्रवल की सराहनीय भूमिका रही।

वल्लभ भवन भोपाल में सरकारी नौकरी लगाने के नाम पर लाखों की ठगी करने वाला आरोपी गिरफ्तार

बैतूल। सरकारी नौकरी लगाने का झांसा देकर लाखों रुपये की ठगी करने वाले आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। 14 फरवरी को फरियादी सुनील यादव पिता सुशील यादव (32) निवासी ग्राम बीजादेही ने रिपोर्ट दर्ज कराई गई कि करीब 2 वर्ष पूर्व राजेश यादव पिता रामगोपाल यादव निवासी ग्राम धामन्या, थाना बीजादेही तथा अमित देशमुख निवासी भोपाल द्वारा मंत्रालय वल्लभ भवन में सहायक ग्रेड-2 तथा सहायक ग्रेड-3 के पद पर नौकरी लगाने के नाम पर आवेदक तथा उनके साथी दिलीप यादव एवं राकेश यादव से कुल 12,45,000 की ठगी की गई। शिकायत पर थाना बीजादेही में आरोपियों के विरुद्ध

धोखाधड़ी से संबंधित धाराओं में प्रकरण पंजीबद्ध किया गया। प्रकरण में आरोपी अमित देशमुख पिता राजेश देशमुख, निवासी दानिश कुंज, कोलार रोड, भोपाल को गिरफ्तार किया गया। आरोपी से घटना में प्रयुक्त वाहन तथा नौकरी लगाने से संबंधित दस्तावेज जब्त किए गए हैं। प्रारंभिक विवेचना में यह तथ्य सामने आया है कि इस धोखाधड़ी में अन्य आरोपी भी शामिल हो सकते हैं। वर्तमान में तीन आवेदकों से ठगी की पुष्टि हुई है, जिनसे लाखों रुपये की ठगी की गई है। जब्त दस्तावेजों के अनुसार अन्य 10-12 लोगों से भी इसी प्रकार की धोखाधड़ी करने के प्रमाण मिले हैं।

कोतवाली पुलिस ने वाहन चोर को किया गिरफ्तार

बैतूल। कोतवाली पुलिस ने वाहन चोरी के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस जनसंपर्क अधिकारी से मिली जानकारी के अनुसार 21 जनवरी को फरियादी हेमंत पिता हरिप्रसाद पाठक (33) निवासी चन्द्रशेखर वार्ड सदर बैतूल ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि 13 जनवरी 2025 को उसने अपनी होंडा एक्टिवा (क्रमांक एमपी 48, एमवी 5058) को अपने घर के सामने खड़ा किया था, जिसे किसी अज्ञात व्यक्ति ने चोरी कर लिया। रिपोर्ट पर पुलिस ने धारा 303(2) बीएनएस के तहत मामला दर्ज कर विवेचना शुरू की गई। पुलिस टीम द्वारा वाहन और आरोपी की तलाश की जा रही थी। 16 फरवरी को पुलिस को एक मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि सदर क्षेत्र से चोरी की गई एक्टिवा को एक व्यक्ति फांसी खदान की दिशा में लेकर घूम रहा है। सूचना पर तुरंत पुलिस टीम रवाना की गई। फांसी खदान से एक व्यक्ति को एक्टिवा वाहन के साथ गिरफ्तार किया गया। आरोपी ने अपना नाम विशाल कुमरे पिता परसराम कुमरे (21) निवासी ग्यारसपुर गंज बैतूल बताया और चोरी की गई एक्टिवा को सदर क्षेत्र से चोरी करना स्वीकार किया। आरोपी को विधिवत गिरफ्तारी के बाद समक्ष गवाहों के सामने पेश किया गया।

छात्र-छात्राओं ने शानदार सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर समा बांधा

गुरु साहब पब्लिक स्कूल में आयोजित हुआ वार्षिकोत्सव

बैतूल। गुरु साहब पब्लिक स्कूल के परिसर में वार्षिक उत्सव के कार्यक्रम में संस्था के छात्र-छात्राओं ने शानदार सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर समा बांध दिया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या मे उपस्थित अतिथियों और छात्र-छात्राओं के पालकों ने बच्चों का खूब उत्साह वर्धन किया। ढलती शाम मे ज्ञान की देवी माँ सरस्वती की पूजा अर्चना के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ इसके बाद छात्र-छात्राओं ने धार्मिक, सामाजिक, राजनीतिक और ऐतिहासिक पृष्ठभूमि पर एक से बढक़र एक नाटक प्रस्तुत किए. इस बीच स्कूल के नन्हे मुन्ने बच्चों द्वारा मंच पर स्वच्छता और मोबाइल के दुष्प्रभाव पर प्रस्तुत नृत्य के माध्यम से अनुकरणीय संदेश दिया। बच्चों ने कई मनोरंजक और आकर्षक नृत्य भी प्रस्तुत किए।

आध्यात्मिक थीम पर प्रस्तुत गणेश वंदना, श्री कृष्णा लीला और सीता हरण के प्रसंगों पर प्रस्तुत नृत्य नाटिका ने जमकर तालियां बटोरी और वातावरण को धार्मिक बना दिया। ऐतिहासिक पृष्ठभूमि पर

आधारित झांसी की रानी, पुलवामा अटैक एवं मराठा साम्राज्य पर आधारित नाटक के द्वारा मातृभूमि की रक्षा के लिए सहर्ष बलिदान करने वाले वीर और वीरांगनाओं को याद किया गया. कार्यक्रम लोक नृत्य से भी अछूता नहीं रहा। कार्यक्रम के दौरान बच्चों ने गुजराती, आदिवासी और छत्तीसगढ़ी लोक नृत्य की मनोरंजक प्रस्तुति देकर उपस्थित जन समुदाय का मन मोह लिया। देवी भक्ति पर आधारित नृत्य नाटिका आई गिरी नंदिनी की प्रस्तुति ने दर्शकों को भाव विभोर कर दिया। कार्यक्रम में मौजूद अतिथियों गणमान्य नागरिकों और छात्र-छात्राओं के पालकों ने संपूर्ण कार्यक्रम की मुक्त कंठ से प्रशंसा की। लगभग 5 वर्ष बाद हुए वार्षिक उत्सव के इस कार्यक्रम को जमकर सराहना मिली। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में वरिष्ठ भाजपा नेता अनिल सिंह कुशवाहा वरिष्ठ कांग्रेसी राजेंद्र जैसवाल के साथ पूर्व नगर परिषद अध्यक्ष संतोष मालवीय एवं सुलोचना मालवीय के अलावा नप अध्यक्ष वर्षा मालवीय, उपाध्यक्ष वर्षा आवलेकर, संस्था के संरक्षक रितेश मालवीय, पार्षद गण बाली मालवीय, पप्पू राठौर, वहीद खान, मोहिनी जैन के अलावा बड़ी संख्या मे गणमान्य नागरिक एवं पालकगण मौजूद रहे।

साहब नगर को मजाक क्यों बना रहे..?

नर्मदापुरम। संभागीय मुख्यालय को मजाक बना दिया है.? गलत कामों को जिसमें शह मिल रही है..? अगर ऐसा नहीं तो फिर भोपाल तिराहा सड़क किनारे की रैलिंग काटकर दुकानों की आवाजाही मार्ग कैसे बन गया..! जो आने वाले दिनों दुर्धटना स्थल साबित होगा। वैसे भोपाल तिराहा पर सौन्दर्य करण के नाम पर लाखों के विकास कार्य होना है लेकिन इसकी क्या गारंटी लाखों लगाकर होने वाले विकास कार्य स्थाई साबित होगें..? फिलहाल तिराहा पर लोगों ने रेलिंग काटकर दुकानों की आवाजाही मार्ग बना लिया जो भीषण दुर्धटना का कारण बनेगा। मंदिर के पास से सड़क किनारे तीन स्थानों पर रेलिंग काटी गई, हाई-वे अथार्टी को इसकी कोई चिंता नहीं..? फिर ऐसा भी नहीं कि इस सड़क से जिम्मेदार आवाजाही नहीं करते..? इसके अलावा मंदिर के पास लगने रात्रीकालीन चाय पान का ठेला जो रात बाहर बजे तक लोगों की जरुरत पूरी कर रहा। आखिर नगर में कोई नियम कानून हैं या नहीं..? ऐसे ही नगरपालिका ने भोपाल तिराहा ओवरब्रिज के अंतिम छोर पर कालेज के सामने लाखों रूपए खर्च कर दीवार बनाई पेंटिंग कर उसे सजाया लेकिन इस जगह निकले बड़े भूखण्ड का उपयोग सड़क पर बैठ धंधा करने वाले दुकान लगाकर कर रहे, तो

क्या इसे यहां हरे भरे पेड़ों को काटकर लाखों खर्च कर इसलिए डबलप किया जा रहा कि इस पर बाजार लगे..?

सामाजिक कार्यकर्ता ने बौद्धिक सत्र में छात्राओं को मौलिक कर्तव्यों के साथ समाज वैज्ञानिक की दी जानकारी...

नर्मदापुरम। शासकीय गृह विज्ञान स्नातकोत्तर अग्रणी महाविद्यालय नर्मदापुरम की राष्ट्रीय सेवा योजना के सात दिवसीय विशेष शिविर प्राचार्य डॉक्टर कामिनी जैन के मार्गदर्शन एवं कार्यक्रम अधिकारी डॉ हर्षा,किरण विश्वकर्मा के सहयोग एवं शिविर दल नायक प्रेरणा पाल एवं मुस्कान सोलंकी सहित वरिष्ठ सेविका पूजा गोस्वामी का नताशा ,मनीषा कहार के सहयोग से संपन्न हुई। बौद्धिक सत्र की विशिष्ठ आतिथ्य सामाजिक कार्यकर्ता सुश्री डॉ सीमा कैथवास द्वारा छात्राओं को मार्गदर्शन देते हुए कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना में छात्रा समुदाय से जोड़कर अपना योगदान देकर व्यक्तित्व विकास कर सकती हैं। उन्होंने बताया कि ग्रामीण क्षेत्र में इस शिविर का एक अलग महत्व है तथा प्रमुख रूप से महिलाओं के अधिकार मानवाधिकार का ही हिस्सा है। इसका प्रमुख मक़सद महिलाओं को सुरक्षा शिक्षा व समान अवसर देना होगा। भारतीय दंड संहिता की कई धाराओं को विस्तृत रूप से बताया तथा संविधान में प्रदत्त नागरिकों के मौलिक कर्तव्य सहित अधिकार पर प्रकाश डालते हुए छात्राओं से विचारों को साझा किया। सुश्री कैथवास ने सामाजिक अनुसंधान के माध्यम से ही हम ग्रामीण क्षेत्र में सुधार कर एक नया परिवर्तन लाने का प्रयास करने के साथ समाज वैज्ञानिक पर प्रकाश डाला । इस अवसर पर वरिष्ठ पत्रकार राजीव अग्रवाल द्वारा छात्राओं को मार्गदर्शन देते हुए कहा कि सामुदायिक विकास और नागरिक ज़िम्मेदारी को बढ़ावा देने का एक महत्वपूर्ण कार्यक्रम राष्ट्रीय है। सेवा योजना शिविर में छात्र समूह में रहने और जवाबदारी साझा करने की क्षमता विकसित होती हैं।

स्वच्छता सर्वेक्षण अभियान में धार को सिरमौर बनाने के लिए नपा अमले के साथ जनप्रतिनिधि भी उतरे मैदान में

राजेश शर्मा, सुबह सवेरे, धार। स्वच्छता सर्वेक्षण अभियान -2024 में धार को सिरमौर बनाने के लिए नपा अमले के साथ जनप्रतिनिधि भी उतर गये है मैदान में । जनप्रतिनिधियों और नपा के अधिकारियों के मार्गदर्शन में सफाई दरोगा की टीम स्वच्छता प्रहरियों (सफाई मित्रों) की अथक मेहनत से शहर की सुरत और सीरत संवारने का कार्य युद्ध स्तर पर चल रहा है। ऐतिहासिक धारा नगरी के वैभव को संवारने सब कर रहे है जतन.. बच्चों से लेकर बुजुर्गो तक ने ठाना है धार को स्वच्छता अभियान में नंबर 1 बनाना है। धार शहर में स्वच्छता पखवाड़ा चल रहा है जिसमें अधिकारियों की टीम आकर शहर में स्वच्छता के कार्यो का गोपनीय सर्वे कर मैदानी हकीकत का हर पल जायजा ले रही है। धार नगर पालिका के मुख्य नगर पालिका अधिकारी विकास डावर के निर्देश पर पुरे शहर में दिन - रात लगातार सफाई कराई जा रही है।

इसी कड़ी में महाशिवरात्रि को देखते हुए धारेश्वर मंदिर के आस पास वार्ड क्र.18 में जो धार का सबसे

बड़ा नाला बहता है उस पर आज कांग्रेस पार्षद प्रतिनिधि अजय ठाकुर ने स्वच्छता अभियान प्रभारी अभिषेक पंड्या की उपस्थिति में वार्ड के ही सफाई मित्रो द्वारा बड़े नाले पर सफाई अभियान कुलदीप खोड़े के मार्गदर्शन में प्रारंभ किया गया। दरोगा रवि खोड़े की टीम सफाई मित्र शाहरुख,मोहसिन,लल्ला,वहेदू,इस्लामुद्दीन,मोइन के द्वारा प्रतिदिन सुबह 7 बजे से 9 बजे तक नाले की सफाई करते हुए उसके बाद 11 बजे तक अपने -अपने वार्डो में सफाई का कार्य कर रहे है। मकसद शहर में साफ़ - सफाई भी बेहतर हो सके तथा क्षेत्र भी साफ रह सके । दलगत भावना से परे क्षेत्रीय पार्षद श्रीमती सारिका अजय सिंह ठाकुर द्वारा जागरूक जनप्रतिनिधि की भांति सफाई कार्य करवाया जा रहा है।

सफाई अभियान से जनता को परेशानी न हो उसका भी ध्यान रखते हुए स्वच्छता अभियान प्रभारी अभिषेक पंड्या एवं प्रभारी खोड़े के द्वारा विशेष सफाई मित्रो की टीम बनाई गई है उससे उसी दिन दोपहर में भरवाया जाएगा । दरोगा रवि खोड़े ने बताया की महाशिवरात्रि और स्वच्छता पखवाड़े को देखते हुए यह सफाई अभियान नगर पालिका के सीएमओ और अधिकारियों तथा क्षेत्रीय जनप्रतिनिधि के मार्गदर्शन में करते हुए पूरे क्षेत्र में सफाई होने तक किया जाएगा।

नरेंद्र मोदीजी का संकल्प 2047 में देश को विकसित भारत बनाने का है : कविता पाटीदार

केंद्रीय बजट पर भाजपा ने प्रबुद्धजन सम्मलेन आयोजित कर व्यापारियों से परिचर्चा की गई

धार। केंद्रीय बजट को लेकर भाजपा जिला संगठन द्वारा प्रबुद्धजन सम्मलेन आयोजित कर व्यापारियों से परिचर्चा की गई जिसमें मुख्य वक्ता भाजपा प्रदेश महामंत्री एवं राज्यसभा सांसद कविता पाटीदार,विशेष अतिथि केंद्रीय राज्यमंत्री एवं क्षेत्रीय सांसद सावित्री ठाकुर,भाजपा जिला अध्यक्ष महंत निलेश भारती ने संबोधित किया।

इस दौरान भाजपा प्रदेश मंत्री जयदीप पटेल, ग्रामीण जिला अध्यक्ष चंचल पाटीदार, धरमपुरी विधायक कालु सिंह ठाकुर डॉ शरद विजयवर्गीय जिला महामंत्री प्रकाश धाकड़ उपाध्यक्ष विश्वास पांडे जीवन रघुवंशी मंचासीन रहे।

सर्व प्रथम अतिथियों ने भारतमाता के चित्र पर माल्यार्पण व दीप प्रज्वलित कर आरंभ किया गया। अतिथियों का स्वागत भाजपा मंडल अध्यक्ष विशाल निगम जयराज देवड़ा मुन्नालाल राठौर और व्यापारी प्रकोष्ठ से सुभम राठौर ने किया।

स्वागत भाषण देते हुए निलेश भारती ने कहा कि मोदी जी के नेतृत्व ने निश्चित ही 2047 में विकसित भारत बनेगा यह बजट को देख कर सुनिश्चित हो रहा है। बजट के माध्यम

से वित्तमंत्री निर्मला सीतारमन ने हर वर्ग का ध्यान रखा है।

राज्यसभा सांसद कविता पाटीदार ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का संकल्प 2047 में देश को विकसित भारत बनाने का है। आज विश्व में इंग्लैंड को पछाड़ कर पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था भारत बना है। हम लोग पड़ोसी का झगड़ा नहीं सुलझा सकते पर हमारे देश के नेतृत्वकर्ता मोदी जी ने दो देशों के बीच में युद्ध विराम कर देश के बेटे बेटियों को सुरक्षित घर लाने का काम किया है । आज आत्मनिर्भर भारत को बनने के अभियान में मोदी जी दिन रात लगे हैं। आज स्वास्थ्य के क्षेत्र में भी मोदी जी ने 75 हजार मेडिकल की सीटे बढ़ाने का काम किया है। हमारे प्रदेश में भी 2 हजार सीटे बढ़ने वाली है। आज देश में फोरलेन सड़कों का जाल बिछा दिया गया है। रेलवे ने भी पिछले सारे रिकॉर्ड तोड़ कर काम किया है इस बजट में प्रदेश को रेल में 23 गुना अधिक बजट दिया है। महिला सशक्तिकरण में भी मोदी सरकार अग्रणी है आज मातृशक्ति हर क्षेत्र में आगे आ रही है। वित्तमंत्री निर्मला सीतारमन ने बजट में मध्यमवर्ग के लिए वार्षिक 12 लाख तक की आय को कर मुक्त कर दिया है। यह बजट आम लोगों का बजट है।

केंद्रीय राज्यमंत्री सावित्री ठाकुर ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में हमारी वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण ने समावेशी बजट पेश किया है । निश्चित ही 2047 में हमारा देश विकसित भारत बनने की और अग्रसर है। प्रबुद्धजन सम्मलेन का संचालन व्यापारी प्रकोष्ठ नगर संयोजक पुनीत गंगवाल व अतिथि परिचय मुकेश कावड़िया ने दिया।

अवैध कोयला खदान धंसी, पति-पत्नी की दबकर मौत

शहडोल में जेसीबी से निकाले जा सके शव; खनन माफिया के खिलाफ ग्रामीणों का हंगामा

शहडोल (नप्र)। शहडोल के बुढ़ार थाना इलाके में अवैध कोयला खदान धंस गई। इसमें दबकर पति-पत्नी की मौत हो गई। उनकी पहचान ओमकार यादव उर्फ भौतु (40) और उसकी पत्नी पार्वती यादव (36) के रूप में हुई है। हादसा रविवार शाम करीब 7 बजे धनगवां गांव में हुआ। खनन माफिया ने इसे छिपाने का प्रयास किया। जब ग्रामीणों ने हंगामा किया, तब मामला सामने आया।

जानकारी मिलते ही कलेक्टर डॉ. केदार सिंह और एसपी रामजी श्रीवास्तव मौके पर पहुंचे। देर रात जेसीबी की मदद से दोनों शवों को बाहर निकाला जा सका।

पांच बेटियां हैं, बेटे की सर्पदंश से मौत हो गई थी: ओमकार और पार्वती धनगवां के अहिरान मोहल्ला के रहने वाले थे। उनकी पांच बेटियां- ममता यादव (18),

रजनी यादव (15), शशि यादव (11), उर्मिला यादव (9) और शिवानी यादव (2) हैं। करीब 6 महीने पहले बेटे रवींद्र यादव की सात साल की उम्र में सांप के काटने से मौत हो गई थी।दंपती का अंतिम संस्कार एक ही चिता पर किया गया। मुखाग्नि बड़ी बेटी ममता ने दी।

खदान में 5 मजदूर काम कर रहे थे- बुढ़ार थाना प्रभारी संजय जायसवाल ने बताया- मामला धनगवां के चुनहा गढ़ई क्षेत्र में कोयले की अवैध खदान का है। हादसे के वक्त यहां पांच मजदूर काम कर रहे थे। इनमें से बुदु मिश्रा, रीटू बैगा और कृष्णा यादव को पुलिस ने अभिरक्षा में लिया है।

इससे पहले ग्रामीणों ने खदान में कई मजदूरों के दबे होने की आशंका जताई थी। इस पर अधिकारियों ने जेसीबी से खुदाई कराई। हालांकि, दंपती के अलावा कोई और शव नहीं मिला।

ग्रामीण बोले- लंबे समय से चल रहा अवैध खनन

ग्रामीणों ने कलेक्टर और एसपी को बताया कि गांव में पिछले कई महीनों से कोयले की अवैध खदानें चल रही हैं। हर दिन कई मजदूर सुरंग के अंदर घुसकर कोयला निकालने का काम करते हैं। इसकी शिकायत कई बार स्थानीय अधिकारियों को दी गई, लेकिन किसी ने कोई कार्रवाई नहीं की। ग्रामीणों के अनुसार, जिस खदान में हादसा हुआ, वह सोन नदी से लगी है। यह एक किलोमीटर में फैली है। यहां हर दिन 70 से ज्यादा लोग कोयले का अवैध खनन करते हैं। फिर समूह बनाकर 3000 रुपए प्रति ट्रैक्टर-ट्रॉली के रेट से कोयला बेचते हैं। एक समूह 5 मजदूरों का होता है। कोयला बेचकर मिले पैसे आपस में बांट लेते हैं।

उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने मेडिकल कॉलेज रीवा में निर्माणाधीन कैंसर यूनिट का किया निरीक्षण

भोपाल (नप्र)। उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने मेडिकल कालेज परिसर रीवा में निर्माणाधीन कैंसर यूनिट का निरीक्षण किया।

उन्होंने निर्माण एजेंसी के अधिकारियों को निर्देशित किया कि त्वरित गति से पूर्व गुणवत्ता के साथ कार्य को संपादित करायें। इस दौरान डीन मेडिकल कालेज डॉ. सुनील अग्रवाल सहित चिकित्सक व निर्माण एजेंसी के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

केरल के हिंदी साहित्यकारों का दल भोपाल पहुंचा

भोपाल। रवींद्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय, भोपाल के अंतरराष्ट्रीय हिंदी केंद्र के आमंत्रण पर केरल के हिंदी साहित्यकारों का 20 सदस्यीय दल आज भोपाल पहुंचा। इस दल में केरल के प्रसिद्ध हिंदी-मलयाली साहित्यकार डॉ. आरसू, मलयालम-हिंदी के वरिष्ठ अनुवादक एवं लेखक डॉ. के. सी. अजयकुमार सहित अन्य लेखक और अनुवादक भी शामिल हैं। ये साहित्यकार 19 से 21 फरवरी तक विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित 'वनमाली कथा समय' और 'विष्णु खरे कविता सम्मान समारोह' में भाग लेंगे। इस अवसर पर 'कथा यात्रा' (मलयालम) और मध्यप्रदेश के कथाकारों की रचनाओं का मलयाली अनुवाद 'मध्यप्रदेश कथकल' का भी लोकार्पण किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि हाल ही में विश्वविद्यालय ने तृशूर (केरल) में दक्षिण भारत हिंदी साहित्य सम्मेलन का आयोजन किया था, जो अत्यंत सफल रहा।

एम्स में बाल हृदय प्रत्यारोपण पर विशेषज्ञ व्याख्यान आयोजित

भोपाल। एम्स भोपाल के कार्यपालक निदेशक प्रो. (डॉ.) अजय सिंह के मार्गदर्शन में, सफल वयस्क हृदय प्रत्यारोपण के बाद, बाल हृदय प्रत्यारोपण के लिए आवश्यक कौशल और अद्यतन जानकारी हासिल करने के उद्देश्य से एक विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस व्याख्यान में नीदरलैंड के पीडियाट्रिक कार्डिएक सर्जरी विभागाध्यक्ष प्रो. पी.सी. (पीटर) प्रो. वैन डे वूस्टिज़ीन ने बाल हृदय प्रत्यारोपण, रॉस प्रक्रिया और न्यूनतम इनवेसिव कार्डिएक सर्जरी पर अपने विचार प्रस्तुत किए। इस कार्यक्रम में संकाय सदस्यों, रेजिडेंट्स और छात्रों ने भाग लिया और पीडियाट्रिक कार्डिएक सर्जरी एवं हृदय प्रत्यारोपण में नवीनतम प्रगति पर महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त की। अपने व्याख्यान के दौरान, प्रो. वैन डे वोस्टिने ने रॉस प्रक्रिया पर प्रकाश डाला, जो युवाओं में महाधमनी वाल्व रोग के उपचार के लिए एक उन्नत शल्य प्रक्रिया है।

प्रो. वैन डे वूस्टिज़ीन ने उन्नत शल्य तकनीकों पर चर्चा करने के साथ-साथ छात्र विनिमय कार्यक्रमों पर भी बात की, जिससे अंतरराष्ट्रीय सहयोग और चिकित्सा पेशेवरों के बीच ज्ञान-साझाकरण को बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने एम्स भोपाल के कार्डिएक सर्जरी विभाग के साथ बातचीत की और सर्जिकल नवाचारों व हृदय प्रत्यारोपण के क्षेत्र में एम्स भोपाल के निरंतर योगदान पर विचार साझा किए। प्रो. वैन डे वूस्टिज़ीन द्वारा साझा की गई जानकारी से एम्स भोपाल की पीडियाट्रिक कार्डिएक सर्जरी और बाल हृदय प्रत्यारोपण में क्षमताएं अधिक मजबूत होंगी। इस विशेष सत्र में डॉ. योगेश निवारिया (कार्डियोथोरेसिक विभाग के प्रमुख), डॉ. एम किशन, डॉ. सुरेंद्र यादव, डॉ. राहुल शर्मा, डॉ. विक्रम वट्टी, डॉ. आदित्य सिरोही आदि उपस्थित थे।

सोशल मीडिया पर राइट टू रिजेक्ट की मांग उठी...

पर बिल्ली के गले में घंटी बंधेगा कौन..?

नर्मदापुरम। विधानसभा क्षेत्र के लिए चुने गए जनप्रतिनिधि आम मतदाताओं से किए गए वायदों पर खरा नहीं उतर पा रहे न क्षेत्र में प्राथमिकता के अनुसार विकास कार्य करा रहे। आज पूरी विधानसभा में जुआं, सट्टा, शराब, आईपीएल सट्टेबाजी और हो रहे अतिक्रमण के मसलों ने मानों पिछले कई सालों का रिकॉर्ड ध्वस्त कर दिया। विधायक स्वीकार कर चुके उन्होंने कप्तान सहित आबकारी अधिकारी को क्षेत्र में अवैध शराब बिक्री और आईपीएल सट्टेबाजी करोबार को रोकने के लिए पत्र लिख चुके पर अधिकारी ध्यान नहीं दे रहे। क्षेत्र में अपराधिक गतिविधियों की जड़ें और अधिक मजबूत हो उससे पहले नहीं सुनने वाले जनप्रतिनिधि के विरुद्ध माननीय विधानसभा अध्यक्ष से क्यों नहीं राइट टू रिजेक्ट की मांग की जाए..? विद्यासागर बहल, अशोक जैन ने सोशल मीडिया पर राइट टू रिजेक्ट की मांग रखी क्षेत्र में यह चर्चा का विषय तो बन गया। अब देखना है कि इनका तीर निशाने पर लगता है या नहीं ... राइट टू रिजेक्ट की मांग सोशल मीडिया पर पसंद की जा रही। विद्यासागर बहल ने सोशल मीडिया वाल पर खुद लिखा कि हर शाख पर उल्लू बैठा है भाई साहब कभी इस डाल पर तो कभी उस डाल पर बैठ लोगो को अपना स्वार्थ पूरा करने के लिए बेवकूफ बनाया जाता हैं समय समय पर फिर राम भरोसे छोड़ दिया जाता हैं। अपनी रोटी तो सिक ही जाती हैं और सिक ही रही हैं लेकिन गरीब आम जनता (मतदाता) की इनको कोई फिक्र नहीं बस वोट देते रहो और हमारी मौज करते रहो। उन्होंने आगे लिखा कि जनता की गलती का खामियाजा जनता को ही भुगतना होता हैं। राइट टू रिजेक्ट क्यों नहीं किया जाता..? राइट टू रिकॉल की डिमांड भी अब सामूहिक रूप से आंदोलन करके उठाना चाहिए वरना शोषण मतदाता का होता रहेगा। इस बात का समर्थन करते हुए अशोक जैन ने इस मसौदे का समर्थन किया है। जिसे तरुण सैनी, संदीप यादव, हेमंत खंडेलवाल, अरविंद शर्मा, कमलेश चौधरी, उमेश पाण्डेय, ज्ञानेन्द्र उपाध्याय, नितिन बंटी, कृष्णा चौहान, कृष्ण कुमार मिश्रा, राजकुमार केलू उपाध्याय, आशू महोबिया, एम एम यादव, प्रभाकर सेनापत जैसे अनेकों क्षेत्र में विकास कार्य की हो रही उपेक्षा लेकर सोशल मीडिया पर मुखर हैं पर समस्या यहां यह भी दिखाई देती कि बिल्ली के गले में घंटी बांधे कौन..? वैसे भी यहां कांग्रेस का अस्तित्व नही है और 57 वोट लेकर भी निर्दलीय उम्मीदवार भगवती चौरे के पास मतदाओं के लिए अब समय नहीं..!

प्रदेश में शुरु हुई गिद्धों की गिनती

पिछली बार 10 हजार दिखे थे, पन्ना में सबसे ज्यादा; भोपाल में हैं सफेद पीठ वाले गिद्ध

भोपाल (नप्र)। टाइगर, चीता और तेंदुआ स्टेट वाले मध्यप्रदेश में सोमवार से गिद्धों की गिनती शुरू हो गई। यह 3 दिन तक चलेगी। प्रदेश में गिद्धों का कुनबा लगातार बढ़ा है। इसके चलते ही पिछली 2 गणना में गिद्धों की संख्या प्रदेश में सबसे ज्यादा है। वन विभाग के अनुसार, गिद्धों की संख्या एमपी में 10 हजार पार है। पन्ना टाइगर रिजर्व में सबसे ज्यादा गिद्ध हैं, जबकि भोपाल में सफेद पीठ वाले गिद्ध पाए जाते हैं।

अबकी बार गिद्धों की गिनती साल में दो बार होगी। शीतकालीन गिद्ध गणना 17, 18 और 19 फरवरी को हो रही है, जबकि ग्रीष्मकालीन गिद्ध गणना 29 अप्रैल को की जाएगी। अगले 3 दिन तक गिद्धों की गिनती सुबह 7 से 8 बजे तक होगी। ऐसे स्थान, जहां पर ऊंची क्लिप्स (चट्टान) है, उन स्थानों पर अधिकतम 9 बजे तक गिनती होगी। केवल बैठे हुए गिद्धों की ही गिनती की जाएगी।

वन अमले को ट्रेनिंग दी जा चुकी- प्रदेश में गिद्धों की संख्या और उनकी स्थिति का आंकलन करने के लिए गिद्ध गणना 2024-25 हो रही है। यह दो चरण में होगी। इस सर्वेक्षण के लिए वन विभाग के सभी सर्कल और डिविजन स्तर पर मास्टर ट्रेनर और प्रशिक्षकों ने 27, 29 और 31 जनवरी को ट्रेनिंग दी थी। गिनती में 900 से अधिक अधिकारी, कर्मचारी, गिद्ध विशेषज्ञ और पक्षी प्रेमी हिस्सा ले रहे हैं।

गिद्धों के बारे में जानिए- भोपाल के वन विहार नेशनल पार्क में व्हाइट रम वल्चर यानी, सफेद पीठ वाले गिद्ध भी हैं। वन विहार में अभी 100 से ज्यादा गिद्ध हैं। गिद्धों का सबसे बड़ा कुनबा पन्ना नेशनल पार्क में है। यहां 900 से अधिक गिद्ध हैं।

वन विहार में हरियाणा से लाए गए थे गिद्ध

भोपाल के वन विहार नेशनल पार्क में करीब दो साल पहले हरियाणा से सफेद पीठ वाले 20 गिद्ध लाए गए थे। 1100 किलोमीटर की यात्रा करके यह भोपाल पहुंचे थे। वर्तमान में यह गिद्ध संरक्षण एवं संवर्धन केंद्र की एवरी में है। 20 व्हाइट रम वल्चर (सफेद पीठ वाले गिद्ध) में 5 नर और 5 मादा, 10 सब एडल्ट गिद्ध थे।

अंडे से जीवित निकलने का सक्सेस रेट 50 प्रतिशत

गिद्ध साल में एक ही बार अंडे देते हैं। साइज में यह मुर्गी के अंडे से तीन गुना बड़े होते हैं। मई-जून से अक्टूबर के दौरान मैटिंग सीजन और अंडे देने का समय होता है। अंडे से बच्चे जीवित निकलने का सक्सेस रेट 50 प्रतिशत माना जाता है। यही वजह है कि आधे अंडे विकसित नहीं होते हैं। अंडे से 55 दिन में बच्चा निकलता है। चार महीने बच्चा घोंसले में रहता है। फिर वह उड़ने के लिए तैयार हो जाता है।

इसलिए कम हो गई थी गिद्धों की संख्या

एक आंकड़े के अनुसार, वर्ष 1990 से 92 में भारत में 4 करोड़ गिद्ध थे। साल दर साल ये संख्या कम होती गई। पशुओं को दर्द, सूजन आदि के दौरान डायक्लोफेनाक दवा दी जाती है। इनके खाने के बाद मरने वाले पशु या जानवर का मांस गिद्ध खाते हैं। दवा के प्रभाव से गिद्धों की ज्यादा मौत हो जाती है। यह दवा प्रतिबंधित की गई है।

श्री कराह धाम आश्रम की हजारों गौ-माताओं से समूचे ब्रहमांड की होती है अनुभूति : मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री ने मुरैना के श्री कराह धाम आश्रम पहुँचकर गुरू गादी को किया नमन

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सोमवार को मुरैना के श्री कराह धाम आश्रम पहुँचकर अनन्त श्री गुरुदेव पटिया वाले बाबा के दर्शन के साथ पूजा-अर्चना कर प्रदेशवासियों की सुख समृद्धि की कामना की। उन्होंने श्री कारह धाम आश्रम की गौशाला में गौ-माता का पूजन भी किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि गौ-माता में 33 कोटि देवी-देवताओं का वास माना गया है। आश्रम की गौ-शाला में 7500 से अधिक गौ-माताएं है। आश्रम में आकर अनुभूति हो रही है कि यहां पूरा ब्रहमांड समाया हुआ है। विधानसभा अध्यक्ष श्री नरेन्द्र सिंह तोमर, किसान कल्याण एवं कृषि विकास मंत्री श्री एदल सिंह कंषाना, खजुराहो सांसद श्री वी.डी. शर्मा, मुरैना-श्योपुर के सांसद श्री शिवमंगल सिंह तोमर, सबलगढ़ विधायक श्रीमती सरला रावत, पूर्व विधायक श्री रघुराज सिंह कंषाना सहित अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कराह धाम आश्रम में चल रहे श्री सियपिय मिलन समारोह में शामिल होकर संत शिरोमणि श्री हरिगिरी महाराज जी एवं श्री दीनबंधु दास महाराज को सम्मान-पत्र और पुष्पमाला पहनाकर सम्मान किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जो लोग गौ-पालन करेंगे, उन गौवंशों का दूध शासन द्वारा खरीदा जाएगा। उन्होंने कहा कि गौमाता के बिना घर सूना होता है, हर घर में गौ पालन को बढावा देना चाहिए। जो भी व्यक्ति 10 से ज्यादा जो गौ पालन करेगा, उसे सरकार द्वारा अनुदान दिया जाएगा और गौवंशों से प्राप्त दुग्ध को सरकार खरीद कर गौपालकों को अतिरिक्त अनुदान देगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि इस वर्ष गेंहू उपज को 2600 रूपये क्विंटल खरीदने की घोषणा की जा रही है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि परमात्मा को जिस रूप में देखो उस रूप में दिखाई देते है, वे हमारी परीक्षा भी लेते है, प्रभु लीला सामान्य मनुष्य की समझ के परे है। पटिया वाले बाबा ने अपने तप, साधना, वैराग्यवृत्ति से जो आनंद बरसाया है, उसी का परिणाम श्रद्धालुओं में देखने को मिल रहा है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश सरकार किसानों की आय बढ़ाने के लिये सिंचाई के क्षेत्र को निरंतर बढ़ा रही है। वर्तमान में 48 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई की जा रही है। इसे बढ़ाकर 1 लाख हेक्टेयर करने का लक्ष्य तय किया गया है। देश की प्रथम दो नदी जोड़ो परियोजनाओं में शामिल पीकेसी (पार्वती, कालीसिंध, चंबल) परियोजना से मुरैना, श्योपुर, शिवपुरी और आगे जाकर मालवा, गुना जिलों में सिंचाई के लिये भरपूर पानी उपलब्ध होगा। उन्होंने कहा कि इस महीने के आखिरी तक महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री आ रहे हैं। उमसे चर्चा कर ताप्ती नदी को जोडकर वहां के किसानों को पानी उपलब्ध करवा कर उनकी जिंदगी बदलने का अभूतपूर्व कार्य होने वाला है। इन सभी परियोजनाओं के मंजूर होने से समूचे प्रदेश में सिंचाई के लिये भरपूर पानी उपलब्ध होगा। सरकार का प्रयास है कि कृषि के साथ अन्य संबद्ध विभागों के समन्वय से किसानों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाया जायें।

नवनियुक्त जिला अध्यक्ष मेवाड़ा का स्वागत-सम्मान

सीहोर (नप्र)। शहर के विकास के लिए सभी का सहयोग ज़रूरी है, शहरों के विकास के लिए हमारी भाजपा के द्वारा स्थानीय, क्षेत्रीय, प्रदेश और राष्टीय स्तर पर कई तरह के प्रयास किए जा रहे हैं। इन प्रयासों में नागरिकों की भागीदारी भी अहम है। हम भी नगर पालिका के अध्यक्ष रहे है, उस दौरान परिषद के साथ-साथ शहरवासियों के सहयोग से शहर को सुंदर और स्वच्छ रखा गया है।

झउक्त विचार सोमवार को नगर पालिका परिषद के सभाकक्ष में नव नियुक्त भाजपा जिलाध्यक्ष नरेश मेवाड़ा ने अपने स्वागत-सम्मान समारोह के दौरान व्यक्त किए। इस मौके पर उन्होंने कहा कि वर्तमान नगर पालिका अध्यक्ष प्रिंस राठौर के द्वारा बिना भेद-भाव के संकल्प के साथ जो महानगर की तर्ज पर विकास किए जा रहे है। वो हमारी पार्टी का मूल मंत्र है। सबका साथ, सबका विकास। सोमवार की दोपहर में नगर पालिका के मुख्य गेट पर नव नियुक्त भाजपा के जिलाध्यक्ष श्री मेवाड़ा का जोरदार अतिशबाजी के साथ सभी पार्षदों और क्षेत्रवासियों ने स्वागत और सम्मान किया। इस मौके पर सम्मान समारोह के दौरान भाजपा के वरिष्ठ नेता सन्नी महाजन, भाजपा नगर मंडल अध्यक्ष सुदीप प्रजापति सहित अन्य पार्षद और क्षेत्रवासी मौजूद थे।

क्षपात पूर्ण कार्रवाई..

शासकीय रोड पर वाहनों की अवैध पार्किंग के कारण भवन स्वामी को नोटिस जारी किया...

नर्मदापुरम। सर्किट हाउस चौराहे के समीप अंकित अग्रवाल के भवन में स्थित वेल्यू वैरायटी (V2) शोरूम के सामनें वाहनों की अवैध पार्किंग के कारण जाम की स्थिति उत्पन्न हो रही थी। शोरूम में आने वाले ग्राहक सड़क पर और आसपास के आवासों के सामने अपने वाहन पार्क कर रहे हैं, जिससे स्थानीय निवासियों द्वारा विरोध जाहिर किया गया तथा शिकायतें प्राप्त हो रही थी। स्थानीय निवासियों द्वारा बताया गया कि वाहनों के आवगमन एवं शोरगुल के परिणाम स्वरूप बच्चों की पढ़ाई भी प्राभावित हो रही है तथा दैनिक दिनचर्या के कार्यों में भी व्यवधान उत्पन्न हो रहा है। नगरपालिका द्वारा उक्त शिकायत का मौका मुआयना किया और स्थल पर पहुंच कर देखा कि वास्तविकता में वाहनों के शोरगुल से रहवासी परेशान हैं।

इस स्थिति को ध्यान में रखते हुए मुख्य नगरपालिका अधिकारी नर्मदापुरम श्रीमती हेमेश्वरी पटले ने भवन स्वामी अंकित अग्रवाल को नोटिस जारी किया है। नोटिस में कहा गया है कि शोरूम के लिए उचित पार्किंग व्यवस्था सुनिश्चित की जाए और इसके साथ ही भवन निर्माण से संबंधित सभी दस्तावेज नगरपालिका कार्यालय में 2 दिवस के भीतर प्रस्तुत किए जाएं। नगर पालिका द्वारा भू स्वामी को पत्र के माध्यम से निर्देशित किया गया है कि अगर निर्धारित समय सीमा में दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किए गए या पार्किंग व्यवस्था नहीं की जाती, तो आपके विरुद्ध म.प्र. नगर पालिका अधिनियम 1961 की धारा 184 और 187 के तहत कार्रवाई की जाएगी। नगरपालिका अधिकारी की जनहित में यह कार्रवाई स्वागत योग्य है लेकिन सवाल यह भी है कि मुख्य नगरपालिका अधिकारी को अपने कार्यालय आते-जाते समय ऐसा ही कुछ स्टेशन रोड़ पर रिलायंस मेगामार्ट की पार्किंग समस्या और रेलवे स्टेशन मार्ग की तकलीफ़ दिखाई क्यों नहीं देती...?

स्थानीय निकाय अपने अधिकारों और शक्तियों से करें जन-कल्याण के कार्य : सीएम

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मध्यप्रदेश में स्थानीय निकायों को अधिकार संपन्न बनाया गया है। नगरीय निकाय और अन्य स्थानीय निकाय अपने अधिकारों और शक्तियों का उपयोग करते हुए जन-कल्याण के कार्य बेहतर रूप से कर रहे है। हाल ही मुख्यमंत्री जन-कल्याण अभियान की सफलता इस बात का बेहतर उदाहरण है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि नगरीय निकाय राज्य सरकार की भावना को और अधिक मजबूती प्रदान करें। नगरीय निकाय आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बने यह सब मिलकर प्रयास करें, आय के स्त्रोत बढ़ाएं। नगरीय निकाय आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर होंगे तो विकास को और नई गति दी जा सकेगी। उन्होंने कहा कि नगरीय निकाय विकास प्राधिकरणों की तर्ज पर आवासीय योजनाएं भी बनाकर क्रियान्वित कर सकती हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव सोमवार को ग्वालियर से इंदौर में आयोजित ऑल इंडिया काउंसिल ऑफ मेयर्स मध्यप्रदेश इकाई की बैठक को वर्चुअल संबोधित कर रहे थे। ग्वालियर मे उन्होंने कहा कि प्रदेश के नगर निगमों ने विकास कार्यों के क्षेत्र में देश में अपनी विशिष्ट पहचान

कायम की है। प्रदेश के शहरी क्षेत्र में तेज गति से समग्र विकास के कार्य किये जा रहे हैं। इंदौर नगर निगम ने स्वच्छता के क्षेत्र में अपनी विशेष पहचान बनाई है। इंदौर विगत 7 वर्षों से स्वच्छता के क्षेत्र में देश में लगातार अव्वल है। इस बार भी इंदौर स्वच्छता के क्षेत्र में अव्वल रहने के लिए तेजी से आगे बढ़ रहा है। इंदौर ने प्रदेश का गौरव बढ़ाया है।

नगरीय आवास एवं विकास मंत्री श्री कैलाश विजयवर्गीय ने कहा कि संविधान के 73 एवं 74वें संशोधन के बाद सबसे ज्यादा अधिकार मध्यप्रदेश के स्थानीय निकायों को दिए गए हैं। हमारा प्रयास है कि स्थानीय शासन व्यवस्था और अधिक विकेंद्रीकृत हो। उनको ज्यादा से ज्यादा अधिकार मिले। उन्होंने कहा कि स्थानीय निकाय आत्मनिर्भर बनने के प्रयास करें। करारोपण की व्यवस्था को सुदृढ़ बनाएं, आय के नए साधन भी खोजें।

इंदौर महापौर श्री पुष्यमित्र भार्गव ने कहा कि इंदौर में मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नेतृत्व में विकास के नए आयाम स्थापित किये जा रहे हैं। इंदौर तेज गति से विकास के क्षेत्र में आगे बढ़ रहा है। विधानसभा अध्यक्ष श्री नरेंद्र सिंह तोमर एवं सांसद श्री वी. डी. शर्मा भी वर्चुअली शामिल हुए।

नगरीय आवास एवं विकास राज्यमंत्री श्रीमती प्रतिमा बागरी, ऑल इंडिया कौंसिल ऑफ़ मेयर्स की राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती माधुरी पटेल, इंदौर सांसद श्री शंकर लालवानी और राज्यसभा सदस्य सुश्री कविता पाटीदार, पूर्व मंत्री श्री उमाशंकर गुप्ता, स्थानीय विधायक श्री रमेश मेंदोला, पूर्व विधायक श्री जीतू जिराती, श्री सुमित मिश्रा तथा श्री श्रवण चावड़ा सहित जनप्रतिनिधि विशेष रूप से उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री ने मुरैना में घड़ियाल अभयारण्य का किया अवलोकन, 10 घड़ियालों को भी चंबल में छोड़ा

मुरैना में किया अटल प्रतिमा का अनावरण, बोले– विपक्ष में बैठकर सत्ता पक्ष का सम्मान करते थे अटलजी

मुरैना (नप्र)। प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव सोमवार को मुरैना पहुंचे। वह दोपहर करीब 12:45 बजे पांचवी बटालियन स्थित हेलीपैड पर आए, यहां कृषि मंत्री एदल सिंह का कंसाना, मुरैना जिले के प्रभारी मंत्री करण सिंह वर्मा सहित स्थानीय नेताओं ने उनका स्वागत किया। इसके बाद उन्होंने पूर्व पीएम अटल बिहारी वाजपेयी की प्रतिमा का अनावरण किया। उनके साथ विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर भी मौजूद थे।

चंबल क्षेत्र में पर्यटन और पर्यावरण संरक्षण को लेकर दिए दिशा निर्देश– इस दौरान उन्होंने आम सभा को संबोधित किया। सभा के बाद सीएम हेलीपैड की ओर रवाना हुए। यहां से वह सीधा राजघाट पहुंचे। इस दौरान उन्होंने 10 घड़ियालों को चंबल नदी में छोड़ा। उन्होंने चंबल क्षेत्र में पर्यटन और पर्यावरण संरक्षण को लेकर भी आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

विपक्ष में बैठकर सत्ता पक्ष का सम्मान करते थे अटलजी– मुख्यमंत्री ने आमसभा को संबोधित करते हुए कहा- हमने सुभाष चंद्र बोस को नहीं देखा, भगत सिंह को नहीं देखा

महात्मा गांधी को नहीं देखा। लेकिन, इस बात को गर्व से कह सकते हैं कि हमने उनका पूरा रूप तथा समाहित चरित्र के रूप में अटल बिहारी वाजपेयी को देखा है। अटल जी के व्यक्तित्व में पूरे लोकतंत्र का व्यक्तित्व समाया था। हमारे अटल बिहारी वाजपेयी ऐसे थे कि इंदिरा जी के बल पर जब बांग्लादेश पाकिस्तान से अलग हुआ था, तब विपक्ष में बैठे अटल जी ने उन्हें मां दुर्गा का स्वरूप बताया था। वह विपक्ष में बैठकर भी सत्ता पक्ष के मुखिया का सम्मान करते थे।

आसन नदी पर बनेगा बोट क्लब

सीएम ने मंच से नगर के शोवरन गार्डन से इमलिया रोड तक 12 करोड़ रुपए की लागत की दोनों तरफ की सड़क और नालियों के निर्माण कार्य को स्वीकृत किया। उन्होंने मुरैना की नगरीय सीमा से लगी 12 पंचायतों में विकास कार्यों के लिए 20 करोड़ रुपए की राशि को स्वीकृति दी। मुरैना की मुख्य एमएस रोड पर मौजूद बिजली के पोल और ट्रांसफॉर्मर की शिफ्टिंग के लिए 10 करोड़ रुपए की राशि को स्वीकृति दी। वहीं मुरैना की आसन नदी पर बोट क्लब बनाने के लिए भी स्वीकृति दी गई है।

महापौर बोलीं– अटल जी युग पुरुष थे

मंच पर महापौर शारदा सोलंकी ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि अटल जी युग पुरुष थे। उन्होंने सभी को मार्गदर्शन दिया और एक आदर्श स्थापित किया। वहीं सांसद शिवमंगल सिंह चौहान ने कहा कि अटल बिहारी वाजपेयी जी एक ऐसे नेता हुए, जिनकी सभी ने सराहना की है।

भोपाल में शिक्षक वर्ग-1 के अभ्यर्थियों ने निकाली रैली

भोपाल (नप्र)। भोपाल में वेटिंग शिक्षक संघ (वर्ग-1) ने शिक्षक वर्ग-एक के पदों में वृद्धि की मांग को लेकर सोमवार को प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारी अभ्यर्थियों ने पहले रैली निकाली और नारेबाजी की। इसके बाद लोक शिक्षण संचालनालय पहुंचकर अपनी मांगों को लेकर प्रदर्शन किया।

प्रदर्शन के दौरान शिक्षकों ने अपनी मांगों से संबंधित ज्ञापन लोक शिक्षण आयुक्त को सौंपा। वेटिंग शिक्षक संघ का कहना है कि वर्तमान में शिक्षक वर्ग-एक के पदों की संख्या बहुत कम है, जिससे उच्च माध्यमिक शिक्षक भर्ती 2023 में चयनित अभ्यर्थियों को नौकरी नहीं मिल पा रही है। इन पदों की संख्या बढ़ाई जाए, जिससे अधिक से अधिक प्रतिभाशाली शिक्षकों को रोजगार के अवसर मिल सकें।

संघ के अध्यक्ष मनोज डंडोतिया का कहना है कि 2023 में आयोजित पात्रता परीक्षा उत्तीर्ण अभ्यर्थियों के लिए चयन परीक्षा का आयोजन किया जा रहा है, जिसका आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि 20 फरवरी है। वे कहते हैं कि उच्च माध्यमिक शिक्षक के 8720 में से 16 विषयों में 5052 पद ही नए हैं। जबकि स्कूलों में इस संवर्ग के हजारों पद रिक्त हैं। इन पदों को 20 हजार कर दिया जाए। वे कहते हैं कि स्कूल शिक्षा विभाग ने 2024 में इस संवर्ग के रिक्त पद बढ़ाए हैं। दिसंबर 2022 में 34,789 पद थे, जो दिसंबर 2024 में 48,224 हो गए हैं। यानी 13,533 पद बढ़े हैं, पर इन बढ़े हुए पदों के लिए चयन परीक्षा नहीं कराई जा रही है। प्रदर्शनकारी शिक्षकों ने चेतावनी दी है कि यदि उनकी मांगों पर विचार नहीं किया गया, तो वे आने वाले दिनों में अपना आंदोलन और तेज करेंगे। शिक्षा विभाग के अधिकारियों ने मामले में जल्द ही उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया है।

नर्सिंग स्टूडेंट्स की स्कॉलरशिप को लेकर एनएसयूआई का प्रदर्शन

बैरिकेडिंग कर प्रदर्शनकारियों को रोका

भोपाल (नप्र)। मध्यप्रदेश में नर्सिंग छात्रों की छात्रवृत्ति और परीक्षाओं में हो रही देरी के खिलाफ एनएसयूआई ने सोमवार को जोरदार प्रदर्शन किया। एनएसयूआई के प्रदेश उपाध्यक्ष रवि परमार के नेतृत्व में नर्सिंग छात्र-छात्राएं अपनी मांगों को लेकर राजभवन की ओर बढ़ रहे थे, लेकिन पुलिस ने उन्हें रेडक्रॉस अस्पताल के पास ही बैरिकेडिंग लगाकर रोक दिया। इसके बाद छात्रों ने वहीं बैठकर नारेबाजी की और जमकर प्रदर्शन किया। बाद में पुलिस प्रशासन ने एनएसयूआई नेताओं और छात्र प्रतिनिधियों को राजभवन ले जाकर ज्ञापन दिलवाया।

छात्रवृत्ति और परीक्षाओं में देरी से भविष्य अंधकारमय– एनएसयूआई प्रदेश उपाध्यक्ष रवि परमार ने कहा कि नर्सिंग छात्रों को पिछले चार वर्षों से छात्रवृत्ति नहीं मिली है, जिससे उनकी पढ़ाई प्रभावित हो रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाओं पर ध्यान देने के बजाय इवेंट्स में करोड़ों रुपए खर्च कर रही है।

एनएसयूआई ने जताई इन मामलों पर चिंता

- बीएससी नर्सिंग 2019-20 सत्र के छात्रों की अंतिम वर्ष की परीक्षा अभी तक नहीं हुई।
- बीएससी, एमएससी और पोस्ट बीएससी नर्सिंग 2020-21 और 2021-22 सत्र के छात्रों की सेकेंड ईयर परीक्षाएं लंबित हैं।
- प्रथम वर्ष के कई विद्यार्थियों के परीक्षा परिणाम अब तक घोषित नहीं हुए।
- बिना संबद्धता के कॉलेजों में प्रवेश दिया जा रहा है, जिससे हजारों छात्रों का भविष्य खतरे में है।

सरकार से की ये मांग

- नर्सिंग छात्रों की लंबित छात्रवृत्ति तुरंत जारी की जाए।
- नर्सिंग परीक्षाओं का शेड्यूल घोषित कर समय पर परीक्षाएं करवाई जाए।

पीएससी में ईडब्ल्यूएस को अब मिलेगी आयु सीमा में 5 साल की छूट और 9 अटेम्ट का मौका

म.प्र.हाईकोर्ट का फैसला

भोपाल (नप्र)। मध्य प्रदेश हाईकोर्ट ने आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (ईडब्ल्यूएस) के उम्मीदवारों को बड़ी राहत दी है। अब सिविल सेवा परीक्षा-2025 (पीएससी) में ईडब्ल्यूएस वर्ग के उम्मीदवारों को अन्य आरक्षित वर्गो की तरह आयु सीमा में 5 साल की छूट और 9 बार परीक्षा देने का मौका दिया जाएगा। इस मामले की पैरवी वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से की। उन्होंने 10 फरवरी के आदेश का हवाला दिया, जिसमें अधिवक्ता धीरज तिवारी की पैरवी का उल्लेख था।

इससे पहले, मध्य प्रदेश शिक्षक चयन परीक्षा 2024 में भी हाईकोर्ट की डिवीजन बेंच ने ईडब्ल्यूएस वर्ग को राहत दी। कोर्ट ने संविधान के अनुच्छेद 14 और 16 के आधार पर ईडब्ल्यूएस उम्मीदवारों को आयु में 5 साल की छूट का प्रावधान किया, जिससे 45 वर्ष तक के उम्मीदवार परीक्षा में भाग ले सकेंगे।

हाईकोर्ट ने यूपीएससी से कहा है कि याचिकाकर्ता सहित सभी समान स्थिति वाले उम्मीदवारों के आवेदन स्वीकार किए जाएं, भले ही वे वर्तमान योग्यता या आयु मानदंडों को पूरा न करते हों। यह फैसला सामाजिक न्याय और समानता के सिद्धांतों पर आधारित

है, जिससे ईडब्ल्यूएस वर्ग के उम्मीदवारों को अन्य आरक्षित वर्गों के समान अवसर मिल सकेंगे। हालांकि, कोर्ट ने यह भी कहा कि अंतिम नियुक्ति आदेश बिना उसकी अनुमति के जारी नहीं किए जाएंगे।

फैसलों का असर : हजारों ईडब्ल्यूएस उम्मीदवारों को मिलेगा लाभ

- दोनों मामलों में हाईकोर्ट के फैसले के बाद ईडब्ल्यूएस उम्मीदवारों को 6 की बजाय 9 अटेम्प्ट का अवसर मिलेगा।
- यूपीएससी, सीएसई -2025 में ईडब्ल्यूएस उम्मीदवारों को अन्य आरक्षित वर्गों के समान आयु में 5 साल की छूट मिलेगी।
- 45 वर्ष तक के ईडब्ल्यूएस उम्मीदवार शिक्षक भर्ती परीक्षा में शामिल हो सकेंगे।
- हजारों उम्मीदवार जो पहले उम्र की सीमा और अटेम्प्ट लिमिट के कारण वंचित थे, वे अब आवेदन कर पाएंगे।

प्रोटोकॉल अधिकारी बनकर सीएम के मंच तक पहुंचा युवक

उज्जैन में पुलिस ने हिरासत में लिया, आईडी कार्ड और वॉकी–टॉकी मिला

उज्जैन (नप्र)। उज्जैन में एक युवक मुख्यमंत्री के कार्यक्रम के दौरान मंच के पास तक पहुंच गया। उसे सीएम प्रोटोकॉल का अधिकारी बनकर मंच तक पहुंचते देखा तो पुलिस को शक हुआ। जिसके बाद उसे तुरंत पकड़ लिया गया। तलाशी लेने पर युवक के पास से सीएम प्रोटोकॉल का आईडी कार्ड और एक वॉकी-टॉकी बरामद हुआ। पुलिस फिलहाल युवक से पूछताछ कर रही है। इस बात की जांच की जा रही है कि वह किस मकसद से कार्यक्रम में घुसा था।

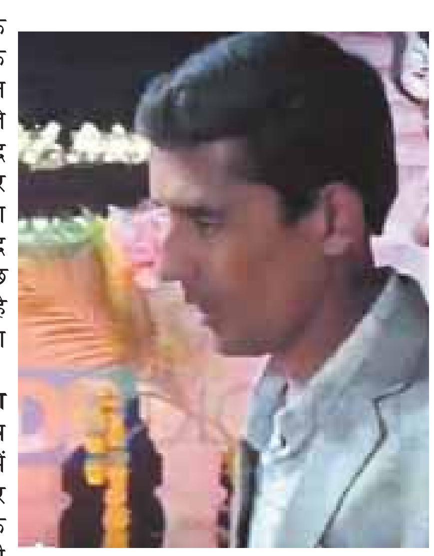

प्रोटोकॉल अफसर बनकर पहुंचा युवक– मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव शनिवार को उज्जैन में कई कार्यक्रमों में शामिल हुए थे। शाम को वे महाकाल मंदिर में रुद्रसागर पर बने सम्राट अशोक सेतु के लोकार्पण समारोह में पहुंचे थे। वहां बड़ी संख्या में लोग सीएम का संबोधन सुनने के लिए मौजूद थे। सुरक्षा में बड़ी संख्या में पुलिस बल भी तैनात था।

इसी बीच, कोट पैंट पहने एक युवक को पुलिस अधिकारियों के बीच घूमते देख एडिशनल एसपी नितेश भार्गव को संदेह हुआ। युवक के गले में सीएम प्रोटोकॉल का आईडी कार्ड था और हाथ में वॉकी-टॉकी भी थी। जब पुलिस अधिकारियों ने उसे रोका और पूछताछ की, तो उसने खुद को सीएम सुरक्षा अधिकारी बताया। लेकिन जब पुलिस ने गहराई से जांच की, तो मामला संदिग्ध लगा। जिसके बाद उसे हिरासत में लेकर महाकाल थाने भेज दिया गया।

आईडी और वॉकी-टॉकी बरामद– जब पुलिस ने युवक की तलाशी ली, तो उसके पास से मध्यप्रदेश शासन, मुख्यमंत्री कार्यालय, वल्लभ भवन भोपाल का आईडी कार्ड बरामद हुआ, जिस पर नाम सिद्धार्थ जैन, पद प्रोटोकॉल ऑफिसर और आईडी नंबर 2908527 दर्ज था। इसके अलावा, उसके पास एक वॉकी-टॉकी भी मिला, जिस पर मध्यप्रदेश शासन का स्टिकर लगा हुआ था। पूरी घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आया है, जिसमें पुलिस युवक को थाने ले जाती हुई दिख रही है। वीडियो में युवक खुद को सीएम सुरक्षा अधिकारी बताता हुआ भी सुनाई दे रहा है।

किस मकसद से आया, पुलिस कर रही जांच– अब तक पुलिस यह स्पष्ट नहीं कर पाई है कि युवक किस उद्देश्य से कार्यक्रम में घुसा था। पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है और यह भी जांच कर रही है कि क्या वह किसी साजिश या बड़े नेटवर्क का हिस्सा तो नहीं है।

इसके अलावा, पुलिस युवक की मानसिक स्थिति का भी आकलन कर रही है और यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि आईडी और वॉकी-टॉकी उसे कहां से मिली। मामले में पुलिस जल्द ही और खुलासे कर सकती है।

दिगम्बर जैन समाज टी टी नगर जैन मन्दिर से पंच कल्याणक महोत्सव पर शोभा यात्रा निकाली गई । फोटो प्रवीण वाजपेई

विजयवर्गीय का बेबाक बयान और मायने!

नगरीय प्रशासन मंत्री कैलाश विजयवर्गीय की मेयर इन काउंसिल की मध्य प्रदेश इकाई में की मीटिंग में दी गई नसीहत से विपक्षी पार्टी के महापौर तो सकते में हैं वहीं सत्ता धारी दल के महापौर भी हैरान है। विजयवर्गीय ने निगम में बजट के अनुसार योजनाओं का संचालन करने और लीकेज को खत्म करने की न केवल बात कही बल्कि यहाँ तक सुझाव दिया कि नगर निगम टैक्स बढ़ाने का साहस दिखाएं। जब वह इंदौर के महापौर थे तो उन्होंने दो बार टैक्स बढ़ोतरी की। विजयवर्गीय ने यह बात भी कहीं कि जांच की जाए तो निगम कटघरे में खड़े हो जाएंगे ! विजयवर्गीय जब यह बात कह रहे थे तब मुख्यमंत्री भी वर्चुअल मीटिंग से जुड़े हुए थे। कांग्रेस और आम आदमी पार्टी के महापौरो ने विजयवर्गीय की इस नसीहत पर पलटवार कर कह दिया कि सरकार को जांच करने से किसने रोका है? सीएम की वर्चुअल मौजूदगी में विजयवर्गीय के इस बयान के लेकर प्रशासनिक व राजनीतिक हल्कों में काफी हलचल है। विजयवर्गीय की नसीयत ने सरकार में कथित मतभेदों को भी उजागर किया है।

मोहन का मंत्रालय

आशीष चौधरी

कानाफूसी वाला नेता है कौन ?

मध्य प्रदेश में कांग्रेस का यह दुर्भाग्य यही है कि एक भी प्रदेश प्रभारी अपना पूरा कार्यकाल मध्य प्रदेश में नहीं कर पाता। राजनीतिक विश्लेषक अब इसकी वजह तलाश रहे हैंद्य जितेन्द्र सिंह जो कि के करीबी नेता रहे हैं, वे भी अब रुखसत कर दिए गए। लोग इस बात का जवाब तलाश रहे हैं कि आखिर मध्यप्रदेश से कानाफूंसी करने वाला हाईकमान का वो कौन नेता है जो जब भी कांग्रेस पार्टी पटरी पर आना शुरू होती है तब संगठन से प्रदेश प्रभारी बदलवाकर उसको फिर पटरी से उतार दिया जाता हैद्य ऐसा कहा जा रहा है संगठन प्रभारी मध्यप्रदेश में कुछ ज्यादा ही इंटरेस्ट लेने लगे थे। इसलिए मध्यदेश की भविष्य की राजनीति तय करने वाले राजनेता अपने ही परिवार के व्यक्ति की राजनीति को संकट में होता देख दिल्ली से कलम चलवा देते हैं।

व्हीआईपी चौराहे और भिखारियों पर नजर !

राजधानी में कलेक्टर ने भिक्षा व्रत्ति पर रोक लगा दी है लेकिन भिखारी हैं किअपने अपने ठिकाने छोड़ने को तैयार नहीं है। उस पर जीआईएस 2025 में शिरकत करने वाले निवेशकों की भिखारियों पर नजर न पड़ जाए इसके लिए जिला प्रशासन कई जतन करने में पीछे भी नहीं है। जिला प्रशासन ने राजधानी के उन चौराहों पर नजर पैनी करना शुरू कर दी है जहां से व्हीआईपी व निवेशकों का रैला निकलेगा। प्रशासन ने स्मार्ट सिटी आफिस से गांधी नगर, एयरपोर्ट, लाल घाटी, व्हीआईपी रोड, रोशनपुरा, कमला पार्क, एमपी नगर बोर्ड आफिस चौराहा आदि प्रमुख चौराहों के वीडियो फूटेज मांगे है। जिससे भिखारियों की पहचान कर धरपकड़ की जा सके। इससे साफ है कि इन प्रमुख चौराहों से निवेशक निकलेंगे तो उनके मानस में गलत संदेश न जाए। इधर जिला प्रशासन की पूरी कोशिश है कि जीआईएस के दौरान राजधानी के कम से कम प्रमुख चौराहे तो भिखारी विहीन हो। बाकी शहर में भिक्षा व्रत्ति बेरोक टोक चलती रहे।

कहानी कुछ और ......

मध्य प्रदेश के एक कद्दावर मंत्री और कभी संगठन के मुखिया रहे नेता जी के निकटतम रिशतेदार जो कभी कद्दावर मंत्री हुआ करते थे उनके क्षेत्र में सडकों के जाल के लिए भारी भरकम राशि स्वीकृत कर दी। लेकिन लेकिन उन्हीं नेता जी ने जब अनुशासनहीनता करते हुए संगठन के खिलाफ बयानबाजी की। तब ये कद्दावर मंत्री उन्हें समझा नहीं पाए जबकि वह खुद भी संगठन के मुखिया रह चुके हैं। इसके बावजूद भी उनका मौन क्या वर्तमान अध्यक्ष से अदावत की ओर इशारा करता है या फिर कहानी कुछ और है।

स्पीड ब्रेकर भी लगवाए पुलिस

राजधानी पुलिस इन दिनों शासन व प्रशासन के साथ इंवेस्टर्स समिट के लिए कानून व्यवस्था मजबूत करने में व्यस्त है। पर पुलिस को इस दौरान स्पीड ब्रेकर भी लगवाने की उच्च स्तर से निर्देश मिल जाते हैं। शहर के व्यस्ततम बाजार के एक थाना प्रभारी को स्पीड ब्रेकर लगवाने का हुक्म आता है। कॉल करने वाला उंची पहुंच का हवाला देकर कालोनी में स्पीड ब्रेकर बनवाने का निर्देश देता है जिसे पुलिस विनम्रता से सुनती है लेकिन पीडब्ल्यूडी की सड़क पर स्पीड ब्रेकर कैसे बने। संबंधित इंजीनियर की तलाश में है पुलिस।